उ. प्र. लोक सेवा आयोग/माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा
आयोजित परीक्षाओं हेतु

पी.जी.टी./जी.आई.सी./जी.डी.सी./डायट/
अस्सिस्टेंट प्रोफसेर/एन.टी.ए. यू.जी.सी. नेट जे.आर.एफ.

(PGT/GIC/GDC/DIET/Asst. Professor/
NTA UGC NET/JRF/SET/CG BEO)

शिक्षाशास्त्र

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान संपादक
आनंद कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर,
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग एवं सुझाव सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

शिक्षाशास्त्र

- शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विषय क्षेत्र, उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण 7-16
- प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के भारत में स्वरूप, संगठन, नियंत्रण, मूल्यांकन एवं सम्बन्धित समस्या 17-38
- शिक्षा का दर्शन 39-65
- महात्मा गाँधी, रविन्द्र नाथ टैगोर, अरविन्द, मालवीय एवं विवेकानन्द के शैक्षिक विचार 66-90
- आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद एवं अस्तित्ववाद के शिक्षा का उद्देश्य, पाठ्यक्रम विधियाँ एवं अनुशासन 91-123
- शैक्षिक समाजशास्त्र 124-142
- शिक्षा का नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण 143-146
- सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा सम्प्रदाय शिक्षा 147-171
- शिक्षा में नवाचार 172-191
- भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याएँ 192-209
- स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय शिक्षा की विशेषताएँ एवं उनका आधुनिक शिक्षा पर प्रभाव 210-213
- स्वतंत्र भारत में शिक्षा का संवैधानिक स्वरूप एवं विभिन्न आयोगों की संस्तुतियाँ एवं मूल्यांकन 214-249
- शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएँ 250-255
- शिक्षा मनोविज्ञान 256-268
- विकास एवं अभिवृद्धि 269-289
- व्यक्ति एवं वैयक्तिक भिन्नताएँ 290-309
- सीखना-नियम एवं विभिन्न सिद्धान्त 310-353
- अभिप्रेरणा एवं सीखने का स्थानान्तरण 354-362
- बुद्धि सिद्धांत एवं बुद्धि मापन 363-384
- मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा में इनका महत्व 385-393
- चिंतन, तर्क, समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, स्मृति-विस्मृति, प्रत्यय निर्माण का अर्थ एवं शैक्षिक निहितार्थ 394-419
- शैक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी 420-494
- शिक्षा में शोध 495-572
- अध्यापक शिक्षा 573-611
- पाठ्यचर्या अध्ययन 612-627
- शिक्षण के सिद्धान्त, सूत्र युक्ति तथा शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षण विधियाँ 628-637
- शिक्षा में/के लिए प्रौद्योगिकी 638-659
- शैक्षिक प्रबंधन, प्रशासन एवं नेतृत्व 660-674
- समावेशी शिक्षा 675-703
- विविध 704-800

पाठ्यक्रम – प्रवक्ता

शिक्षा शास्त्र -

शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप (औपचारिक/अनौपचारिक/औपचारिकेत्तर) एवं विषय क्षेत्र, शिक्षा का उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा का उत्तर प्रदेश में स्वरूप एवं संगठन, महात्मा गाँधी, टैगोर, अरविन्द, मालवीय, विवेकानन्द के शैक्षिक विचार, शिक्षा में नवाचार-जीवन पर्यन्त शिक्षा, सतत् शिक्षा, जनसंचार साधन, और शिक्षा दूरशिक्षा एवं खुला विद्यालय, भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्यायें-वैदिक कालीन, बौद्धकालीन, मध्ययुगीन, ब्रिटिश कालीन एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय शिक्षा की विशेषताएं उनका आधुनिक शिक्षा पर प्रभाव, स्वतंत्र भारत में शिक्षा का संवैधानिक स्वरूप एवं विभिन्न आयोगों की संस्तुतियाँ एवं मूल्यांकन, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नियन्त्रण, मूल्यांकन एवं सम्बन्धित समस्याओं की विवेचना, शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएं – राष्ट्रीय एकता एवं शिक्षा, शिक्षित बेरोजगारी, भाषा – विवाद, छात्र-अशान्ति, नैतिक शिक्षा, शिक्षा का गिरता स्तर एवं बालिकाओं शिक्षा।

शिक्षा का दर्शन एवं समाजशास्त्र–

शिक्षा एवं दर्शन का सम्बन्ध, शिक्षा – दर्शन का स्वरूप एवं महत्व शिक्षा – दर्शन की विभिन्न संस्थाएं – आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य पाठ्यक्रम विधियाँ एवं अनुशासन शैक्षिक समाजशास्त्र – अर्थ एवं विषय क्षेत्र, संस्कृति एवं शिक्षा का नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा सम्प्रदाय एवं शिक्षा, धर्म एवं शिक्षा।

शिक्षा मनोविज्ञान–

अर्थ क्षेत्र एवं महत्व, विकास एवं अभिवृद्धि, बालक की शैशवावस्था में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक विकास एवं शिक्षा में उनका महत्व, व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक भिन्नताएं व्यक्तित्व का मापन, शिक्षा में इनका महत्व सीखना-नियम एवं विभिन्न सिद्धान्त, थार्नडाइव, पैवलव, कोहलर, कोता, रिकनपर एवं हब के सीखने के सिद्धान्तों की विवेचना एवं शैक्षिक निहितार्थ, अभिप्रेरणा एवं सीखने का स्थानान्तरण, वृद्धि-स्वरूप, सिद्धान्त एवं बुद्धिमापन, मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा में इसका महत्व, चिन्तन, तक समस्या समाधान,सृजनात्मकता, स्मृति-विस्मृति, प्रत्यय निर्माण का अर्थ एवं शैक्षिक निहितार्थ।

शैक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी-

शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ, क्षेत्र, उद्देश्य निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षण, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक का निर्धारण, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण एवं विभिन्न पदों की विवेचना, निष्कर्ष, सन्दर्भित तथा मानक सन्दर्भित मापन, ग्रेड प्रणाली, प्राप्तांको का ग्रेड में परिवर्तन, संरचनात्मक तथा योगात्मक योगात्मक मूल्यांकन की विधियां-साक्षात्कार, निरीक्षण रेटिंग एवं उपकरण स्केल, प्रश्नावली, शिक्षा में सांख्यिकी की उपयोगिता, केन्द्रित प्रवृत्ति के मापन-माध्यमान, मध्यांक व बहुलक की गणना व व्याख्या, विचरणशीलता माप-मानक विचलन, चतुर्थांश, शतांक, विसरण, प्रयोग एवं उपयोग मानक प्राप्तांक, टी प्राप्तांक, जेड प्राप्तांक एवं स्टेनाइन, सामान्य प्रायकिता वक्र (Probability Curve) विशेषता एवं विविध उपयोग, सहसम्बन्ध गुणांक-रैंक सहसम्बन्ध (स्वीयरमैन्स) (रो) गणना एवं विश्लेषण।

शिक्षाशास्त्र विषय का नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार अध्यायवार विभाजित PGT परीक्षा हेतु विभिन्न आयोग के प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

क्र.	परीक्षा का नाम	परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की सं.
	माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश		
A.	**प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT)**		
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2000	2000	100
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2002	2002	85
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2003	2003	85
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2004	2004	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2005	2005	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2009	2009	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2011	2016	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2013	2015	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2016	2019	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2021	2021	125
B.	**उ.प्र. लोक सेवा आयोग (जी.डी.सी./जी.आई.सी./डायट) द्वारा आयोजित परीक्षायें**		
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2019	2019	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2017	2017	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2013	2013	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2012	2012	120

	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2008	2008	120
	राजकीय इण्टर कालेज (GIC) प्रवक्ता परीक्षा, 2021	19 Sept. 2021	100
	राजकीय इण्टर कालेज (GIC) प्रवक्ता परीक्षा, 2012	2012	100
	डायट (DIET) प्रवक्ता परीक्षा, 2014	2014	100
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2013	2013	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2012	2012	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2008	2008	120
C.	**उ.प्र. उच्च शिक्षा सेवा चयन परीक्षा**		
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2021	2021	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2018	2018	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2014	2014	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर B.Ed. परीक्षा, 2021	2021	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर B.Ed. परीक्षा, 2014	2014	70
D.	**यू.जी.सी. नेट परीक्षा**		
	यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. 2004-2023 (50 प्रश्न पत्र)	Dec 2004- Dec 2023	3425
E.	**अन्य परीक्षायें**		
	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कालेज प्रवक्ता (GDC) परीक्षा, 2017	2017	100
	छत्तीसगढ़ खण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा, 2014	2014	150
	कुल प्रश्न-पत्र = 78		**6430**

नोट-उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त यथासंभव समान प्रकृति एवं प्रवृत्ति से बचते हुए **शिक्षाशास्त्र** से सम्बन्धित कुल **6430** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है।

पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक पाई चार्ट एवं बार ग्राफ

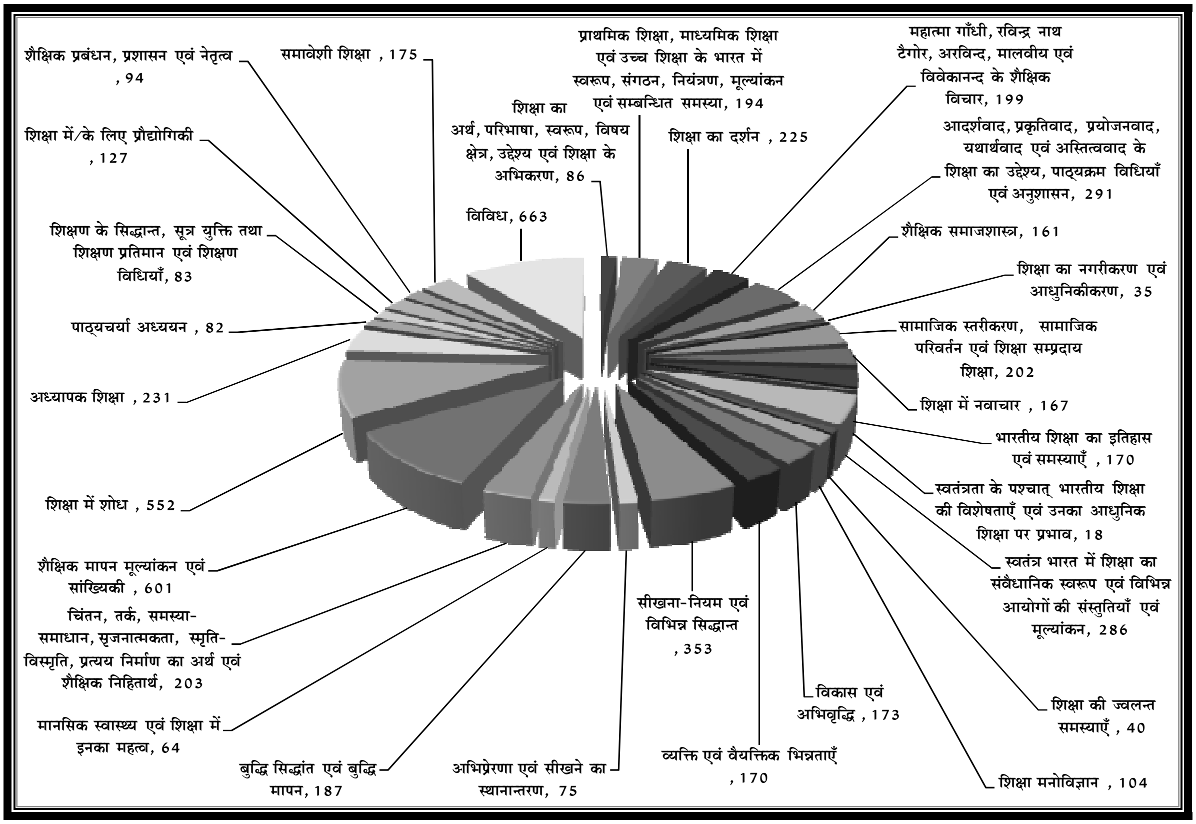

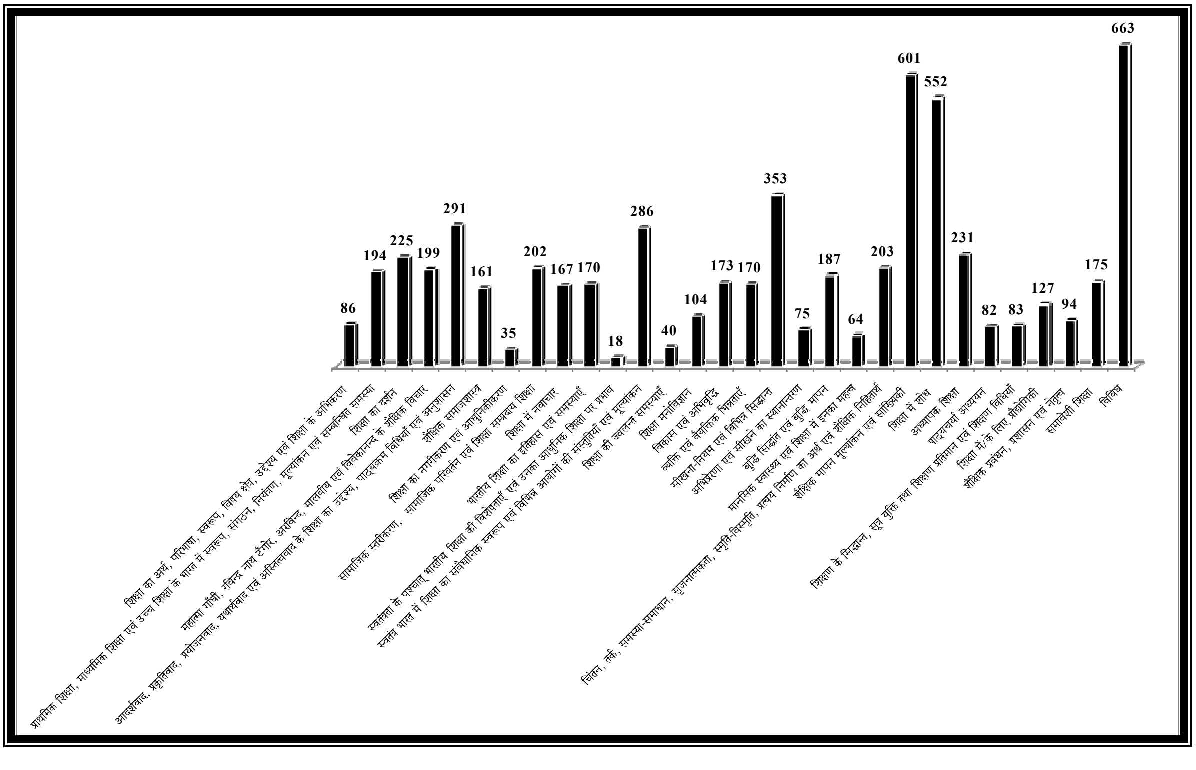

01. शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विषय क्षेत्र, उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण

1. Which of the following statements are true? निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

A. 'Veda' is not the name of any particular book/'वेद' किसी विशेष पुस्तक का नाम नहीं है।
B. The hymns of Rig Veda are composed in the praise of God/ईश्वर की स्तुति में ऋग्वेद की ऋचाओं की रचना की गई है।
C. Vedic teachings bolong to the 'Karma Marga'. वेद का शिक्षण 'कर्म मार्ग' से संबंधित है।
D. Upanishads are also called 'Vedanta'. उपनिषदों को 'वेदांत' के रूप में भी कहा जाता है।
E. 'Vedanta' is the last part of Yajurveda. 'वेदांत' यजुर्वेद का अंतिम भाग है।

Choose the correct answer from the option given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपर्युक्त का चयन कीजिए -

(a) A,B C & D Only/केवल A,B C और D
(b) B, C, D & E Only /केवल B, C, D और E
(c) C, D, E & A Only /केवल C, D, E और A
(d) D, E, A & B Only /केवल D, E, A और B

NTA UGC NET/JRF DEC 2022 Shift-I

Ans. (a) : सत्य कथन है-
A. वेद किसी विशेष पुस्तक का नाम नहीं है।
B. ईश्वर की स्तुति में ऋग्वेद की ऋचाओं की रचना की गई है।
C.वेद का शिक्षण कर्म मार्ग से संबंधित है।
D. उपनिषदों को वेदांत के रूप में भी कहा जाता है।
E. वेदांत यजुर्वेद का अंतिम भाग नहीं है।

2. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(a) परिवार–निरौपचारिक अभिकरण
(b) विद्यालय–औपचारिक अभिकरण
(c) राज्य–अनौपचारिक अभिकरण
(d) स्काउटिंग–निरौपचारिक अभिकरण

UPPSC GIC 2021

Ans. (a): परिवार–निरौपचारिक अभिकरण नहीं अपितु अनौपचारिक अभिकरण है।

3. शिक्षा को समाज की एक उप-प्रणाली समझा जाता है क्योंकि :

(a) इसकी अपनी एक जटिल संरचना है
(b) इसके अपने सुपरिभाषित उद्देश्य एवं कार्य हैं
(c) यह एक आवश्यक सेवा है जो समाज को व्यक्तियों को प्रदान करनी होती है
(d) समाज के लक्ष्यों की प्राप्ति शिक्षा की प्रभावशाली कार्यप्रणाली पर एवं शिक्षा की कार्यप्रणाली समाज पर निर्भर करती है।

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(d) शिक्षा को समाज की एक उप-प्रणाली समझा जाता है क्योंकि समाज लक्ष्यों की प्राप्ति शिक्षा की प्रभावशाली कार्यप्रणाली पर एवं शिक्षा की कार्य प्रणाली समाज पर निर्भर करती है।

4. निम्न में से कौन सा 'शिक्षा का उद्देश्य' माध्यमिक शिक्षा आयोग द्वारा प्रतिपादित नहीं है?

(a) लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास
(b) व्यक्तित्व का विकास
(c) नेतृत्व के गुणों का विकास
(d) विभिन्न धर्मो के बारे में ज्ञान का विकास

UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (d) : विभिन्न धर्मो के बारे में ज्ञान का विकास 'शिक्षा का उद्देश्य' माध्यमिक शिक्षा आयोग द्वारा प्रतिपादित नहीं किया गया है। उसके द्वारा प्रतिपादित उद्देश्य निम्न है।
(a) लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास
(b) व्यक्तित्व का विकास
(c) नेतृत्व के गुणो का विकास
(d) राष्ट्रीयता का विकास

5. छात्रों को एक सारणी में दिए गये परिचित आँकड़ों की सहायता से ग्राफ खींचने को कहा जाता है। कौन सा उद्देश्य प्राप्त किया जा रहा है?

(a) बोध (b) अनुप्रयोग
(c) ज्ञान (d) मूल्यांकन

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (b) अनुप्रयोग उद्देश्य स्तर पर छात्र विभिन्न स्थूल अथवा विशिष्ट परिस्थितियों में अपने ज्ञान बोध के आधार पर किये गये अमूर्तकरण का उपयोग करते हैं। इन अमूर्त करणों में सामान्य विचार, नियम या सामान्यकृत विधि सम्मिलित होते हैं। वे अमूर्तकरण उन तकनीकी सिद्धान्तों के भी हो सकते हैं, जिनमें पुनः स्मरण करना व प्रयोग करना होता है।

6. 'शिक्षा ज्ञान के विकास का कार्य है' इसका तात्पर्य है

(a) उत्पाद (b) प्रक्रिया
(c) संदर्भ (d) निवेश

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (b) शिक्षा ज्ञान के विकास का कार्य है, इसका तात्पर्य प्रक्रिया होता है। जो मनुष्य को अनुभव द्वारा प्राप्त होते हैं एवं उसके पथ-प्रदर्शक बनते हैं।

7. शिक्षा का तात्पर्य है

(a) तथ्यों का ज्ञान (b) तथ्यों की खोज
(c) व्यवहार में परिवर्तन (d) व्यवहार में सुधार

UP PGT 2009

Ans. (b) शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। इसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्ति का विकास उसके ज्ञान एवं कला-कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है और उसे सभ्य सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है ।

8. शिक्षा का कार्य है :

(a) संस्कृति का संरक्षण (b) सामाजिक पुनर्रचना
(c) समालोचना चिन्तन का विकास (d) उपरोक्त सभी

UPPSC GDC Asst. Prof. 2017

Ans. (d) : शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है। शिक्षा मानव जीवन एवं समाज के अनेक महत्त्वपूर्ण कार्यों को सम्पादित करती है। जॉन डीवी ने शिक्षा के कार्य के विषय में लिखा है कि शिक्षा का कार्य असहाय प्राणी के विकास में सहायता पहुँचाना है, जिससे वह सुखी एवं कुशल मानव बन सके।

शिक्षा के कार्य–

1. शिक्षा मानव की अन्तः शक्तियों का प्रगतिशील विकास करती है।
2. शिक्षा संस्कृति एवं सभ्यता का संरक्षण, हस्तान्तरण और विकास करती है।
3. नागरिकों को नागरिकता के अधिकारों व कर्त्तव्यों का पालन करने योग्य बनाती है।
4. सामाजिक पुनर्रचना व व्यावसायिक कुशलता की उन्नति का विकास करती है।
5. आध्यात्मिक चेतना तथा समालोचना चिंतन का विकास करती है।
6. व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करती है।
7. शिक्षा स्वतंत्र चिंतन की क्षमता का विकास करती है।
8. नेतृत्व की शक्ति प्रदान करती है।

9. भावात्मक पक्ष उद्देश्य में घटक हैं

(a) पाँच (b) छः
(c) सात (d) आठ

UPPSC GDC Asst. Prof. 2013

Ans. (a) भावात्मक पक्ष उद्देश्य में पाँच घटक जो निम्नलिखित हैं-

1. आग्रहण - कुछ विचारों, सामाग्री या घटनाओं के अस्तित्व के प्रति जागरूक या संवेदनशील होना और उन्हें सहन करने के लिए तैयार होना।

2. प्रतिक्रिया- कुछ छोटे पैमाने पर विचारो, सामाग्रियो या घटनाओं के लिए प्रतिबद्ध है, जो सक्रिय रूप से उन पर प्रतिक्रिया करके शामिल है।

3. अनुमूल्यन- कुछ विचारों, सामग्री या घटना मूल्य के रूप में दूसरों के द्वारा मानने के लिए तैयार है।

4. संगठन- संगठन का उद्देश्य मूल्य को पहले से धारित लोगों से जोड़ना है और इसे एक सामंजस्य पूर्ण और आंतरिक रूप से सुसंगत दर्शन में लाना है।

5. स्वभावीकरण और निरूपण- यह भावनात्मक स्तर के उद्देश्यों के वर्गीकरण में उच्चतम स्थान रखता है। इस स्तर में जो हमने मूल्यों को संगठित किया है उसे पूर्ण रूप से गृहण कर चुके होते हैं, तो इस आधार पर ही हमारा व्यवहार भी नियंत्रित होता है मूल्यो का निरूपण ही हमारे व्यवहार को नियंत्रित करता है और इससे आत्मसम्मान भी बढ़ जाता है और हम दृढ़ विश्वासों से मूल्यो का निरूपण करके अपने व्यवहार को नियंत्रित कर पाते हैं।

10. स्पेन्सर के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम में कौन-सा विषय नहीं है?

(a) धर्म (b) शरीर-विज्ञान
(c) गणित (d) संगीत

UP PGT 2003

Ans. (c) हरबर्ट स्पेन्सर का जन्म 27 अप्रैल, 1820 में हुआ था और वह एक महान अंग्रेज दार्शनिक, समाजशास्त्री और प्रसिद्ध, पारम्परिक, राजनैतिक सिद्धान्तकार थे। स्पेन्सर के द्वारा उन्होंने अपने जीवन में भौतिक विश्व, जैविक सजीवों, मानव-मन, संगीत, नीतिशास्त्र, धर्म, जीव विज्ञान तथा शरीर विज्ञान उनके पाठ्यक्रम का विषय रहा है, परन्तु गणित उनके पाठ्यक्रम का विषय नहीं है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय मनुष्य का स्थान प्राकृतिक संसार में बताता है?

(a) भौतिकी (b) जीव विज्ञान
(c) भूगोल (d) ज्योतिशास्त्र

UP PGT 2003

Ans. (c) भूगोल एक ऐसी विषयवस्तु है जो मनुष्य का स्थान प्राकृतिक स्थान में बताता है भूगोल प्राकृति का अध्ययन स्थलमण्डल, जलमण्डल तथा जैवमण्डल व वायुमण्डल के रूप में होता है।

12. निम्न में से कौन सा शिक्षा के अभिकरणों के लिए सही अनुक्रम है?

(a) औपचारिक, अनौपचारिक, औपचारिकेतर
(b) औपचारिक, औपचारिकेतर, अनौपचारिक
(c) अनौपचारिक, औपचारिकेतर, औपचारिक
(d) औपचारिकेतर, औपचारिक, अनौपचारिक

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(a) : शिक्षा के तीन अभिकरण है- औपचारिक, अनौपचारिक तथा औपचारिकेतर। औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालय, कॉलेज, पुस्तकालय आदि आते हैं। अनौपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत क्लब, घर, धार्मिक स्थान, राजनैतिक दल आदि आते हैं जबकि औपचारिकेतर के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा, मुक्त विद्यालय आदि आते हैं।

13. मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया?

(a) मूरे (b) रोशॉ
(c) स्प्रेन्जर (d) थॉर्नडाइक

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(c) : मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण स्प्रेन्जर महोदय ने किया है। इन्होंने मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व को निम्नलिखित छः वर्गो में विभाजित किया है-

(i) सैद्धांतिक मूल्य
(ii) आर्थिक मूल्य
(iii) सामाजिक मूल्य
(iv) राजनैतिक मूल्य
(v) धार्मिक मूल्य
(vi) सौन्दर्यात्मक मूल्य

14. शैक्षिक उद्देश्यों की वर्गिकी तीन मूलभूत क्षेत्रों पर आधारित है। इनमें से कौन सा अलग है?

(a) संज्ञानात्मक (b) भावात्मक
(c) प्रतिक्रियात्मक (d) मनोचालक

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (c) : शैक्षिक उद्देश्यों की वर्गिकी तीन मूलभूत क्षेत्रों पर आधारित है, इसका वर्गीकरण ब्लूम द्वारा किया गया था। ब्लूम के अनुसार बालक के व्यक्तित्व का विकास तीन सीखने के क्षेत्रों में होता है–

1. ज्ञानात्मक पक्ष 2. भावात्मक पक्ष 3. मनोक्रियात्मक पक्ष

बालक के व्यवहार में परिवर्तन और विकास व्यक्तित्व के इन्हीं तीन पक्षों में होता है। इसी को आधार मानकर ब्लूम ने शैक्षिक उद्देश्यों को तीन भागों में विभक्त किया है–

1. संज्ञानात्मक पक्ष के उद्देश्य
2. भावात्मक पक्ष के उद्देश्य
3. मनोचालक/मनोक्रियात्मक पक्ष के उद्देश्य

अतः प्रतिक्रियात्मक शैक्षिक उद्देश्य की वर्गिकी से भिन्न है।

15. निम्नलिखित में से कौन भावनात्मक क्षेत्र के शैक्षिक उद्देश्य से सम्बन्धित नही है?

(a) आग्रहण (b) अनुक्रिया
(c) व्यवस्थापन (d) प्रत्यक्षीकरण

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (d) प्रत्यक्षीकरण भावात्मक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है, यह मनोचालक क्षेत्र से सम्बन्धित है।
भावात्मक क्षेत्र का वर्गीकरण–1. आग्रहण 2. प्रतिक्रिया
3. अनुमूल्यन 4. संगठन 5. स्वभावीकरण

16. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा का औपचारिक अभिकरण है

(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) राज्य (d) धर्म

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (b) औपचारिक शिक्षा प्रायः सुनियोजित प्रक्रिया द्वारा व्यक्तियों को दी जाती है, इसकी योजना पहले से बना ली जाती है, इसको प्राप्त करने की विधि पहले से ही निश्चित हो जाती है, अर्थात् विद्यालय औपचारिक अभिकरण है।

17. शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों की सर्वप्रथम चर्चा की थी

(a) रॉस ने (b) पेस्टालॉजी ने
(c) नन ने (d) ड्यूवी ने

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (c) शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों की चर्चा - वी. पी नन ने की थी। नन के अनुसार, ''शिक्षा को ऐसी दशा में उत्पन्न करना चाहिए जिससे व्यक्तित्व का विकास हो सके और मानव जीवन को अपने मौलिक योग दे सके।''

18. शिक्षा के रूप में आत्मानुभूति (सैल्फ रियलाइजेशन) से तात्पर्य है–

(a) नैतिक विकास
(b) सामाजिक विकास
(c) समस्त मानव शक्तियों का पूर्ण विकास
(d) भावनात्मक विकास

UP PGT 2016

Ans. (c) : शिक्षा का अर्थ मनुष्य में निहित समस्त शक्तियों का पूर्ण विकास करना है। अर्थात जीवन का अन्तिम लक्ष्य आत्मानुभूति (सेल्फ रियालाइजेशन), ईश्वर की प्राप्ति एवं मुक्ति प्राप्त करना है। स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार ''हमें उस शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा चरित्र का निर्माण होता हो, मस्तिष्क की शक्ति बढ़ती हो, बुद्धि का विकास होता हो और मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो सकता हो।

19. इनमें से कौन शिक्षा का एक वैयक्तिक उद्देश्य नहीं है?

(a) शारीरिक विकास
(b) मानसिक विकास
(c) नागरिक के रूप में विकास
(d) सौन्दर्य बोधात्मक विकास

UP PGT 2016

Ans. (c) : शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों में शारीरिक, मानसिक और सौन्दर्य बोधात्मक विकास शामिल है। क्योंकि शिक्षा का विकास व्यक्ति के समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता है। जेम्स ड्रेवर महोदय ने यह मत दिया की शिक्षा एक प्रक्रिया है। जिसके द्वारा बालक के ज्ञान, चरित्र एवं व्यवहार को एक विशेष सांचे में ढाला जाता है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा पाठशाला का औपचारिक कार्य नहीं है?

(a) छात्रों में चिंतन शक्ति का विकास करना
(b) छात्रों को उपयोगी ज्ञान देना
(c) छात्रों के परिवार के साथ सामञ्जस्य स्थापित करने में मार्गदर्शन करना
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

UP PGT 2016

Ans. (c) : औपचारिक शिक्षा का कार्य एक निश्चित योजना के अनुसार होता है। शिक्षा सम्बन्धी सभी कार्यक्रम जैसे- स्थान, व्यक्ति, उद्देश्य, पाठ्यक्रम, नियम, व्यवस्था आदि की योजना पहले से निश्चित की जाती है। पाठशाला का औपचारिक कार्य चिन्तन शक्ति का विकास एवं उपयोगी ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि छात्रों को परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित करने का कार्य अनौपचारिक है।

21. आज के वैश्विकरण के युग में शिक्षा को महत्व देना चाहिये-

(a) व्यक्तिगत् एकीकरण पर
(b) भावात्मक एकीकरण पर
(c) राष्ट्रीय एकीकरण पर
(d) अन्तर्राष्ट्रीय एकीकरण पर

UP PGT 2013

Ans. (d) वैश्विकरण के युग में शिक्षा को महत्व देना ही अन्तर्राष्ट्रीय एकीकरण है।

22. शिक्षा का आधारभूत उद्देश्य है-

(a) ज्ञान प्रदान करना
(b) व्यक्ति का विकास करना
(c) परीक्षा उत्तीर्ण कर उपाधि प्राप्त कर
(d) किसी व्यवसाय हेतु तैयार करना

UP PGT 2013

Ans. (b) शिक्षा का आधारभूत उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास प्रदान करना है ताकि वह जीवन में किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सके। शिक्षा छात्र को मानवीय मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार, ''इस प्रकार शिक्षा का उद्देश्य केवल जीविकोपार्जन या जीवन के लिए तैयारी के साधन के रूप में नहीं बल्कि मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के पूर्ण और सामंजस्यपूर्ण विकास में एक अनिवार्य कारक के रूप में माना गया है।''

23. शिक्षा का अर्थ है :

(a) विद्यालय में दिया जाने वाला ज्ञान
(b) जोर-जोर से पढ़ना
(c) बालक की जन्मजात शक्तियों का विकास
(d) विद्यालय बनाना

UP PGT 2009

Ans. (c) शिक्षा एक सोद्देश्य, सामाजिक, अविरल गतिशील और विकास की प्रक्रिया है। इसके द्वारा मनुष्यों की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है। इस प्रकार उन्हें सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है।

24. 'परिवार' शिक्षा का किस प्रकार का साधन है?

(a) औपचारिक साधन (b) अनौपचारिक साधन
(c) औपचारिकेतर साधन (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2009

Ans. (b) परिवार, समुदाय व धार्मिक संस्थाएँ आदि शिक्षा के अनौपचारिक साधन है। यह एक सहज, स्वभाविक शिक्षा है जिसका कोई औपचारिक स्वरूप नहीं होता है। यह शिक्षा जीवन-पर्यन्त चलने वाली शिक्षा है। इस शिक्षा का कोई समय स्थान या पाठ्यक्रम नहीं होता है तथा इसकी कोई योजना नहीं बनानी पड़ती।

25. शिक्षा शब्द समानार्थी है :

(a) निर्देश का (b) विद्यालयीकरण का
(c) प्रशिक्षण का (d) स्किनर

UP PGT 2009

Ans. (c) शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा की 'शिक्ष' धातु में 'अ' प्रत्यय लगाने से बना है। शिक्षा का अर्थ है सीखना और सिखाना इसलिए शिक्षा का अर्थ हुआ सीखने और सिखाने की प्रक्रिया अर्थात प्रशिक्षण।

26. निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य नहीं है?

(a) शिक्षा प्रसार (b) सामुदायिक समन्वय
(c) सांस्कृतिक संरक्षण (d) आर्थिक संचय/लाभ

UP PGT 2009

Ans. (d) निरौपचारिक शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य शिक्षा का प्रसार सामुदायिक समन्वय तथा सांस्कृति संरक्षण, सामाजिक कौशल का विकास, आत्मा का विकास आदि है।
जबकि आर्थिक संचय/लाभ निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य नहीं है।

27. निरौपचारिक शिक्षा का साधन नहीं है

(a) सिनेमाघर (b) कक्षा विभाग
(c) टी वी (d) परिवार

UP PGT 2009

Ans. (b) कक्षा/कक्ष शिक्षण औपचारिक (formal) शिक्षा के साधन हैं, जबकि टी.वी., सिनेमाघर व परिवार निरौपचारिक शिक्षा के साधन हैं।

28. 'शिक्षा' शब्द का शाब्दिक अर्थ है

(a) उजागर करना (b) उड़ेलना
(c) सृजन करना (d) प्रेरित करना

UP PGT 2005

Ans. (a) शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा का मूल शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ है - ज्ञानार्जन करना अथवा उजागर करना होता है। इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि शिक्षा ज्ञान अर्जन करने की एक सतत प्रक्रिया है। शिक्षा को अंग्रेजी में Education कहते हैं। एजुकेशन शब्द लैटिन भाषा के ''Educatum'' से बना है, जिसका अर्थ - आंतरिक रूप से आगे बढ़ना होता है।

29. विद्यालय किस प्रकार की शिक्षा का साधन है?

(a) औपचारिक (b) अनौपचारिक
(c) औपचारिकेत्तर (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2005

Ans. (a) विद्यालय शिक्षा के औपचारिक अभिकरण है, औपचारिक अभिकरणों में प्रवेश के नियम, विद्यालय का समय, शिक्षण सत्र, कक्षोन्नति तथा पाठ्यक्रम आदि के निश्चित नियम होते हैं। इसमें शिक्षक, उपदेशक और शिक्षार्थी आज्ञाकारिता के आदर्श का पालन करते हैं।

30. डीवी के अनुसार, शिक्षा से अभिप्राय है-

(a) सुख का साधन (b) मोक्ष का साधन
(c) जीवन की तैयारी (d) स्वयं जीवन

UP PGT 2013

Ans. (d) डीवी के अनुसार, शिक्षा सामाजिक प्रक्रिया है वे शिक्षा को न तो साध्य और न ही मनुष्य जीवन की तैयारी का साधन ही मानते थे। यह तो स्वंम जीवन है। डीवी मानते है कि मनुष्य कुछ जन्मजात शक्तियां लेकर पैदा होता है सामाजिक चेतना में भाग लेने से इनकी इन शक्तियों का विकास होता है।

31. जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्था का उद्देश्य निम्नलिखित को प्रशिक्षण देना है

(a) औपचारिक प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों को
(b) अनौपचारिक शिक्षा में कार्यरत कर्मियों को
(c) प्रौढ़ शिक्षा में कार्यरत कर्मियों को
(d) उपरोक्त सभी को

UP PGT 2005

Ans. (d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसरण में अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की स्थापना की गयी। इसका प्रमुख उद्देश्य स्कूली शिक्षकों, प्रौढ़ शिक्षा एवं अनौपचारिक शिक्षा के कार्यकर्ताओं, अध्यापक प्रशिक्षकों आदि के ज्ञान का उनकी योग्यताओं और कौशलों का निरन्तर उन्नयन करना था।

32. प्राथमिक शिक्षा को स्थानीय संस्थाओं के अधीन करने का सुझाव दिया था

(a) लॉर्ड रिपन ने (b) मैकाले ने
(c) एडम ने (d) विलियम हण्टर ने

UP PGT 2005

Ans. (d) प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य प्रशासन व वित्त व्यवस्था के सम्बन्ध में सुधार के लिए 1882 ई॰ में हण्टर आयोग का गठन हुआ। इस आयोग ने प्राथमिक शिक्षा का उत्तरदायित्व स्थानीय संस्थाओं को देने का सुझाव प्रस्तुत किया था।

33. अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के लक्ष्य समूह है

(a) निरक्षर प्रौढ़
(b) 6 वर्ष के कम आयु के बच्चे
(c) प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालय छोड़ देने वाले बच्चे
(d) उपरोक्त सभी

UP PGT 2005

Ans. (d) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण, वे समाजिक समूह तथा संगठन है। जिनका निर्माण सामजिक संरचना के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है और जिनके सामने औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था का कोई उद्देश्य नहीं होता लेकिन ये जाने-अनजाने बच्चों, युवकों व प्रौढ़ों की शिक्षा को प्रभावित करते रहते हैं, जैसे- परिवार, समुदाय, धार्मिक संस्थाऐं आदि। इस प्रकार शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरणों के लक्ष्य समूह उपर्युक्त सभी है।

34. शिक्षा का सर्वाधिक पूर्ण उद्देश्य क्या है?

(a) सामाजिक विकास (b) चारित्रिक विकास
(c) नैतिक विकास (d) मानसिक विकास

UP PGT 2005

Ans. (d) शिक्षा का सर्वाधिक पूर्ण उद्देश्य व्यक्ति/विद्यार्थी का सम्पूर्ण मानसिक विकास है। एक विद्यार्थी का जब मानसिक विकास होता है तो अन्य सामाजिक विकास स्वतः उसमें आ जाते हैं।

35. ''सभी दुष्टता, कमजोरी के कारण आती है।'' - यह कथन शिक्षा के किस उद्देश्य की ओर संकेत करता है?

(a) मानसिक विकास (b) नैतिक विकास
(c) व्यावसायिक विकास (d) शारीरिक विकास

UP PGT 2004

Ans. (b) सभी दुष्टता कमजोरी के कारण आती है। यह कथन शिक्षा के नैतिक विकास की ओर संकेत करता है। नैतिक विकास के लिए शिक्षा यह तीन कार्य करती है। नैतिक नियमों की जानकारी मूल्यों का निर्माण और चरित्र का विकास।

36. एक विद्यार्थी के लिए सामाजिक रूप से इच्छित आदतों और अभिवृत्तियों को विकसित करने के लिए सबसे उचित स्थान है :

(a) विद्यालय (b) खेल का मैदान
(c) घर (d) क्लब

UP PGT 2003

Ans. (a) विद्यालय समाज का लघुरूप होता है। विद्यालय बालक के सामाजिक आदतों को व उसकी अभिवृत्तियों को विकसित करने का सबसे उचित स्थान होता है।

37. शिक्षा के लिए सबसे उपयुक्त तरीका है :

(a) वर्तमान परीक्षा-पद्धति (b) सपुस्तक परीक्षा-पद्धति
(c) सेमेस्टर पद्धति (d) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र

UP PGT 2003

Ans. (c) सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत किसी उपाधि विशेष के लिए निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को 6-6 माह के कुछ खण्डों में विभक्त कर दिया जाता है जिन्हें सेमेस्टर कहा जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के पाठ्यक्रम का शिक्षण करने के उपरान्त परीक्षा आयोजित की जाती है। यह प्रणाली शिक्षा के लिए एक उपयोगी तरीका है।

38. शिक्षा क्या है ?

(a) शिक्षा अनुदेश है
(b) शिक्षा किताबी ज्ञान है
(c) स्कूल के भीतर एवं बाहर प्राप्त किया गया समस्त अनुभव शिक्षा है
(d) कुशाग्रता शिक्षा है

UP PGT 2002

Ans. (c) विद्यार्थी द्वारा स्कूल के भीतर तथा बाहर प्राप्त किया गया समस्त अनुभव (ज्ञान) शिक्षा कहलाता है। शिक्षा विकास का क्रम है, शिक्षा निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, शिक्षा गतिशील रहती है, शिक्षा सम्बन्ध स्थापित नहीं करती।

39. औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाली सबसे महत्वपूर्ण संस्था कौन-सी है ?

(a) विद्यालय (b) परिवार
(c) प्रकृति (d) पुस्तकालय

UP PGT 2002

Ans. (a) विद्यालय औपचारिक शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है परिवार, प्रकृति व पुस्तकालय अनौपचारिक शिक्षा के साधन है।

40. औपचारिक शिक्षा हम कहाँ से प्राप्त करते हैं?

(a) क्लबों से (b) राजनैतिक दलों से
(c) विद्यालयों से (d) धार्मिक स्थलों से

UP PGT 2002

Ans. (c) औपचारिक शिक्षा वह शिक्षा है जो एक निश्चित स्थान पर, निश्चित लोगों के द्वारा निश्चित पाठ्यक्रम तथा निश्चित समय में सम्पन्न की जाती है, उसे औपचारिक शिक्षा कहते हैं। औपचारिक शिक्षा का मुख्य स्थान विद्यालय परिसर है। पुस्तकालय, चित्र भवन, यह सभी औपचारिक शिक्षा के साधन हैं।

41. अनौपचारिक शिक्षा के स्रोत क्या हैं?

(a) विद्यालय
(b) कोचिंग केन्द्र
(c) बिना किसी औपचारिक के वातावरण से प्राप्त अनुभव
(d) शिक्षादाता

UP PGT 2002

Ans. (c) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण वे सामाजिक समूह अथवा संगठन है जिनका निर्माण सामाजिक संगठन के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है। और जिनके सामने औपचारिक अथवा निरौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था का कोई उद्देश्य नहीं है लेकिन जाने-अनजाने में बच्चों , युवकों और प्रौढ़ों की शिक्षा को प्रभावित करते हैं जैसे- परिवार समुदाय और धार्मिक संस्थाएं।

42. गैर-औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता क्यों है?

(a) वास्तविक शिक्षा की दिशा में आँखें खोलने हेतु
(b) विपक्षी दल को संतुष्ट करने हेतु
(c) औपचारिक संस्थाएँ अपने यहाँ भर्ती कराने की भीड़ को संभाल पाने में असमर्थ है
(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2002

Ans. (c) बढ़ती जनसंख्या और सबको उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा के निरौपचारिक साधन आवश्यक है। अर्थात् ये औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

43. इनमें से कौन-सी स्थिति शिक्षा के खराब स्तर के लिए जिम्मेदार नहीं हैं?

(a) शिक्षा का दोहरा मानदंड
(b) धनी व्यक्ति खराब स्तर की परवाह नहीं करते
(c) शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों से जी चुराते हैं
(d) विद्यार्थी धार्मिक नहीं होते हैं

UP PGT 2002

Ans. (b) धनी व्यक्ति खराब स्थिति की परवाह नहीं करते यह स्थिति शिक्षा के खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। अतः शिक्षा का दोहरा मानदंड के कारण शिक्षा व शिक्षण व्यवस्था में एकरूपता नहीं आ सकती शिक्षा में उचित पर्यवेक्षण न होने से शिक्षक अपनी जिम्मेंदारी से जी चुराते हैं। यह स्थिति शिक्षा के खराब स्तर के लिए जिम्मेदार है।

44. शिक्षा का सर्वोत्तम उद्देश्य है :

(a) व्यक्ति के चरित्र का सम्पूर्ण विकास
(b) व्यक्ति का सर्वांगीण विकास
(c) व्यक्ति का सामाजिक विकास
(d) व्यक्ति के शरीर एवं बुद्धि का विकास

UP PGT 2000, 2002

Ans. (b) शिक्षा का सर्वोत्तम उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास (मानसिक, शारीरिक, तथा सामाजिक विकास) से है।

45. राज्य शिक्षा का साधन है :

(a) औपचारिक (b) अनौपचारिक
(c) औपचारिकेतर (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2000

Ans. (b) वस्तुतः राज्य शिक्षा का एक शक्तिशाली साधन या अभिकरण है। राज्य अनेक प्रकार के साधनों द्वारा अनौपचारिक रूप से जनता को शिक्षित करता रहता है। राज्य के निम्नलिखित शैक्षणिक कार्य इसलिये अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन कार्यों को राज्य ही अच्छी तरह से कर सकता है। अन्य शैक्षिक अभिकरणों के पास ऐसे साधन नहीं होते हैं कि वे इन कार्यों को अच्छी प्रकार कर सकें।

46. शिक्षा के अभिकरण प्रमुख हैं :

(a) दो (b) पांच
(c) सात (d) तीन

UP PGT 2000

Ans. (d) शिक्षा के अभिकरणों को इन तीन प्रमुख भागों में बाँटा गया है। 1. औपचारिक अभिकरण 2. अनौपचारिक अभिकरण तथा 3. निरौपचारिक अभिकरण

47. 9-15 वर्ष वाले आयु के स्कूल छोड़ देने वाले बच्चों के लिए जो योजना चलाई गयी है, वह है

(a) औपचारिकेतर शिक्षा (b) सतत शिक्षा
(c) अनौपचारिक शिक्षा (d) प्रौढ़ शिक्षा

UP PGT 2000

Ans. (c) 9-15 वर्ष आयु वर्ग के लिए अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था की गई है। इसमें जीविकोपार्जन के साथ-साथ शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।

48. अनौपचारिक शिक्षा की प्रमुख विशेषता है :

(a) सब के लिए सुलभ
(b) विशेष वर्ग की शिक्षा
(c) केवल प्रौढ़ों के लिए
(d) केवल स्कूल से बाहर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए

UP PGT 2000

Ans. (a) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण वे सामाजिक समूह अथवा संगठन है। जिनका निर्माण सामाजिक संरचना के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है। जैसे परिवार, समुदाय और धार्मिक संस्थाएँ इसलिए अनौपचारिक शिक्षाएँ सर्वप्रमुख विशेषता, सबके लिए सुलभ होना है।

49. कौन-सा कथन अनौपचारिक शिक्षा के संबंध में सही नहीं है :

(a) परीक्षा आवश्यक नहीं है
(b) परीक्षा आवश्यक है
(c) प्रवेश आवश्यक नहीं है
(d) स्थान एवं समय निश्चित नहीं है

UP PGT 2000

Ans. (a) अनौपचारिक शिक्षा के सम्बन्ध में परीक्षा अनिवार्य रहती है अतः यह कथन गलत है।

50. निम्न में से कौन सी शिक्षा की औपचारिक एजेंसी नहीं है?

(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) पुस्तकालय (d) पाठ्य-पुस्तकें

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (a) : परिवार शिक्षा की औपचारिक एजेंसी नहीं है। शिक्षा के औपचारिक साधनों के अन्तर्गत वे संस्थायें आती है, जिनके द्वारा किसी पूर्व निश्चित योजना के अनुसार बालक को नियंत्रित वातावरण में रखते हुए शिक्षा के संकुचित अथवा निश्चित उद्देश्य को प्राप्त किया जाता है। इन साधनों की श्रेणी में विद्यालय, पुस्तकालय, पाठ्य-पुस्तकें, भवन तथा वाचनालय आदि आते हैं।

51. शिक्षण के उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में लिखने की योजना सर्वप्रथम किसने विकसित की थी?

(a) मेगर (b) ब्लूम
(c) स्किनर (d) क्राउडर

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (b) : शिक्षण के उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप से लिखने की योग्यता सर्वप्रथम ब्लूम ने विकसित की थी। ब्लूम ने शिक्षण उद्देश्यों को तीन प्रमुख वर्गों में विभाजित किया-
(1) ज्ञानात्मक पक्ष, (2) भावात्मक पक्ष, (3) क्रियात्मक पक्ष

52. स्वउपदेशन, स्वनिर्देसित चिन्तन व समाहित करने की प्रक्रिया है, जिसमें विद्यार्थी सीखता है

(a) परिचर्चा विधि द्वारा
(b) प्रयोगशाला व प्रयोग द्वारा
(c) पुस्तकालय संसाधनों एवं वेबसाइट द्वारा
(d) प्रोजेक्ट आधारित अधिगम द्वारा

UKPSC GDC 2017

Ans. (c) : स्वउपदेशन शिक्षा आत्म निर्देशित शिक्षा है, जो अनौपचारिक शिक्षा से सम्बन्धित है। स्वउपदेशन में बिना किसी मार्गदर्शन के स्वयं द्वारा सीखा जाता है।

53. शिक्षा परिवर्तन लाती है

(a) मूल्यों में
(b) अभिवृत्तियों में
(c) जीवन के उद्देश्य एवं अर्थ में
(d) उपरोक्त सभी में

UKPSC GDC 2017

Ans. (d) : शिक्षा वह प्रक्रिया है,जो व्यक्ति के मूल्यों तथा अभिवृत्तियों में परिवर्तन लाती है। शिक्षा वातावरण के साथ अनुकूलन स्थापित करती है, पूर्ण जीवन के उद्देश्यों एवं अर्थों को प्राप्त करने में सहयोग देती है।

54. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है?

(a) शिक्षा एक कला है
(b) शिक्षा एक विज्ञान है
(c) यह न तो कला है और न ही विज्ञान
(d) कुछ सीमा तक यह एक कला है एवं कुछ सीमा तक यह विज्ञान है
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : यदि हम शिक्षा की विषयवस्तु, स्वरूप, विधि तथा उद्देश्यों का विश्लेषण करे तो पायेगें के शिक्षा न केवल कला है और न केवल विज्ञान है। अपितु वह कला तथा विज्ञान दोनों ही है। कला का अर्थ एक आदर्श प्रस्तुत करता है। कला हमें बताती है कि अभीष्ट क्या है, उद्देश्य तथा गन्तव्य क्या है। इस रूप में शिक्षा भी हमारे सम्मुख अनेक आदर्श प्रस्तुत करती है, अनेक उद्देश्य निश्चित करती है तथा गन्तव्य का निर्धारण करती है। शिक्षा विज्ञान भी है। विज्ञान हमें दक्षता पूर्वक कार्य करने की विधि से अवगत कराता है। यह ज्ञान को पूर्व नियोजित संगठित तथा मितव्ययिता पूर्वक प्राप्त करने की प्रविधियों से अवगत कराता है। अन्त में हम कह सकते हैं कि शिक्षा कुछ सीमा तक यह एक कला है एवं कुछ सीमा तक यह विज्ञान है।

55. एक ''राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली'' से अर्थ है

(a) सभी बालकों हेतु एकसमान शिक्षा प्रणाली।
(b) एक निश्चिय स्तर तक शिक्षा निःशुल्क हो।
(c) किसी विशिष्ट स्तर तक शिक्षा सर्वसुलभ हो।
(d) औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु सभी बालकों को समान अवसर प्राप्त होने चाहिएँ।

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तरों के समुच्चय का चयन कीजिए :

(a) (a), (c) एवं (d) (b) (b), (c) एवं (d)
(c) (a), (b), (c) एवं (d) (c) (a), (b) एवं (c)

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-II)

Ans. (b) एक राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से अर्थ हैं।
(i) एक निश्चित स्तर तक शिक्षा निःशुल्क हो।
(ii) किसी विशिष्ट स्तर तक शिक्षा सर्वसुलभ हो।
(iii) औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु सभी बालकों को समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

56. शहरी क्षेत्रों में निजी विद्यालयों का आगमन निम्नांकित में से किसे सहयोग करता है?

(a) शैक्षिक संस्थाओं के मध्य अधिक्रमता
(b) शैक्षिक अवसर की समानता
(c) प्रतिष्ठासूचक स्तर समूहों की अधिक्रमता
(d) चयनात्मकता का पक्ष विकसित करना

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तरो के समुच्चय का चयन कीजिए :

(a) (a), (b), (c) एवं (d) (b) (a), (b) एवं (c)
(c) (b), (c) एवं (d) (d) (a), (c) एवं (d)

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-II)

Ans. (d) शहरी क्षेत्रों में निजी विद्यालयों का आगमन निम्न में सहयोग प्रदान करता है।
(i) शैक्षिक संस्थाओं के मध्य अधिक्रमता
(ii) प्रतिष्ठासूचक स्तर समूहों की अधिक्रमता
(iii) चयनात्मक का पक्ष विकसित करना।

57. अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से सीखने को कहा जाता है:

(a) मुक्त शिक्षा
(b) औपचारिक शिक्षा
(c) अंतदृष्टिपूर्ण शिक्षा
(d) संयोगवश सीखना अथवा आकस्मिक सीखना

NTA UGC NET/ JRF 2022

Ans. (d) : अनौपचारिक शिक्षा उस प्रकार की शिक्षा को संदर्भित करती है जो औपचारिक शैक्षिक संस्थानों, जैसे स्कूल और विश्वविद्यालयों के बाहर होती है। अनौपचारिक शिक्षा कही भी और कभी भी हो सकता है, स्व-निर्देशित अध्ययन, समुदाय की भागीदारी, अवकाश गतिविधियों और काम से संबंधित अनुभवों जैसे कई रूप ले सकता है। इस प्रकार की शिक्षा संरचित नहीं है और अक्सर औपचारिक योग्यता को ओर नहीं ले जाती है, लेकिन फिर भी यह ज्ञान एवं कौशल विकास का एक मूल्यवान स्रोत हो सकती है। इसलिए इसे आकस्मिक शिक्षा भी कहा जाता है। यह स्वभाविक या प्राकृतिक रूप से होती है।

(a) मुक्त शिक्षाः- उन शैक्षिक संस्थानों को कहते हैं जो प्रवेश से सम्बन्धित अवरोधों को समाप्त कर दिये है। अर्थात् ऐसे संस्थान में प्रवेश के लिए कोई शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता न हो। दूर रहकर शिक्षा को ग्रहण कर सकेंगे।

(b) औपचारिक शिक्षाः- औपचारिक शिक्षा उस संरचित शिक्षा प्रणाली को संदर्भित करती है जो प्राथमिक स्कूल से विश्वविद्यालय तक चलती है। इसमें व्यवसायिक, तकनीकी और व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल है।

(c) अंतर्दृष्टिपूर्ण शिक्षणः- जब एक व्यक्ति संघर्ष से जूझ रहा हो तो किसी समस्या का समाधान अंतर्दृष्टि के झलक से अचानक से आ जाता है। वोल्फगैंग कोहलर ने अपने सिद्धांत में उन्होंने अन्तर्दृष्टि शब्द का प्रस्ताव किया है। जो परीक्षण और त्रुटि के साथ नहीं होता है बल्कि यह अनुभव के अचानक पुर्नगठन है।

58. पियाजे द्वारा अनुशंसित संज्ञानात्मक (कोंगनेटिव) विकास के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में रखें:

(A) गतिवाही अवस्था
(B) मूर्त परिचालन अवस्था
(C) पूर्व परिचालन अवस्था
(D) औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A), (C), (D), (B) (b) (A), (B), (C), (D)
(c) (B), (C), (A), (D) (d) (A), (C), (B), (D)

NTA UGC NET/ JRF 2022

Ans. (d) : जीन पियाजे एक मनोवैज्ञानिक है, जिन्होंने अपने सिद्धांत में संज्ञानात्मक विकास का एक व्यवस्थित अध्ययन किया है जिसे चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक चरण एक अलग तरीके से चिंतन की विशेषता और उम्र से संबंधित है।

(i) गतिवाही अवस्था (जन्म से 2 वर्ष तक) - बच्चे अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अपनी इन्द्रियों और पेशीय क्षमताओं का उपयोग करते हैं।
(ii) पूर्व परिचालक अवस्था (2 से 7 वर्ष) - बच्चे वस्तुओं और विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए मानसिक प्रतीकों का विकास करते हैं। वे भाषा का प्रयोग करना शुरू कर देते हैं और नाटक खेलने में संलग्न हो जाते हैं।
(iii) मूर्त परिचालक अवस्था- (7 से 11 वर्ष)- बच्चे मूर्त वस्तुओं और घटनाओं के बारे में तार्किक और व्यवस्थित रूप से सोचने की क्षमता विकसित करते हैं।
(iv) औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था (11 से 15 वर्ष)- बच्चे अमूर्त सोच कौशल विकसित करते हैं और अमूर्त अवधारणाओं और काल्पनिक स्थितियों के बारे में तार्किक रूप से तर्क करने में सक्षम होते हैं।

59. सेट-I दिये गये रचनावादी उपागम के प्रतिपादकों के नाम को सेट-II में ज्ञान निर्मिति की संस्तुत प्रक्रियाओं से सुमिलेत कीजिए:

सेट-I (प्रतिपादक)	सेट-II (ज्ञान निर्मित/प्रक्रियाएं)
(A) जीन पियाजे	(i) सक्रियण, अनुरक्षण और दिशा आधारित अन्वेषणात्मक अधिगम उपागम
(B) जेरोम ब्रूनर	(ii) अग्रिम संगठक, व्याख्यात्मक संगठन और तुलनात्मक संगठक पर आधारित अधिगमकर्ता का उपागम
(C) डेविड ऑसबेल	(iii) समकक्षी समूह आधारित अंतःक्रियात्मक और सामाजिक अधिगम उपागम
(D) लेव वाईगोत्स्की	(iv) आत्मसातीकरण, समंजन, अनुकूलन आधारित संज्ञानात्मक उपागम

नीचे दिये गये विकल्प को चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (a) :

सेट-I	सेट-II
A. जीन पियाजे	आत्मसातीकरण समंजन, अनुकूलन आधारित संज्ञानात्मक उपागम
B.जेरोम ब्रूनर	संक्रियण अनुरक्षण और दिशा आधारित अन्वेषणात्मक अधिगम उपागम
C. डेविड आसुवेल	अग्रिम संगठक व्याख्यात्मक संगठन और तुलनात्मक संगठक पर आधारित अधिगमकर्ता का उपागम
D.लेव वाईगोत्स्की	समकक्षी समूह आधारित अंतःक्रियात्मक और सामाजिक अधिगम उपागम

60. व्यवहार परक उद्देश्यों के निर्माण का सही क्रम क्या है?

(a) व्यवहार की स्वीकार्यता के मानदंड, परिस्थितियां जिनमें व्यवहार होंगे, व्यवहार
(b) व्यवहार, स्वीकार्यता के मानदंड, परिस्थितियों जिनमें व्यवहार होंगे
(c) व्यवहार की परिस्थिति, व्यवहार, स्वीकार्यता के मानदंड
(d) विनिर्दिष्ट व्यवहार, ऐसी परिस्थितियां जिनमें व्यवहार घटित होंगे और व्यवहार की स्वीकार्यता के मानदंड

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : व्यवहारपरक उद्देश्यों के निर्माण का सही क्रम निम्न हैं– विनिर्दिष्ट व्यवहार, ऐसी परिस्थितियाँ जिसमें व्यवहार घटित होगे एवं व्यवहार के स्वीकार्यता के मापदण्ड हो, क्योंकि किसी का व्यवहार घटित होने के लिए वातावरणीय परिस्थितियों का उपलब्ध होना आवश्यक है। उन परिरस्थितियों के अनुरूप घटित हुआ व्यवहार तभी स्वीकार्य माना जायेगा जब वह उपयुक्त मानदण्ड के अनुरूप घटित हुआ हो।

61. निम्नांकित में से कौन-सा समुच्चय वर्गिकी के ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगतिक अनुक्षेत्रों के उच्चतम स्तर को क्रमवार संसूचित करता है?

(a) संश्लेषण, मूल्य निर्धारण, अभिव्यक्तिकरण
(b) विश्लेषण, आग्रहण, कुशल संचालन
(c) अनुप्रयोग, व्यवस्थापन, परिशुद्धता
(d) मूल्यांकन, चरित्र-धारिता, सहजीकरण

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : जब इसका प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाता है तब इसका तात्पर्य शैक्षिक उद्देश्यों के साथ व्यवस्थित क्रम से होता है। इस प्रकार का व्यवस्थित क्रम या वर्गीकरण शिक्षा से सम्बन्धित प्रत्येक प्रकार के व्यक्ति के लिए उपयोगी होता है। इसका सर्वाधिक प्रचलित अनुक्रम ब्लूम का वर्गीकरण है। वर्गिकी के मूल्यांकन, चरित्रधारिता, सहजीकरण, ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगतिक अनुक्षेत्रों के उच्चतम स्तर को क्रमवार संसूचित करता है।

62. निम्नलिखित में से कौन सा कथन औपचारिक प्राधिकारी के रूप में शिक्षक से सम्बन्धित है?

(a) शिक्षक समुदाय का सदस्य भी है
(b) शिक्षक और शिक्षार्थी सामाजिकीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत कई तरीकों से आपस में जुड़े हो सकते हैं
(c) शिक्षक न केवल अनुदेशन का अभिकर्ता है अपितु वह नियंत्रण और मूल्यांकन का भी अभिकर्ता है
(d) शिक्षक के कुछ अधिकार और कर्तव्य होते हैं जो उसके पास वृहत्तर तंत्र में उसकी स्थिति से आते हैं

UGC NET/JRF Dec 2015 (Paper-III)

Ans. (c) औपचारिक प्राधिकारी के रूप में शिक्षक न केवल अनुदेशन का अभिकर्ता है अपितु वह मूल्यांकन और नियंत्रण का भी अभिकर्ता है।

63. सिनेमा को निम्नलिखित में से क्या माना जाता है?

(a) शिक्षा का गैर-औपचारिक अभिकरण
(b) शिक्षा का औपचारिक अभिकरण
(c) शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण
(d) शिक्षा का एक सक्रिय अभिकरण

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-III)

Ans. (a) सिनेमा के माध्यम से व्यक्ति कभी भी कहीं भी और किसी भी रूप में कुछ न कुछ सीखते हैं इस प्रकार यह शिक्षा का गैर-औपचारिक अभिकरण है।

64. रूबरू होकर किया गया अनौपचारिक संवाद ग्राहक और उसकी समस्याओं सम्बन्धी जानकारी एकत्रित करने की सर्वोत्तम तकनीक है, कैसे?

(a) इससे ग्राहक और उसकी समस्या सम्बन्धी प्रत्यक्ष जानकारी लेने में सहायता मिलती है
(b) ग्राहक के साथ साक्षात्कार का आयोजन और साक्षात्कार करना बड़ा आसान है
(c) साक्षात्कार की वीडियोग्राफी की जा सकती है
(d) यह लचकीली है और इसमें ग्राहक सहज रहता है

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (a) आमने सामने रूबरू होकर किया गया साक्षात्कार ग्राहक के जानकारी एकत्र करने की सर्वोत्तम तकनीक इसलिए मानी जाती है क्योंकि इससे ग्राहक एवं उसकी समस्या की प्रत्यक्ष जानकारी मिल जाती है।

65. परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करता है

(a) औपचारिक रूप से (b) अनौपचारिक रूप से
(c) प्रयत्न सहित (d) नियमित रूप से

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (b) परिवार बालक की प्रथम पाठशाला होती है। बच्चे का समाजीकरण परिवार से शुरू होता है जिसमें वह परिवार के सदस्यों से बहुत सारे सामाजिक मूल्यों को सीखता है। परिवार बच्चे के सर्वांगीण विकास को सुगम बनाकर उसके व्यक्तित्व को ढ़ालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार परिवार बच्चे के अनौपचारिक रूप से शिक्षा प्रदान करता है।

66. बालक की शिक्षा का प्रारम्भ कहाँ होता है?

(a) परिवार से (b) विद्यालय से
(c) कॉलेज से (d) समाज से

UP PGT 2005

Ans. (a) एक बालक के लिए परिवार ही उसकी प्रथम पाठशाला होती है, तथा उसके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य उसके पहले शिक्षक होते हैं, इसलिए बच्चों में विश्वासों परम्पराओं और रीति-रिवाजों को आकार देने में परिवार मुख्य रूप से उत्तरदायी होता है।

67. बच्चे को शिक्षा प्रदान करने वाली प्रथम संस्था है

(a) समाज (b) परिवार
(c) विद्यालय (d) जन-संचार

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (b) : परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करने की प्रथम तथा प्राचीनतम संस्था है। माता-पिता का मुख्य दायित्व है- बच्चों को उचित ढंग से शिक्षित करना तथा शिक्षा की ओर उन्मुख करना।

68. परिवार, बच्चे को निम्न प्रकार से शिक्षा देता है-

(a) औपचारिक रूप से (b) अनौपचारिक रूप से
(c) जानबूझकर (d) नियमित रूप से

UGC NET/JRF Dec 2004

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. औपचारिक शिक्षा का मुख्य केंन्द्र है

अथवा

अनौपचारिक शिक्षा की प्रमुख एजेन्सी है-

(a) घर (b) समाज
(c) रेडियो और टी.वी. (d) समाचार पत्र

UGC NET/JRF Dec 2004
UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (a) बालक के शिक्षा की शुरुआत उसके अपने घर से होती है। समाज में उसे कैसा व्यवहार करना है यह सब कुछ वह अपने घर से ही सीखता है, इसलिए घर को बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है।

70. निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा औपचारिक संगठन से सम्बन्धित नहीं है।

(a) दिशा-निर्देश की इकाई (b) आदेशों की शृंखला
(c) नियन्त्रण का विस्तार (d) संरचना में पदानुक्रम

UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (d) औपचारिक संगठन वह संगठन होता है जिसमें कार्य कर्मचारी, दिशा निर्देश, अनुशासन और नियंत्रण पूर्व निर्धारित होते हैं और एक निश्चित नियम के अनुसार सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि प्रशासकगण अपने से नीचे के लोगों को दिशा निर्देश प्रदान करें तथा सभी को अनुशासन के दायरे में रखकर नियंत्रित करें एवं अपना कार्य करते रहें। जबकि संरचना पदानुक्रम का होना हर संगठन में होता है।

71. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षा के चार स्तंभों में नहीं है?

(a) भविष्य के लिए सीखना
(b) दूसरों के साथ शान्तिपूर्वक रहना सीखना
(c) काम के लिए सीखना
(d) ज्ञान के लिए सीखना

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans. (d) ज्ञान अपने आप में वृहद शब्द है जिसमें सीखना समाहित है। शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य किसी क्षेत्र में कौशल-प्रदान करना है जिससे रोजगार की प्राप्ति हो सके। शिक्षा, प्रेम, दया, सहानुभूति आदि सामाजिक मूल्य को सिखाती है जिससे एक-दूसरे के साथ शान्तिपूर्वक ढंग से रहा जाय।

72. निम्नलिखित में से कौन-सी अनौपचारिक संस्था है?

(a) खेल का मैदान (b) लाइब्रेरी
(c) सेमिनार (d) क्लास रूम

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans. (b) पुस्तकालय एक ऐसी संस्था है जहाँ पर व्यक्ति/बालक जाकर अपनी विभिन्न समस्याओं का समाधान ढूँढ़ते हैं तथा अपनी जिज्ञासा को शांत करते है और इसके लिए समय की कोई बाध्यता नहीं होती है इसलिए यह एक अनौपचारिक संस्था है।

73. शिक्षा की औपचारिक संस्थाएँ अस्तित्व में आने का कारण क्या है?

(a) समाज अत्याधिक संश्लिष्ट हो गया और संस्कृति में विशिष्ट अभिव्यक्ति विकसित हो गई
(b) एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान का रूपान्तरीकरण समाज के लिए आवश्यक हो गया
(c) समाज और संस्कृति समय के साथ एकत्र हो गए
(d) समाज समझ गया कि हर व्यक्ति समाज के विकास में योगदान देता है।

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (d) समाज के विकास में किसी एक व्यक्ति विशेष का हाथ नहीं होता वरन सम्पूर्ण समाज का होता है। ऐसे में समाज का विकास किस प्रकार होगा। यह समाज के नागरिक पर निर्भर करता है। नागरिक जितने अधिक योग्य, कार्य कुशल, व्यवहार कुशल और कर्मठ होंगे समाज का उतना विकास होगा। और ये योग्य, कर्मठ और कुशल व्यक्ति स्कूल तथा अन्य औपचारिक संस्थाओं से आते हैं, जिससे इसका अस्तित्व बढ़ गया । इसके अलावा सामाजिक प्रथा परम्पराओं का संवर्धन और संरक्षण तथा एक-पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरण भी औपचारिक संस्थाएं ही करती हैं।

74. निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षा का औपचारिकेतर संस्था नहीं है?

(a) ज्ञान दर्शन (b) एजुसैट
(c) आभासी क्लासरूम (d) खेल मैदान

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (d) खेल के मैदान में बालक अनौपचारिक रूप से गिनती, समय, दिशा, जोड़ तथा घटाना जैसी चीजें सीखता रहता है।

75. ''शिक्षा अच्छे नैतिक चरित्र का विकास है।''

(a) प्लेटो का (b) ड्यूवी का
(c) रूसो का (d) हरबर्ट का

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (d) हरबर्ट के अनुसार, ''शिक्षा नैतिक चरित्र का उचित विकास है।''

76. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है?

(a) तुलना (b) भविष्य कथन
(c) सह सम्बन्ध (d) खोज करना

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) तुलना गुणात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है, गुणात्मक अध्ययन में गुणात्मक प्रकृति के चरो तथा उनसे प्राप्त प्रदत्तों का सकलन व विश्लेषण किया जाता है, गुणात्मक अध्ययन में भाषिक सूचनाओं वाले ऐसे प्रदत्तो का अध्यन नहीं किया जाता जिनमें चरो को मात्रा के रूप में मापित किया गया हो।

77. ''समस्या के समाधान हेतु एक प्रस्तावित हल के रूप में परिकल्पना को परिभाषित किया जा सकता है।'' यह कथन है

(a) मैकगुएन का (b) करलिंगर का
(c) एडवर्ड्स का (d) टाउनसेन्ड का

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) एफ.जे. मैकगुएन ने परिकल्पना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि, परिकल्पना दो या अधिक चरों के बीच सम्भावित सम्बन्ध का एक परीक्षणीय कथन है।

78. **पाठ्यक्रम परिवर्तन निम्नलिखित में से किस पर विचार करता है?**
(A) लक्ष्यों और उद्देश्यों में परिवर्तन
(B) विषय-वस्तु में परिवर्तन
(C) आधारभूत संरचना में परिवर्तन
(D) शिक्षण के तरीकों में परिवर्तन
(E) मूल्यांकन प्रक्रिया में परिवर्तन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनियेः
(a) (A), (B), (C) और (D)
(b) (A), (C), (D) और (E)
(c) (B), (C), (D) और (E)
(d) (A), (B), (D) और (E)

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : संकुचित अर्थ में शिक्षा केवल स्कूली शिक्षा या पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित था। परन्तु विस्तृत अर्थ में पाठ्यक्रम के अंतर्गत वह सभी अनुभव आ जाते हैं, जिन्हें एक नयी पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से प्राप्त करती है। साथ ही विद्यालय में रहते हुए शिक्षक के संरक्षण में विद्यार्थी जो भी क्रियायें करता है वह सभी पाठ्यक्रम के अंतर्गत आते हैं।
जब कोई व्यक्ति पाठ्यक्रम में परिवर्तन करना चाहता है तो उसे निम्नलिखित बिन्दुओ पर विचार करना चाहिए-
(i) इसके लिए वह विषयवस्तु में परिवर्तन करेगा।
(ii) जब विषय वस्तु में परिवर्तन करेगा तो उसके लक्ष्य और उद्देश्य में परिवर्तन भी होगा।
(iii) विषय वस्तु बदलेगा तो शिक्षण के तरीकों में भी परिवर्तन आयेगा।
(iv) शिक्षण में परिवर्तन होने के बाद उसके मूल्यांकन प्रक्रिया में भी परिवर्तन हो जाता है।
अतः इन सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही हमें पाठ्यक्रम परिवर्तन करना चाहिए।

79. **आधुनिक भाषायी विश्लेषण किस विषय में प्रयुक्त भाषा को सम्मान देगा?**
(a) सामाजिक विज्ञान (b) भौतिकी तथा गणित
(c) प्रदर्शन कला (d) दर्शन और मनोविज्ञान

UGC NET/JRF 22 July 2018 (Re Exam)

Ans. (b) : आधुनिक भाषायी विश्लेषण भौतिकी तथा गणित विषय में प्रयुक्त भाषा को सम्मान देगा।

80. **औपचारिक शिक्षा को किसने 'विद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बाहर आयोजित' कहा?**
(a) फिलिप कूम्ब (b) ला बेला
(c) इलिज (d) जॉन डीवी

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (c) इवान इलिज ने अपनी पुस्तक 'डी-स्क्रूलिंग सोसाइटी' में कहा कि–समाज से विद्यालय को समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने औपचारिक शिक्षा को विद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बाहर आयोजित होने वाली प्रक्रिया कहा था।

81. **शिक्षा में पूर्ण जीवन की तैयारी के लक्ष्य का समर्थन किसने किया था?**
(a) हरबार्ट (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) जॉन डीवी (d) प्लेटो

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (b) हरबर्ट स्पेंसर ने शिक्षा द्वारा व्यक्ति पूर्ण जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करे इसका समर्थन किया था। पूर्ण जीवन से आशय है जैविक माँग, सामाजिक माँग, सुरक्षा प्रेम, प्रतिष्ठा तथा सबसे अन्त में आत्मानुभूति, जो शिक्षा के द्वारा ही प्राप्त हो सकती है।

82. **विषय-वस्तु निर्माण की व्यवस्थित प्रक्रिया में निहित है–**
(a) सामान्यीकरण, नाम और श्रेणीकरण
(b) प्रेक्षण, श्रेणीकरण और सामान्यीकरण
(c) समीकरण, अनुकूलन और वर्गीकरण
(d) सामान्यीकरण, संगठन और वर्गीकरण

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans. (b) विषय-वस्तु निर्माण की प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में सर्वप्रथम प्रेक्षण तत्पश्चात् श्रेणीकरण और उसके बाद सामान्यीकरण किया जाता है।

83. **'इन्द्रियाँ ज्ञान का प्रवेशद्वार है', इस पर बल दिया गया हैं-**
(a) रूसों (b) बेकन
(c) जॉन डीवी (d) कॉमनियस

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans. (d) कॉमनियस ने इन्द्रियों द्वारा ज्ञान प्राप्त करने पर बल दिया है। इसके लिए उन्होंने इंद्रिय प्रशिक्षण पर बल दिया है। वह इन्द्रियों को ज्ञान का प्रवेश द्वार मानते थे, अतः जो भी ज्ञान इनके द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किया जाता है वही वास्तविक ज्ञान है। कॉमनियस ने शिक्षण विधि में विशेष योगदान दिया है। इनके द्वारा विकसित सूत्र हैं – (1) ज्ञानेन्द्रियों द्वारा ज्ञान दिया जाए, (2) शिक्षा मातृभाषा में दी जाए, (3) ज्ञान को रटाया न जाए अपितु बच्चों के अनुभव के आधार पर विकसित किया जाए।

84. **शिक्षा में गृह की भूमिका-**
(a) ज्ञान प्राप्ति में बालक को सहायता प्रदान करना
(b) शाला के कार्य में हस्तक्षेप करना
(c) शिक्षा का मूल्य के रूप में स्वीकार करना और इसकी धारणा को शक्ति प्रदान करना
(d) शाला को सहायता प्रदान करना और विनियुक्त करना

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (a) परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है भविष्य में जो भी बालक है या बनाना चाहता है उसको आधारशिला प्रथम 5 वर्ष में तैयार हो जाती है। इस समय जो कुछ बालक सीखता है उसका मुख्य आधार परिवार होता है। इसके अतिरिक्त ज्ञान प्राप्ति की जिज्ञासा परिवार से निर्देशन से ही पूर्ण होती है। परिवार स्कूल में सीखे गए मूल्यों की स्थायित्व प्रदान करता है।

85. **लोकतंत्र में शिक्षा का समुचित महत्व क्या है?**
(a) वह मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है
(b) वह राजनीतिक सत्ता हथियाने में सहायक होती है
(c) वह योग्य कर्मचारियों की पूर्ति करती है
(d) वह मनुष्यों को मुक्त व्यवहार के सक्षम बनाती है सामाजिक व्यवहार में सक्षम

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (d) लोकतांत्रिक शिक्षा से तात्पर्य है कि सभी को अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके, और एक शिक्षित व्यक्ति ही लोकतांत्रिक समाज में अपने अधिकारों की पहचान एवं रक्षा कर सकता है। लोकतंत्र में शिक्षा मनुष्य को मुक्त एवं सामाजिक व्यवहार में सक्षम बनाती है। ऐसे व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र का समुचित नेतृत्व कर सकते हैं।

86. **'बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान सही शिक्षा है'' यह कथन है।**
(a) ऋग्वेद का (b) छान्दोग्य उपनिषद् का
(c) सामवेद का (d) भगवद् गीता का

UGC NET/JRF Dec 2012 (Paper-III)

Ans. (b) छान्दोग्य उपनिषद् में कहा गया है- बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान सही शिक्षा है।

02. प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के भारत में स्वरूप, संगठन, नियंत्रण, मूल्यांकन एवं सम्बन्धित समस्या

1. One of the accreditation schemes under NABET involves quality of :
एन.ए.बी.ई.टी. के अंतर्गत प्रत्यायन योजना में किसकी गुणवत्ता सम्मिलित है?

(a) Pre-primary school governance
पूर्व-प्राथमिक विद्यालय अभिशासन
(b) Primary school governance
प्राथमिक विद्यालय अभिशासन
(c) Secondary school governance
माध्यमिक विद्यालय अभिशासन
(d) School governance/विद्यालय अभिशासन

NTA UGC NET/JRF DEC 2022 Shift-I

Ans. (d) : एन.ए.बी.ई.टी. के अंतर्गत प्रत्यायन योजना में विद्यालय अभिशासन की गुणवत्ता सम्मिलित है। एन.ए.बी.ईं.टी. छात्रों के समग्र विकास के उद्देश्य से समग्र शिक्षा कार्यक्रम के प्रभावी प्रबंधन और वितरण के लिए ढ़ांचा प्रदान करने की दृष्टि से देश में गुणवत्ता स्कूल शासन के लिए प्रत्यायन कार्यक्रम की पेशकश कर रहा है।

2. आगमन एवं निगमन विधि के प्रतिपादक है–

(a) हरबर्ट (b) मारिसन
(c) फ्रेंसिस बेकन (d) सुकरात

UP PGT 2021

Ans. (c) : आगमन एवं निगमन विधि के प्रतिपादक अरस्तू हैं तथा इस विधि के सिद्धान्त का प्रतिपादन फ्रेंसिस बेकन द्वारा किया गया था।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में किस वर्ष तक प्राथमिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने की बात कही गयी थी?

(a) 1995 (b) 2000
(c) 2002 (d) 1990

UP PGT 2021

Ans. (d) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में 1990 तक प्राथमिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने की बात कही गयी थी। इस राष्ट्रीय शिक्षा के अनुसार 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के सार्वजनिक नामांकन व नियमित शिक्षा प्राप्ति तथा शिक्षा की गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार पर बल दिया जायेगा।

4. ''सभी विचारों का आधार परिणामगत सत्यापन होता है।'' यह केन्द्रीय विचार किससे सम्बन्धित है?

(a) प्रयोजनवाद से (b) आदर्शवाद से
(c) यथार्थवाद से (d) अस्तित्ववाद से

UP Higher Asst. Prof. (B.Ed) 2021

Ans. (a) : ''सभी विचारों का आकार परिणामगत सत्यापन होता है।'' यह विचार प्रयोजनवाद से सम्बन्धित है।
प्रयोजनवादी वस्तुओं और क्रियाओं की व्याख्या करने के चक्कर में नहीं पड़ते। वे न आत्मा को मानते हैं और न परमात्मा को। इसके अनुसार मन का ही दूसरा नाम परमात्मा है तथा मन एक पदार्थजन्य क्रियाशील तत्व मात्र है। इसके अतिरिक्त ये ज्ञान को साध्य न मानकर मानव जीवन को सुखमय बनाने का साधन मानते हैं।

5. ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड कार्यक्रम शुरू किया गया था निम्न में से किससे सुधार के लिए?
अथवा
''ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड'' सम्बन्धित हैः

(a) प्राथमिक शिक्षा से
(b) माध्यमिक शिक्षा से
(c) उच्च माध्यमिक शिक्षा से
(d) पूर्व-प्राथमिक शिक्षा से

UP Higher Asst. Prof. (B.Ed) 2021
UPPSC GDC Pravkta 2008
Chhattishgarh ABEO-2013
UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (a) : ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित है। ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड की स्थापना 1986-87 में सातवीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में पाठ्य-सामग्री तथा शिक्षक उपकरण जैसी न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करना था।

6. 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' में किस स्तर की शिक्षा के साधन उपलब्ध कराने की बात कही गई है?

(a) प्राथमिक शिक्षा (b) माध्यमिक शिक्षा
(c) उच्च शिक्षा (d) स्त्री शिक्षा

UP PGT 2009

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. 'ऑपरेशन ब्लैक–बोर्ड' की अवधारणा दी गई है–

(a) भारत के संविधान में
(b) ड्राफ्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1979 में
(c) सातवीं पंचवर्षीय योजना में
(d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में

UPPSC GIC 2021

Ans. (d) : ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड की अवधारणा **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986** में दी गई है।
ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में पाठ्य-सामग्री तथा शिक्षक उपकरण जैसे न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था को सुनिश्चत करना है।
⇒ विद्यालय एवं कक्षा-कक्ष को आकर्षक बनाया गया।
⇒ दो बड़े कमरें जिनमें सामने बरामदा हो।
⇒ पुस्तकालय के लिए पुस्तकें।
⇒ शिक्षकों के पास आकस्मिक व्यय के लिए धन।
⇒ प्रसाधन लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग हो।
⇒ नामांकित बच्चों के आधार पर जहाँ आवश्यक हो उन प्राथमिक विद्यालय में 3 अध्यापक एवं तीन कमरों की व्यवस्था की जाए।

8. ''प्राथमिक शिक्षा का उत्तरदायित्व स्थानीय निकायों को दिया जाना चाहिए।'' सर्वप्रथम निम्न ने यह सुझाव दिया:

(a) वर्धा शिक्षा योजना (b) वुड्स डिस्पैच
(c) लार्ड मैकाले (d) कोठारी आयोग

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (*) हंटर आयोग ने प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के पश्चात कहा कि प्राथमिक शिक्षा का सीधा सम्बन्ध व्यक्ति के जीवन से होता है। आयोग के अनुसार प्राथमिक शिक्षा का कार्य स्थानीय संस्थाओं को सौंप दिया जाना चाहिए।

9. 'शिक्षा की चुनौती-नीति सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य' दस्तावेज किस वर्ष जारी हुआ था?

(a) 1985 (b) 1986
(c) 1992 (d) 2001

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (a) : 1985 में शिक्षा की चुनौती नामक दस्तावेज तैयार किया गया एवं 1986 में सारे देश के लिए एक समान शैक्षिक ढांचे को स्वीकार किया गया और 10+2+3 की संरचना को अपनाते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रस्तुत की गयी।

10. + 2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम प्रारूप को प्रथम बार प्रस्तुत किया गया

(a) आदिशेषय्या समिति रिपोर्ट द्वारा
(b) ईश्वरभाई जे. पटेल समिति रिपोर्ट द्वारा
(c) आचार्य राममूर्ति समिति रिपोर्ट द्वारा
(d) यशपाल समिति रिपोर्ट द्वारा

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(a) : आदिशेषय्या समिति रिपोर्ट द्वारा +2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम प्रारूप को प्रथम बार प्रस्तुत किया गया।

11. नवोदय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य ________ को शिक्षा देना है।

(a) ग्रामीण प्रतिभाशाली छात्रों
(b) शहरी छात्रों
(c) बालिकाओं
(d) अनुसूचित जाति के छात्रों

UP PGT 2021

Ans. (a) : नवोदय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाशाली छात्रों को शिक्षा देना है।
मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर ध्यान दिए बिना, गुणात्मक आधुनिक शिक्षा प्रदान करना, जिसमें सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण के प्रति जागरुकता, साहसिक कार्यकलाप और शारीरिक शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण घटकों का समावेश हो।

12. ग्रामीण क्षेत्रों के 75% (प्रतिशत) मेधावी, किन्तु निर्धन विद्यार्थीयों को निःशुल्क तथा उत्तमशिक्षा प्रदान करने हेतु, निम्नलिखित में से––––विद्यालय स्थापित किये गये हैं?

(a) बहु-उद्देश्य (b) नवोदय
(c) संकुल-विद्यालय (d) पड़ोसी-विद्यालय

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(b) भारत सरकार ने देश में ऐसे प्रतिभाशाली और ग्रामीण बच्चे जो निर्धनता या साधनों के अभाव में पढ़ नहीं सकते उन्हें निःशुल्क स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत जवाहर विद्यालय की स्थापना की।

13. निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य जो प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित है, भारतीय संविधान के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है?

(a) समान विद्यालयी पाठ्यक्रम
(b) अल्पसंख्यकों के लिए बच्चों के लिए विशिष्ट शिक्षा की सुविधा
(c) समावेशित शिक्षा
(d) धार्मिक शिक्षा

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(d) : धार्मिक शिक्षा जो कि प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित है, लेकिन भारतीय संविधान के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है।

14. आर.टी.ई. अधिनियम के अनुसार इनमें कौन प्रत्येक 'विद्यालय प्रबन्ध समिति' का कार्य नहीं है?

(a) बच्चों के माता-पिता/अभिभावकों के प्रतिनिधियों का निर्वाचन
(b) विद्यालय की कार्यप्रणाली का अनुश्रवण तथा 'विद्यालय विकास योजना' की संस्तुति करना।
(c) स्थानीय निकास की इच्छा के अनुरूप धन के उपयोग हेतु प्रधानाध्यापक को विवश करना।
(d) यह सुनिश्चित करना कि किसी अध्यापक के आपदा राहत कार्य न करवाया जाएँ

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (c) : विद्यालय प्रबन्धन समिति– विद्यालय प्रबन्ध समिति विद्यालय में प्रविष्ट बालकों के माता-पिता या संरक्षक और शिक्षकों के निर्धारित प्रतिनिधियों से मिलकर बनने वाली एक समिति है। इस समिति में कम से कम एक चौथाई सदस्य माता-पिता या संरक्षक होंगे। असुविधा ग्रस्त समूह और दुर्बल वर्ग के बालकों के माता-पिता या संरक्षक को समानुपाती प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। इसमें कुल सदस्यों का 5% महिलाएं होंगी।

विद्यालय प्रबंधन के कार्य–

1. विद्यालय के कार्यकरण को मॉनीटर करना।
2. विद्यालय समिति, विद्यालय में नियुक्त अध्यापकों के विद्यालय में उपस्थित होने में नियमित एवं समय पालन, माता-पिता और संरक्षकों के साथ नियमित बैठकें करना और बालकों के बारे में उपस्थिति में नियमितता शिक्षा ग्रहण करने तथा प्रगति के बारे में जानकारी रखना।
3. विद्यालय विकास योजना तैयार करना और उसकी सिफारिश करना।
4. यह सुनिश्चित करना की किसी अध्यापक से आपदा राहत कार्य न करवाया जाए।

लेकिन स्थानीय निकाय की इच्छा के अनुरूप धन के आयोग हेतु प्रधानाध्यापक को विवश करना विद्यालय प्रबन्धन का कार्य नहीं है।

15. प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों हेतु न्यूनतम निर्देशन कार्यक्रम में इन सेवाओं में से किसको उपलब्ध नहीं करवाना चाहिये?

(a) व्यावसायिक स्थापन (b) शैक्षिक सूचना
(c) मापन (d) अभिविन्यास

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (a) : प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों हेतु न्यूनतम निर्देशन कार्यक्रम में व्यावसायिक स्थापन सेवा नहीं उपलब्ध करवानी चाहिए। प्राथमिक स्तर के बालकों को अन्य स्तरों की अपेक्षा अधिक तथा सतत् निर्देशन की आवश्यकता होती है।

16. **आर.टी.ई. अधिनियम में से किस विद्यालय का उल्लेख 'विशिष्टिकृत कोटि के विद्यालय' के तरह नहीं किया है?**
(a) राजकीय व गैर अनुदानित विद्यालय
(b) केन्द्रीय विद्यालय
(c) नवोदय विद्यालय
(d) सैनिक स्कूल

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (a) : आर.टी.ई. (Right to Education) निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा विधेयक 2009 यह शिक्षा सम्बन्धी एक विधेयक है। इस अधिनियम के बाद से 6-14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदान किया गया है। आर.टी.ई. के अनुसार विशिष्टीकृत विद्यालय–
(i) केन्द्रीय विद्यालय
(ii) नवोदय विद्यालय
(iii) सैनिक स्कूल
राजकीय व गैर अनुदानित विद्यालय आर.टी.ई. एक्ट के अनुसार विशिष्टीकृत कोटि के विद्यालय नहीं हैं।

17. **अमेकितन विद्यालय परामर्शदाता संघ के अनुसार अभिदेश कार्य को .... स्तर पर विद्यालय परामर्शदाता का एक दायित्व माना गया है।**
(a) उच्च माध्यमिक (b) माध्यमिक
(c) प्रारम्भिक (d) प्राथमिक

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (a) : विद्यालय परामर्शदाता संघ के अनुसार अभिदेशन कार्य को उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यालय परामर्शदाता का एक दायित्व माना गया है।

18. **प्रारम्भिक शिशु देख-भाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी :**
(a) शिक्षा आयोग (1964-66) ने
(b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968) ने
(c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) ने
(d) माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952-53) ने

UP PGT 2003

Ans. (c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में बाल विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पूर्ण रूप से बाल विकास को ध्यान में रखते हुए पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य और बालकों के सामाजिक, मानसिक, शारीरिक नैतिक एवं भावनात्मक विकास को समेकित रूप में रखते हुए बाल विकास सेवा कार्यक्रम प्रारम्भ किए जाएंगे। इस प्रकार इस नीति में प्रारम्भिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी।

19. **'साक्षर भारत अभियान' कार्यक्रम का आरम्भ कब हुआ?**
(a) 15 अगस्त, 2002 (b) 8 सितम्बर, 2009
(c) 8 सितम्बर, 2011 (d) 26 जनवरी, 2006

UP PGT 2021

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितम्बर, 2009 को साक्षर भारत अभियान कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।
साक्षर-भारत अभियान कार्यक्रम राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का नया कार्यक्रम है। इसके अन्तर्गत 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को आच्छादित किया जायेगा।

20. **नई शिक्षा नीति-1986 के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य एवं निःशुल्क बनाने हेतु कौन-सी योजना प्रस्तुत की गई?**
(a) सर्वोदय स्कूल
(b) शिक्षा का व्यवसायीकरण
(c) आपरेशन ब्लैकबोर्ड
(d) साक्षरता कार्यक्रम

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (c) : नई शिक्षा नीति 1986 के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य एवं निःशुल्क बनाने हेतु 1987 में ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना शुरू की गयी थी। ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालय में न्यूनतम शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता तथा शिक्षा में परिमाणत्मक सुधार करना था।

21. **गोपाल कृष्ण गोखले ने 'केन्द्रीय धारा सभा' में अनिवार्य एवं निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा सम्बन्धी विधेयक कब प्रस्तुत किया था?**
(a) 16 मार्च, 1910 (b) 19 मार्च, 1910
(c) 16 मार्च, 1911 (d) 19 मार्च, 1911

UP PGT 2004
UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (c) गोपाल कृष्ण गोखले बड़ौदा नरेश के प्रयास से बहुत प्रभावित हुए थे। अतः उन्होंने प्राथमिक शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बनाने के लिए केन्द्रीय धारा सभा में एक सदस्य के रूप में प्रस्ताव 19 मार्च, 1910 को रखा। जब गोपाल कृष्ण गोखले के प्रथम प्रस्ताव पर सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया तो भारतीय कांग्रेस ने गोखले से इस दिशा में उचित कार्यवाही करने को कहा और 16 मार्च, 1911 को केन्द्रीय धारा सभा के सामने उन्होंने फिर एक विधेयक प्रस्तुत किया। इस विधेयक में कहा गया है- इस विधेयक का उद्देश्य की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली में अनिवार्यता के सिद्धान्त को क्रमशः लागू किया जाना चाहिए।

22. **सर्वप्रथम निःशुल्क एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का प्रस्ताव किया गया था**
(a) हंटर आयोग द्वारा (b) गोखले बिल द्वारा
(c) हर्टोग समिति द्वारा (d) सैडलर आयोग द्वारा

UP PGT 2005

Ans. (b) गोपाल कृष्ण गोखले ने 1910 में केन्द्रीय धारा (इम्पीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल) में एक प्रस्ताव रखा कि सम्पूर्ण भारत में प्राथमिक शिक्षा को निशुल्क और अनिवार्य करने के लिए प्रयास किये जाएं। अनेक लोगों ने प्रस्ताव का समर्थन किया लेकिन दुर्भाग्य से प्रस्ताव अस्वीकार हो गया।

23. **प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना शुरू करने का उद्देश्य था।**

अथवा

प्राथमिक स्कूलों में दोपहर का भोजन की योजना लागू करने का क्या अभिप्राय था?
(a) नामांकन बढ़ाना
(b) समाज की सहभागिता
(c) अध्यापकों को व्यस्त रखना
(d) काम करने के अवसर बढ़ाना

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-II)

Ans. (a) मध्याह्न भोजन योजना (शिक्षा मंत्रालय के तहत) एक केन्द्र प्रायोजित योजना है जिसकी शुरुआत 15 अगस्त, 1995 में की गई थी। यह प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विश्व का सबसे बड़ा विद्यालय भोजन कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के तहत विद्यालय में नामांकित I से VIII तक की कक्षाओं में अध्ययन करने वाले छह से चौदह वर्ष की आयु के हर बच्चे को पका हुआ भोजन प्रदान किया जाता है। वर्ष 2021 में इसका नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना' (पीएम पोषण योजना) कर दिया गया और इसके पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के बाल वाटिका (3-5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चे) के छात्र भी शामिल हैं।
इस योजना का उद्देश्य, स्कूल में नामांकन और उपस्थिति में वृद्धि, भूख और कुपोषण समाप्त करना, जातियों के बीच समाजीकरण में सुधार, विशेष रूप से महिलाओं को जमीनी स्तर पर रोजगार प्राप्त करना है।

24. मिड-डे-मील कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों में प्रारंभ करने का प्रमुख कारण है
(a) नामांकन संख्या बढ़ाने हेतु
(b) समाज विस्तार हेतु
(c) अध्यापकों के विकास हेतु
(d) रोजगार वृद्धि हेतु

UP PGT 2011

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. बेसिक शिक्षा में निहित सिद्धांत था–
(a) साक्षरता को प्रोत्साहन
(b) पास–पड़ोस के पर्यावरण से छात्रों को परिचित करना
(c) मस्तिष्क, हृदय और हाथ इन तीनों के कार्यों को सम्बन्धित करना
(d) ज्ञान में वृद्धि करना

UP PGT 2016

Ans. (c) : गांधी जी ने बेसिक शिक्षा के सिद्धान्तों को प्रतिपादित किया और उनका मानना था कि शिक्षा आत्म-निर्भर होनी चाहिऐ। उन्होंने कहा की शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य में शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के सर्वोत्तम विकास से है। मैं बालक की शिक्षा प्रारम्भ के समय ही उसे एक उपयोगी हस्तशिल्प शिक्षा सिखाना चाहता हूँ।

26. 'सर्व शिक्षा अभियान' सम्बन्धित है–
(a) प्रौढ़ शिक्षा से (b) प्राथमिक शिक्षा से
(c) बालिकाओं की शिक्षा से (d) माध्यमिक शिक्षा से

UP PGT 2016

Ans. (b) : सर्व शिक्षा अभियान (SSA) भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण (यूईई) को प्राप्त करने के लिए 2001 में शुरू किया गया। SSA को कानूनी समर्थन तब प्रदान किया गया था। जब 6-14 वर्ग के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा को अनुच्छेद 21(A) के तहत भारतीय संविधान में एक मौलिक अधिकार बनाया गया था। SSA को सभी के लिए शिक्षा आंदोलन कहा जाता है। SSA का प्राथमिक लक्ष्य 2010 तक अपने उद्देश्यों को पूरा करना था। हालांकि समय सीमा बढ़ा दी गई है। इसका लक्ष्य 1.1 मिलियन बस्तियों में लगभग 193 मिलियन बच्चों को शैक्षिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करना है। भारतीय संविधान के 86 वें संशोधन अधिनियम ने SSA को कानूनी समर्थन प्रदान किया। जब इसने 6-14 आयु वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा को मुक्त एवं अनिवार्य बना दिया।

27. गोखले बिल सम्बन्धित है
अथवा
गोखले विधेयक किससे संबंधित था ?
(a) प्राथमिक शिक्षा से (b) माध्यमिक शिक्षा से
(c) उच्च शिक्षा से (d) शिक्षक शिक्षा से

UP PGT 2011, 2016

Ans. (a) : गोपाल कृष्ण गोखले ने भारत सरकार को अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा की दिशा में क्रियाशील बनाने के लिए प्रयास किया। गोपाल कृष्ण गोखले पूना के फर्ग्यूसन कालेज के प्राचार्य तथा केन्द्रीय धारा सभा के सदस्य थे। सन् 1910 से 1913 के बीच उन्होंने सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाये जाने के लिए अथक प्रयास किया। उनका विचार था कि अशिक्षित व अज्ञानी राष्ट्र कभी भी सही उन्नति नही कर सकता है। तथा वह जीवन की दौड़ में पिछड़ जाता है।

28. किस क्षेत्र में सुधार के लिए 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' शुरू किया गया था?
(a) प्राथमिक शिक्षा (b) माध्यमिक शिक्षा
(c) उच्च शिक्षा (d) शिक्षक शिक्षा

UP PGT 2016
UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) : भारत सरकार के द्वारा सन् 1986 में शिक्षा की राष्ट्रीय नीति की घोषणा की गई। शिक्षा की इस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा में सुधार करने की आवश्यकता को महसूस किया गया तथा यह संकल्प लिया गया कि प्राथमिक स्कूलों में आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाऐगी। प्राथमिक स्कूलों में आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' नामक कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था को सुनिश्चित करना है। इसके अन्तर्गत प्राथमिक स्कूल दो बड़े कमरे, आवश्यक खिलौने व खेल सामग्री, श्यामपट्ट, मानचित्र, चार्ट तथा अन्य अधिगम सामग्री की आवश्यकताओं के रूप में निर्धारित किया गया है। सन् 1992 में किए गये संशोधन में 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' के क्षेत्र को उच्च प्राथमिक विद्यालयों तक विस्तृत कर दिया गया है।

29. अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा के महान समर्थक थे?
(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) लाला लाजपत राय
(c) दादा भाई नौरोजी (d) विट्ठल भाई पटेल

UP PGT 2013

Ans. (a) गोपाल कृष्ण गोखले अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा के महान समर्थक थे। उन्होंने 19 मार्च, 1910 ई. को केन्द्रीय धारा सभा में सदस्यों के समक्ष एक प्रस्ताव रखा जिसमें यह कहा गया था कि सम्पूर्ण देश में प्राथमिक शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बनाने का कार्य प्रारम्भ किया जाय और इस संबंध में एक संयुक्त आयोग की नियुक्ति की जाय। उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि जिन क्षेत्रों में 33 प्रतिशत बालक शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे हैं वहाँ 6 से 10 वर्ष तक के आयु के बालकों हेतु प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क एवं अनिवार्य हो।

30. बुनियादी शिक्षा पाठ्यक्रम में निम्नलिखित शामिल नहीं था-
(a) बुनियादी कला (b) शारीरिक क्रियायें
(c) माध्यम के रूप में अंग्रेजी (d) सहसम्बन्ध का सिद्ध

UP PGT 2013

Ans. (c) गाँधी जी द्वारा 1937 में बुनियादी शिक्षा या वर्धा शिक्षा की नींव रखी गयी। बुनियादी शिक्षा पाठ्यक्रम में, बुनियादी कला, शारीरिक क्रियाएँ तथा सहसम्बन्ध का सिद्धान्त सम्मिलित है। गाँधी जी ने बुनियादी शिक्षा के लिए मुख्य आधार,

(1) 6 से 14 वर्ष के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा पर बल,
(2) शिक्षा का माध्यम हिन्दी हो,
(3) हस्त केन्द्रित शिक्षा पर बल।

31. प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण के लक्ष्य प्राप्ति में मुख्य समस्या है-
(a) शिक्षा के समान अवसरों का अभाव
(b) निर्धनता
(c) शिक्षा के प्रति रूचि का अभाव
(d) उपरोक्त में कोई नही

UP PGT 2013

Ans. (c) प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाने का प्रयास सर्वप्रथम 1910 में गोपाल कृष्ण गोखले ने किया था। शिक्षा के प्रति रुचि के अभाव के कारण प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण की समस्या होती है।

32. 3R के शिक्षण में कौन सम्मिलित नहीं है-
(a) लिखना (b) पढ़ना
(c) गणित (d) दोहराना

UP PGT 2013

Ans. (d) 3 R गाँधी जी के बेसिक शिक्षा का आधार था। जिसमें (1) पढ़ना (2) लिखना (3) गणित सम्मिलित था।

33. बेसिक शिक्षा की मुख्य विशेषता है-
(a) नैतिक शिक्षा प्रदान करना
(b) अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना
(c) स्वावलंबन की भावना विकसित करना
(d) निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना

UP PGT 2013

Ans. (c) गाँधी जी ने बेसिक शिक्षा या वर्धा शिक्षा को 1937 में प्रारम्भ किया था। जिसका मुख्य उद्देश्य बालकों में स्वावलम्बन की भावना विकसित करना था।

34. निम्नलिखित में से कौन सा पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का केन्द्र नहीं है?
(a) बालबाड़ी (b) आँगाबाड़ी
(c) नर्सरी स्कूल (d) किण्डरगार्टेन

UP PGT 2013

Ans. (c) पूर्व प्राथमिक शिक्षा का केन्द्र बालबाड़ी, आंगनबाड़ी तथा किण्डर गार्टेन है एवं प्राथमिक शिक्षा का केन्द्र नर्सरी स्कूल है। अतः नर्सरी स्कूल पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का केन्द्र नहीं है।

35. DIET की स्थापना निम्नलिखित स्तर के शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु की गयी-
(a) पूर्व-माध्यमिक स्तर (b) प्राथमिक स्तर
(c) माध्यमिक स्तर (d) उच्च स्तर

UP PGT 2013

Ans. (b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में शिक्षक शिक्षा के समुन्नत बनाने के लिए प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों और अनौपचारिक शिक्षा शिक्षकों के लिए पूर्व सेवा एवं सेवारत पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रत्येक जिलों में जिला शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने का प्रावधान किया गया।

36. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में शिक्षा का निम्न में से कौन स्वरूप वर्णित है?
(a) 10 + 2 (b) 10 + 2 + 3
(c) 10 + 3 + 2 (d) 10 + 1 + 4

UP PGT 2009

Ans. (b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में एकसमान शिक्षा संरचना का विचार निहित है। इसके तहत 10+2+3 की संरचना को देश के समस्त भागों में स्वीकार किया जा चुका है यह राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली एक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा पर आधारित होगी जिसमें एक समान कोर के साथ अन्य अंग लोचनीय होंगे।

37. एक कक्षा में छात्रों की संख्या, कम क्यों होनी चाहिए?
(a) छात्र पर शिक्षक का व्यक्तिगत ध्यानाकर्षण हेतु
(b) भीड़ कम करने हेतु
(c) अधिक फीस प्राप्त करने हेतु
(d) इनमें से सभी

UP PGT 2009

Ans. (a) एक कक्षा छात्रों की संख्या कम होने से आध्यापक प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यानाकर्षण कर सकता है।

38. राष्ट्रीय एकीकरण के मार्ग में प्रमुख बाधा है
(a) निरक्षता (b) क्षेत्रवाद
(c) जातिवाद (d) ये सभी

UP PGT 2009

Ans. (d) राष्ट्रीय एकीकरण से अभिप्राय राष्ट्र की सभी इकाईयों अर्थात राज्यों, धर्मों, जातियों, सम्प्रदायों, या नागरिकों के एक साथ मिलजुल कर राष्ट्रहित में कार्य करने से है। राष्ट्रीय एकता के विकास में प्रायः प्रान्तीयता, जातिवाद, साम्प्रदायिकता सामाजिक व आर्थिक विषमतायें निरक्षरता, भाषागत विभिन्नता जैसे तत्व बाधक होते है।

39. ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड प्रारम्भ हुआ
(a) वर्ष 1986-87 से (b) वर्ष 1987-88 से
(c) वर्ष 1988-89 से (d) वर्ष 1989-90 से

UP PGT 2005

Ans. (b) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अन्तर्गत 1987-88 में ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना की शुरूआत की गई इसके अन्तर्गत यह प्रावधान किया गया की प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाए।

40. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10 + 2 + 3 की शैक्षिक संरचना किस वर्ष में क्रियान्वित की?
(a) 1976 में (b) 1972 में
(c) 1968 में (d) 1970 में

UP PGT 2005

Ans. (c) कोठरी आयोग के सुझाव पर भारत सरकार ने सन् 1968 में प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की जिसमें 10 + 2 + 3 की शिक्षा संरचना को स्वीकार किया गया। इस शिक्षा संरचना में इस वर्ष का सामान्य पाठ्यक्रम तथा तीन वर्ष की प्रथम उपाधि-स्तर पाठ्यक्रम की संकल्पना है जो सम्पूर्ण राष्ट्र में एक समान रहेगी।

41. बेसिक शिक्षा का कौन-सा मुख्य सिद्धान्त नहीं है?
(a) समवाय पद्धति (b) स्वावलम्बन
(c) शिल्प केन्द्रित शिक्षण (d) साहित्य शिक्षण

UP PGT 2004

Ans. (d) गाँधी जी की बेसिक शिक्षा के मुख्य सिद्धान्त निम्न लिखित है- 1. निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा 2. शिक्षा का माध्यम मातृभाषा 3. स्वावलम्बन 4. समवाय पद्धति 5. शिल्प केन्द्रित शिक्षण 6. वर्ग भेद समाप्त करना 7. शिक्षा का आधार अंहिंसा। इस प्रकार साहित्य शिक्षण बेसिक आधार भूत सिद्धान्तों में सम्मिलित नहीं है।

42. 'गोखले बिल' का सम्बन्ध था :
(a) अनिवार्य माध्यमिक शिक्षा से
(b) अनिवार्य महिला शिक्षा से

(c) अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा से
(d) अनिवार्य तकनीकी शिक्षा से

UP PGT 2004

Ans. (c) गोखले बिल प्रस्ताव 19 मार्च, 1911 को केन्द्रीय धारा सभा में अनिवार्य एवं निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा के सन्दर्भ में पेश किया गया था।

43. छात्रों के सर्वागीण विकास का मूल्यांकन किया जा सकता है

(a) बाह्य परीक्षा प्रणाली में
(b) आन्तरिक परीक्षा प्रणाली में
(c) सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली में
(d) बाह्य-आन्तरिक परीक्षा एवं सतत मूल्यांकन प्रणाली में

UP PGT 2004

Ans. (d) सतत् आन्तिरक मूल्यांकन सम्पूर्ण सत्र के दौरान छात्रों को अध्ययन करने की ओर प्रेरित करता है। चयनित व सतही अध्ययन की प्रवृत्ति को सतत् मूल्यांकन प्रणाली समाप्त करती है। सतत मूल्यांकन के द्वारा छात्रो को समय-समय पर उनकी शैक्षिक प्रगति से अवगत कराकर उन्हे आवश्यक feed Bock देना संभव है। इस प्रकार छात्रों के सर्वांगीण विकास का मूल्यांकन बाह्य आन्तिरक परीक्षा एवं सतत् मूल्यांकन प्रणाली के द्वारा किया जा सकता है।

44. कौन-सा उपाय शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने में सहायक है?

(a) भीड़ भरी कक्षा
(b) राजनैतिक हस्तक्षेप
(c) प्रभावी शिक्षण पद्धति
(d) अव्यवहारिक पाठ्यक्रम

UP PGT 2004

Ans. (c) एक शिक्षक के लिए आवश्यक है कि उसे शिक्षण विधियों का ज्ञान हो ताकि वह आवश्यकता और परिस्थितियों के अनुसार किसी भी परीक्षण विधि का प्रयोग कर अपने शिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चला सके। इस प्रकार प्रभावी शिक्षण विधि के प्रयोग से शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाया जा सकता है।

45. मूल्यांकन का घनिष्ठ सम्बन्ध होता है :

(a) शिक्षक से
(b) छात्र से
(c) शैक्षिक उद्देश्यों से
(d) परीक्षा से

UP PGT 2004

Ans. (c) एक उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया होने के कारण शिक्षा प्रक्रिया के समुचित नियोजन तथा संचालन के लिए शैक्षिक उद्देश्य का निर्माण करना अत्यन्त आवश्यक है। शैक्षिक उद्देश्यों को जब व्यवहार परिवर्तनों के रूप में लिखा जाता है तब प्राप्त उद्देश्य के नाम से जाना जाता है। मूल्यांकन की सहजता व सरलता के लिए उद्देश्यों को व्यवहार परिवर्तनों के रूप में लिखना आवश्यक व महत्वपूर्ण होता है।

46. 'ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड' योजना लागू की गई है :

(a) प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में
(b) माध्यमिक स्तर की शिक्षा के क्षेत्र में
(c) प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में
(d) उपर्युक्त किसी भी क्षेत्र में नहीं

UP PGT 2003

Ans. (a) ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना प्राथमिक शिक्षा के उन्नयन के लिए लागू की गयी। इसके अन्तर्गत स्कूलों में भवन, चार्ट, खेल-सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

47. भारतवर्ष 'बुनियादी शिक्षा' की योजना किसके आदर्शों के आधार पर बनाई गई?

(a) महात्मा गाँधी
(b) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(c) सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(d) जवाहरलाल नेहरू

UP PGT 2003

Ans. (a) महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में शिक्षा के महत्व को देखते हुए सन् 1937 में हरिजन नामक पत्रिका में शिक्षा-सम्बन्धी लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित की महात्मा गाँधी के यही लेख कालान्तर में बेसिक शिक्षा योजना के आधार बनें।

48. बुनियादी शिक्षा के लिए पहला शैक्षणिक सम्मेलन कब हुआ था?

(a) 1936 ई. में
(b) 1937 ई. में
(c) 1938 ई. में
(d) 1939 ई. में

UP PGT 2003

Ans. (b) डॉ. जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में सन् 1937 में एक समिति बेसिक शिक्षा योजना बनाने के लिए गठित की गई। यह समिति वर्धा सम्मेलन, 1937 के प्रस्ताव आधार पर गठित की गयी थी।

49. बुनियादी शिक्षा की रूपरेखा लिखित रूप से तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया था जिसके अध्यक्ष थे :

(a) डॉ. अब्दुल कलाम आजाद
(b) डॉ. जाकिर हुसैन
(c) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(d) डॉ. राधाकृष्णन

UP PGT 2003

Ans. (b) बुनियादी शिक्षा की रूपरेखा लिखित रूप से तैयार करने के लिए 1937 में जाकिर हुसैन समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में शिक्षा के मूल सिद्धान्तों, उद्देश्यों, शिक्षक प्रशिक्षण, निरीक्षण, पर्यवेक्षण प्रशासन हस्तकार्यों का अन्य विषयों के साथ सहसम्बन्ध स्थापित करने की विधि आदि के सम्बन्ध में सुझाव प्रस्तुत किया।

50. माध्यमिक शिक्षा आयोग की संस्तुति निम्नांकित राज्यों में किसने लागू नहीं किया?

(a) पं बंगाल
(b) बिहार
(c) त्रिपुरा
(d) उत्तर प्रदेश

UP PGT 2003

Ans. (c) माध्यमिक शिक्षा आयोग की संस्तुति त्रिपुरा राज्य ने लागू नहीं किया। जबकि प. बंगाल, उत्तर प्रदेश तथा बिहार राज्य ने माध्यमिक शिक्षा आयोग की संस्तुति को लागू किया है।

51. उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए प्रयास किया :

(a) आंगनबाड़ी की स्थापना करके
(b) शिक्षा मित्र की नियुक्ति करके
(c) नर्सरी विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाने का प्रयत्न करके
(d) मॉन्टेसरी विद्यालयों की स्थापना करके

UP PGT 2003

Ans. (a) उत्तर प्रदेश सरकार ने आगनबाड़ी कार्यक्रम पूर्व प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चलाया है।
आंगनवाड़ी सेवायेयोजना भारत सरकार द्वारा प्रयोजित 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिला और धात्री माताओं में कुपोषण और स्वास्थ्य समास्याओं से निपटने के लिए भारत की एक अनूठी प्राथमिक समाजिक कल्याण योजना है। 1975 में इसकी स्थापना के बाद से आंगनवाड़ी सेवायें योजना ने अपने दायरे में उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया है। प्रदेश में बच्चों के सर्वागीण विकास एवं कल्याण हेतु आंगनवाड़ी सेवा योजना के लिए वर्ष 1988 से बाल विकास एवं पुष्टहार विभाग के रूप में एक अलग विभाग कार्यरत है। यह योजना मुख्य रूप से शिशु और बाल मृत्यु दर को कम करने और मातृ स्वास्थ्य परिणाम में सुधार लाने पर केन्द्रित है।

52. कला, शिल्प तथा गृह-विज्ञान की परीक्षा में अंकों का आधार है :

(a) लगाया गया समय (b) प्रयुक्त सामग्री
(c) प्रयुक्त प्रक्रिया (d) अन्तिम उत्पाद

UP PGT 2003

Ans. (d) कला-शिल्प तथा गृह विज्ञान की परीक्षा में अंक प्रदान करने का आधार अन्तिम उत्पाद होता है।

53. उत्तर प्रदेश ने 10+2+3 की योजना का अनुसरण किया है लेकिन उत्तर प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर में ऑनर्स की डिग्री प्रदान नहीं की जाती। ऐसी स्थिति में जिन राज्यों में ऑनर्स की डिग्री मिलती है वहाँ जाने पर यहाँ के विद्यार्थियों को किस तरह की असुविधा का सामना करना पड़ता है?

(a) स्नातक स्तर में ऑनर्स पाठ्यक्रम और त्रिवर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम एक समान है, फलतः इन विद्यार्थियों को किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ता है।
(b) इन्हें दूसरे राज्यों में नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में भर्ती के मामले में कम महत्व दिया जाता है
(c) इन्हें अपेक्षाकृत निम्न स्तर का समझा जाता है
(d) त्रिवर्षीय डिग्री को पास कोर्स माना जाता है

UP PGT 2002

Ans. (d) त्रिवर्षीय स्नातक कार्यक्रम (1) पास कोर्स (2) आनर्स कोर्स है।

54. उत्तर प्रदेश में विद्यालयों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किस प्रकार किया जाता है?

(a) शिक्षा मंत्री द्वारा
(b) विद्यालय-निरीक्षक द्वारा
(c) जिला परिषद् के अध्यक्ष द्वारा
(d) विशेषज्ञों की एक नामिका द्वारा

UP PGT 2002

Ans. (b) उत्तर प्रदेश में विद्यालयों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण पी.ई. द्वारा नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा किया जाता है।

55. स्थानीय स्वायत्त शासन की कौन-सी संस्था उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक विद्यालय चलाने के लिए उत्तरदायी है?

(a) ग्राम पंचायत (b) जिला परिषद
(c) क्षेत्र समिति (d) शिक्षा निदेशालय

UP PGT 2002

Ans. (a) उत्तर प्रदेश के स्थानीय स्वशासन की संस्था ग्राम पंचायत होती है ग्राम पंचायत ही ग्रामीण इलाकों को प्राथमिक विद्यालय चलाने के लिए उत्तरदायी होती है ।

56. प्राढ़ों को जो पढ़ाया जाता है उसे वे न भूलें, यह देखने के लिए प्रौढ़-साक्षरता कार्यक्रम में कौन-सा कार्य किया जाना चाहिए?

(a) प्रवचनों की व्यवस्था करना
(b) इसे प्रासंगिक बनाना
(c) प्रयोग एवं भूल पद्धति का उपयोग करना
(d) शिक्षा कार्यक्रम को जारी रखे रहना

UP PGT 2002

Ans. (b) प्रौढ़ों के प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए कार्यक्रम को प्रासंगिक बनाना चाहिए इस प्रकार प्रौढ़ों को जो पढ़ाया जाऐगा वह भूलेगा नहीं। प्रौढ़ शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहले पंचवर्षीय योजना से अनेक कार्यक्रम शुरू किये गये है, जिसमें सबसे प्रमुख राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एल.एन.एम.) है, जिसे समयबद्ध तरीके से 15-35 वर्ष की आयु समूह में अशिक्षितों को कार्यातमक साक्षरता प्रदान करने के लिए 1988 में शुरू किया गया।

57. ऐसा सुझाव दिया गया है कि वर्ष के अन्त में एक बार मूल्यांकन करने के स्थान पर वर्ष भर सतत् मूल्यांकन किया जाय। यह लाभदायक होगा ....

(a) शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए, क्योंकि उन्हें बराबर प्रतिपुष्टि मिलती रहेगी
(b) केवल छात्रों के लिए, क्योंकि वे अपनी श्रेणी सुधार सकेंगे
(c) केवल शिक्षकों के लिए, क्योंकि वर्ष के अन्त में प्रश्न-पत्र बनाने तथा परीक्षा लेने की परेशानी से वे बच जायेंगे
(d) केवल शैक्षिक प्रशासकों के लिए क्योंकि वे कमजोर विद्यार्थियों को आसानी से छाँट सकते हैं

UP PGT 2002

Ans. (a) सतत् मूल्यांकन के अन्तर्गत छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन शिक्षण कार्य कर रहे अध्यापकों के द्वारा लगातार किया जाता है तथा छात्रों को उनकी कमियों व सफलताओं की लगातार जानकारी दी जाती है। इस मूल्यांकन प्रणाली में छात्रों के साथ-साथ अध्यापकों को भी अपनी शिक्षण योजना में सुधार करने के अवसर प्रदान करता है।

58. माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम में कार्य अनुभव की संस्तुति की गयी थी :

(a) आचार्य नरेन्द्र देव समिति (1953) द्वारा
(b) कोठारी आयोग (1964-66) द्वारा
(c) मुदालियर आयोग (1952) द्वारा
(d) डॉ. राधाकृष्णन आयोग (1948-49) द्वारा

UP PGT 2002

Ans. (a) उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में शैक्षिक प्रगति के मूल्यांकन तथा सुधार के लिए आचार्य नरेंद्रदेव समिति का (1952-53) में गठन किया। इस समिति को माध्यमिक शिक्षा पुनर्गठन समिति के नाम से गठित किया गया था तथा आचार्य नरेन्द्र देव को अस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इस समिति द्वारा माध्यमिक स्तर के पाठ्क्रम में कार्य अनुभव की संस्तृति की गयी थी।

59. ऐसा सुझाव दिया गया है कि वर्ष के अन्त में एक बार मूल्यांकन करने के स्थान पर वर्ष भर सतत् मूल्यांकन किया जाय। यह लाभदायक होगा...

(a) शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए क्योंकि उन्हें बराबर प्रतिपुष्टि मिलती रहेगी
(b) केवल छात्रों के लिए, क्योंकि वे अपना डिवीजन सुधार सकेंगे
(c) केवल शिक्षकों के लिए, क्योंकि वर्ष के अन्त में प्रश्न-पत्र बनाने तथा परीक्षा लेने की परेशानी से वे बच जायेंगे।
(d) केवल शैक्षिक प्रशासकों के लिए क्योंकि वे कमजोर विद्यार्थियों को आसानी से छाँट सकते हैं

UP PGT 2000

Ans. (a) सतत मूल्यांकन के अन्तर्गत छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन शिक्षण कार्य कर रहे अध्यापकों के द्वारा लगातार किया जाता है। छात्रों को उनकी कमियों व सफलताओं की लगातार जानकारी दी जाती है। इस मूल्यांकन प्रणाली में छात्रों के साथ-अध्यापकों को भी अपनी शिक्षण योजना में सुधार करने के अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार इससे छात्र व शिक्षक दोनों को लगातार प्रतिपुष्टि मिलती रहेगी।

60. **शिक्षा में मूल्यांकन से अभिप्राय है :**
(a) योग्यताओं को अंक प्रदान करना
(b) पाठ्यवस्तु-निर्देश
(c) प्रतिभा-निर्देश
(d) व्यवसाय-निर्धारण

UP PGT 2000

Ans. (d) शिक्षा के मूल्यांकन से तात्पर्य है व्यक्तियों को मूल्यांकन के आधार पर व्यवसाय निर्धारण में प्रयोग किया जाता है।

61. **प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम है केवल :**
(a) 16-25 वर्ष (b) 17-30 वर्ष
(c) 15-35 वर्ष (d) 30-35 वर्ष

UP PGT 2000

Ans. (c) भारत सरकार द्वारा निरक्षरता उन्मूलन के उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय साक्षरता मिशन () 5 मई,1988 को आरम्भ किया गया। इसका लक्ष्य 1995 तक देश के 15-35 आयु वर्ग के 8 करोड़ प्रौढ़ों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना था।

62. **आपरेशन 'ब्लैक बोर्ड' का तात्पर्य है:**
(a) विद्यालय में 'श्यामपट्टी' की सुविधा देना
(b) विद्यालय में भवन की सुविधा देना
(c) विद्यालय में शिक्षकों को सुविधा देना
(d) विद्यालय की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति करना

UP PGT 2000

Ans. (d) आपरेशन ब्लैक बोर्ड का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था को सुनिश्चित करना था।

63. **'सिद्धिरस्तु' नामक पुसतक पढ़ाई जाती थी :**
(a) प्राथमिक शिक्षा स्तर पर (b) पूर्व प्राथमिक शिक्षा स्तर पर
(c) उच्च शिक्षा स्तर पर (d) माध्यमिक शिक्षा स्तर पर

UP PGT 2000

Ans. (a) सातवीं शताब्दी में भारत आने वाले चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसाार बौद्ध काल में प्राथमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम इस प्रकार होते थे- बालकों को प्रथम 6 माह में "सिद्धिरस्तु" नामक बाल पुस्तक पढ़नी पड़ती थी। इस पुस्तक में 12 अध्याय और वर्णमाला के 49 अक्षर थे जिनको विभिन्न क्रम में रखकर 300 से अधिक श्लोकों की रचना की गयी थी।

64. **विद्यालय के कौन से प्रकार्य को भारत सरकार साधारणतया ग्रहण करती है?**
(a) पारम्परिक प्रकार्य (b) उदारवादी प्रकार्य
(c) प्रगतिशील प्रकार्य (d) क्रान्तिकारी प्रकार्य

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (c) : विद्यालय के प्रगतिशील (Progressive function) को भारत-सरकार साधारणता ग्रहण करती है।

65. **निम्नांकित क्रियाओं में से कौन सी शिक्षण की पूर्व-क्रिया अवस्था में सम्मिलित नहीं है?**
(a) शैक्षिक उद्देश्यों का निर्धारण
(b) शिक्षण सामग्री से संबधित निर्णय
(c) अधिगामक का निदान
(d) शिक्षण व्यूहरचनाओं के संबंध में निर्णय

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (c) : पूर्व क्रिया अवस्था में शिक्षक छात्रों को इनाम प्रदान करने के लिए शिक्षण की योजना बनाता है, तथा पढ़ाने की तैयारी करता है। इस अवस्था में सभी क्रियाएं आती है जो शिक्षक कक्षा में जाने से पूर्व करता है। अर्थात अधिगामक का निदान इस शिक्षण अवस्था में सम्मिलित नहीं है।

66. **'एक शिक्षक कक्षा में प्रश्न पूछ रहा है।' यह क्रिया फ्लैण्डर की अंतःक्रिया वर्ग पद्धति में किस वर्ग में नोट की जायेगी?**
(a) 4 (b) 5
(c) 6 (d) 7

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (a) :

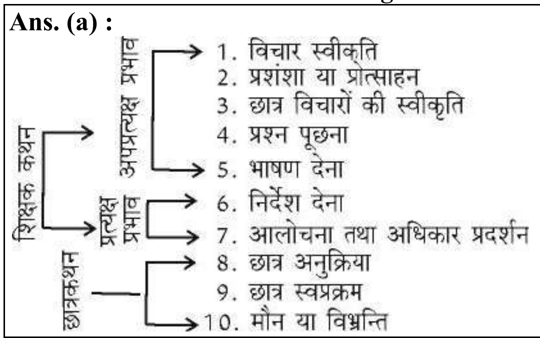

67. **निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक पर्यवेक्षण का उद्देश्य नहीं है?**
(a) शिक्षण में छात्रों की सहायता करना
(b) विद्यालय स्तर को उठाने के लिए सुझाव देना
(c) शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं को समझना
(d) शिक्षकों की व्यावसयिक उन्नति हेतु उपयुक्त कदम उठाना

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (a) : शिक्षण में छात्रों की सहायता करना शैक्षिक पर्यवेक्षक का कार्य नहीं है, शैक्षिक पर्यवेक्षक के निम्न कार्य है-
1. शैक्षिक नेतृत्व को अतिरिक्त ज्ञान एवं उत्तम कौशल प्रदान करने में पर्यवेक्षक का विशेष योग रहता है।
2. पर्यवेक्षक शिक्षकों को समन्वय निर्देश तथा मार्गदर्शन प्रदान करता है।
3. शिक्षक की निरन्तर अभिवृत्ति एवं छात्रों के विकास में योग देता है।

68. **पाठ्यक्रम के निर्माणात्मक मूल्यांकन में निम्नलिखित में से कौन सा सम्मिलित नहीं होता है?**
(a) अधिगम सामग्री का विश्लेषण करना
(b) लक्ष्यों में सुधार करना
(c) पाठ्यक्रम की कमी का पता लगाना
(d) शैक्षिक अभ्यास के प्रभाव को ज्ञात करना

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (d) : निर्माणात्मक मूल्यांकन से अभिप्राय किसी शैक्षिक कार्यक्रम योजना, प्रक्रिया की सामग्री की प्रभावशीलता, गुणवत्ता वांछनीयता तथा उपोगिता का आंकलन इसलिये करता है, कि उस कार्यक्रम की योजना प्रक्रिया या सामाग्री को और अधिक प्रभावशाली गुणवत्ता पूर्ण वांछनीय तथा उपयोगी बनााया जा सके।
अर्थात शैक्षिक अभ्यास के प्रभाव को ज्ञात नहीं करता है।

69. **कौन सा उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन का एक अवांछनीय उद्देश्य है?**
(a) साथ रहने की कला सिखाना
(b) शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करना
(c) ख्याति अर्जित करना
(d) विद्यालय को एक सामुदायिक केन्द्र के रूप में विकसित करना

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (c) : विद्यालय प्रबंधन के उद्देश्य–
1. साथ रहने की कला सिखाना
2. शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करना

3. विद्यालय को एक सामुदायिक केन्द्र के रूप में विकसित करना
4. भविष्य में शिक्षा का संचालन करना
5. अनुभवों द्वारा छात्रों का विकास करना
6. राष्ट्रीय की अनुभूति कराना।

70. यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेजों द्वारा शिक्षकों के लिए संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम निम्न में से कौन सा पाठ्यक्रम है?

(a) पूर्व सेवाकालीन पाठ्यक्रम (b) दीर्घकालीन पाठ्यक्रम
(c) उच्चतर स्तर पाठ्यक्रम (d) सेवाकालीन पाठ्क्रम

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (d) : यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेजों के द्वारा शिक्षकों के लिए संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सेवाकालीन पाठ्यक्रम होता है। यहाँ शिक्षकों की अनवरता शिक्षा की व्यवस्था की जाती है। ये जिला शिक्षा परिषद (DBE) के "एकेडेमिक विंग" के रूप में कार्य करते है, जिन्हें सभी शैक्षिक कार्यक्रमों विद्यालयीय, गैर-औपचारिक व प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों- के क्रियान्वयन हेतु स्थापित किया जाता है।

71. आजकल के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को इन कर्त्तव्यों में से किसको संपादित करना चाहिए?

(a) विद्यालय में उपस्थिति में नियमितता तथा समय की पाबन्दी
(b) विनिर्दिष्ट समय में पूरी पाठ्यचर्या को पूरा करना।
(c) बच्चों की अधिगम योग्यता का मापन
(d) उपर्युक्त सभी

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (d) : प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कर्त्तव्य–
1. विद्यालय में उपस्थिति में नियमितता तथा समय की पाबन्दी
2. विनिर्दिष्ट समय में पूरी पाठ्यचर्या को पूरा करना।
3. बच्चों की अधिगम योग्यता का मापन

72. निम्न में से कौन सा पर्यवेक्षण की आधुनिक अवधारणा के बारे में सही नहीं है ?

(a) यह सुनिश्चत रूप से नियोजित एवं संगठित है।
(b) यह सहयोगपूर्ण है।
(c) यह आरोपित एवं सत्तावादी है।
(d) यह पूर्ण शिक्षण-अधिगम परिस्थिति पर फोकस करता है।

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (c) : पर्यवेक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें पर्यवेक्षक अपनी दिव्य दृष्टि द्वारा सम्पूर्ण विद्यायलय व्यवस्था के सूक्ष्म तत्व संबंधी समस्याओं का अध्ययन करता है, उनका समाधान प्रस्तुत करता है। इस अध्ययन प्रक्रिया में पर्यवेक्षक की महत्ता तथा उसके असाधारण गुणों का विशेष महत्व होता है।
पर्यवेक्षण के उद्देश्य : -
(i) शैक्षिक संस्थाओं के लिए उपयुक्त उद्देश्यों को निश्चित करना
(ii) अध्यापकों को शिक्षण सामाग्री के रूप में तकनीकी सेवा प्रदान करना
(iii) यह सुनिश्चित रूप से नियोजित एवं संगठित है।
(vi) यह सहयोग पूर्ण है।
(v) यह पूर्ण शिक्षण- अधिगम परिस्थिति पर फोकस करता है।
अतः पर्यवेक्षक की आधुनिक अवधारणा के बारें में यह आरोपित एवं सत्तावादी सही नहीं है।

73. निम्न में से कौन सा शैक्षिक उद्देश्यों के वर्गीकरण का मूलभूत क्षेत्र (डोमेन) नहीं है?

(a) संज्ञानात्मक (b) भावात्मक
(c) अनुप्रयोग (d) मनः चालित

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (c) : शिक्षण उद्देश्यों के आधार पर शिक्षण को तीन प्रमुख भागों में वर्गीकृत किया जाता है।
1. ज्ञानात्मक (Cognitive) 2. भावात्मक (Affective)
3. मनोगत्यात्मक/मन चलित शिक्षण (Psychomator)

74. एक शिक्षण अधिगम संव्यूहन के रूप में एक माड्यूल

(a) में पूर्व निर्धारित उद्देश्यों का एक निश्चित समुच्चय होता है।
(b) में मूल्यांकन तंत्र अन्तर्निहित होता है
(c) में अनुदेशात्मक गतिविधियाँ एक अनुक्रम में होती है।
(d) उपर्युक्त में से सभी

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (d) : एक शिक्षण अधिगम संव्यूहन के रूप में एक माड्यूल में पूर्व निर्धारित उद्देश्यों का एक निश्चित समुच्चय होता है। मूल्यांकन तंत्र अन्तर्निहित होता है और अनुदेशात्मक गतिविधियाँ एक अनुक्रम में होती है।

75. निम्न में से कौन सी शिक्षा शिल्प-केन्द्रित शिक्षा है?

(a) बेसिक शिक्षा (b) विशिष्ट शिखा
(c) व्यावसायिक शिक्षा (d) मॉन्टेसरी शिक्षा

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (a) : गाँधी जी के अनुसार, सम्पूर्ण मानव को शिक्षित करने की शिक्षा, हस्त कौशल-केन्द्रित शिक्षा अनुभवों तथा गतिविधियों के साथ-साथ विषयों के विभिन्न प्रकार के कौशलों के साथ पारस्परिक सम्बन्ध पर बल देती है। यह एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास में सहायता करती है। गाँधी जी की बेसिक शिक्षा, शिल्प केन्द्रित शिक्षा है।

76. 'पंचतन्त्र' सम्बंधित है

(a) प्राथमिक शिक्षा से (b) माध्यमिक शिक्षा से
(c) उच्च शिक्षा से (d) विशिष्ट शिक्षा से

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (a) : पंचतन्त्र की कहानियाँ प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित है। पंचतन्त्र के लेखक भारतीय विद्रान विष्णु शर्मा है, पंचतंत्र का अर्थ है पांच, और तंत्र का अर्थ है ग्रंथ।

77. स्कूल प्रबन्धन का कार्य है

(a) स्कूल के समस्त कार्य का समुचित नियोजन
(b) समन्वयन तथा पर्यवेक्षण
(c) मूल्यांकन
(d) उपरोक्त सभी

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (d) : स्कूल प्रबन्धन का कार्य, स्कूल के समस्त कार्य का समुचित नियोजन, समन्वयन तथा पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन आदि है।
- विद्यालय प्रबन्धन का प्रमुख उद्देश्य विद्यालय के क्रिया-कलापों को मॉनीटर करना।
- शिक्षण कार्यो के लिए आवश्यक उपकरण जैसे ब्लैक-बोर्ड, चॉक, श्रव्य-दृश्य साधनों की व्यवस्था करना।

78. ऐकेडेमिक स्टॉफ कालेज किन स्तर के अध्यापकों से सम्बन्धित है?

(a) प्राथमिक शिक्षा के (b) माध्यमिक शिक्षा के
(c) उच्च शिक्षा के (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (c) : एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज उच्च शिक्षा के अध्यापकों से सम्बन्धित है। इसमें उच्च शिक्षा के अध्यापकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाता है।

79. संचयी अभिलेख पत्रकों का निर्माण क्यों करना चाहिये?

(a) बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु
(b) बच्चे के बारे में वस्तुनिष्ठ जानकारी परामर्शक को देने के लिए।
(c) परामर्शी प्रयासों की वैधता सुनिश्चत करने के लिए।
(d) उपर्युक्त में से सभी

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (b) : शिक्षार्थियों के बारे में संचयी अभिलेख शिक्षकों, परामर्शदाताओं और प्रशासकों को उपयोगी सूचना प्रदान करते हैं। संचयी अभिलेख बच्चे के बारे में वस्तुनिष्ठ जानकारी परामर्शक को देने के लिये बनाये जाते हैं।

80. शैक्षिक संरचना 10 + 2 + 3 में 3 अंक का सम्बन्ध है-

(a) प्राथमिक शिक्षा से (b) माध्यमिक शिक्षा से
(c) उच्चतर शिक्षा से (d) तकनीकी शिक्षा से

UPPSC GDC Pravkta 2008
UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (c) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 में शिक्षा प्रणाली का रूपान्तरण कर 10+2+3 पद्धति का विकास किया। शैक्षिक संरचना 10 + 2 + 3 में 3 अंक का सम्बन्ध उच्चतर शिक्षा से है।

81. निम्न में से कौन 'वर्धा योजना' से सम्बन्धित है?

(a) लार्ड मैकाले (b) महात्मा गाँधी
(c) राधाकृष्णन (d) सीमान्त गाँधी

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (b) : महात्मा गाँधी की भारत को जो देन है, उससे बुनियादी शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य है। इसे वर्धा योजना तथा बेसिक शिक्षा के नाम से भी जाना जाता है। महात्मा गाँधी ने 23 अक्टूबर 1937 को वर्धा योजना बनायी।

82. वर्धा शिक्षा सम्मेलन हुआ था

(a) 1921 में (b) 1937 में
(c) 1944 में (d) 1949 में

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. कक्षा में पढ़ाई गई पाठ्यवस्तु का तात्कालिक मूल्यांकन करने के लिए किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं?

(a) विकासात्मक प्रश्न (b) प्रस्तावनात्मक प्रश्न
(c) मूल्यांकन प्रश्न (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UPPSC GDC Pravkta 2008
UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (c) : तात्कालिक मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन प्रश्न पूछे जाते है। बालकों को कक्षा में पढ़ाई गयी पाठ्य-वस्तु का मूल्यांकन करने कि लिए मूल्यांकन प्रश्न के आधार पर उनकी गुणवत्ता मूल्य का अनुमान लगाया जाता है।

84. किसे पाठ्य-सहगामी क्रिया नहीं माना जाता है?

(a) विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन
(b) वार्षिक परीक्षा का संचालन
(c) शैक्षिक पर्यटन की व्यवस्था
(d) स्काउट/गाइड शिविर का आयोजन

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (b) : वार्षिक परीक्षा का संचालन पाठ्यसहगामी क्रिया नहीं मानी जाती है। वार्षिक परीक्षा मूल्यांकन का एक अंग है।

85. युक्तिपूर्ण नियोजन की संकल्पना विकसित हुई थी

(a) व्यापार के क्षेत्र में (b) सेना के क्षेत्र में
(c) उद्योग के क्षेत्र में (d) शिक्षण के क्षेत्र में

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (d) : युक्तिपूर्ण नियोजन की संकल्पना शिक्षण के क्षेत्र में विकसित हुई है। नियोजन का अर्थ है कि किसी विशेष अवधि के लिए भविष्य में क्या करना है, यह पहले से तय करना और फिर इस निर्णय को लागू करने के उचित कदम उठाना।

86. कौन पर्यवेक्षण का प्रकार नहीं है?

(a) निरोधक पर्यवेक्षण (b) रचनात्मक पर्यवेक्षण
(c) अवपीड़ित पर्यवेक्षण (d) निर्देशित पर्यवेक्षण

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (a) : पर्यवेक्षण एक प्रक्रिया है जिससे अपनी आवश्यकतानुसार सीखने, अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान और कौशल का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने में कर्मचारियों की निर्दिष्ट स्टाक सदस्यों द्वारा मदद की जाती है, ताकि वह अपना काम अपने और एजेंसी के लिए अधिक प्रभावी और संतोष ढंग से कर सके। रचनात्मक, अवपीड़ित और निर्देशित पर्यवेक्षक के प्रकार हैं, परन्तु निरोधक पर्यवेक्षण, पर्यवेक्षण के प्रकार नहीं हैं।

87. बेसिक शिक्षा को प्रतिपादित किया था

(a) गांधीजी ने (b) जाकिर हुसैन ने
(c) अबुल कलाम ने (d) कोठारी ने

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (a) : बेसिक शिक्षा का प्रतिपादन 1937 में गांधी जी ने किया था जिसे वर्धा शिक्षा के नाम से भी जाना जाता है।

88. अध्यापक प्रभावशीलता के मुख्य लक्षण क्या है?

(a) विकास तथा पारस्परिकता के प्रति प्रवृत्तता
(b) व्यावहारिक तथ समकालीनता
(c) सृजनशीलता तथा सौन्दर्यबोध सजगता
(d) उपरोक्त सभी

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (d) : अध्यापक प्रभावशीलता के मुख्य लक्षण-
1. विकास तथा पारस्परिक्ता के प्रति प्रवृत्तता
2. व्यवहारिकता तथा समकालीनता
3. सृजनशीलता तथा सौन्दर्यबोध सजगता
4. मृदुभाषी
5. स्पष्ट भाषा शैली

89. "विद्यालय एक सहकारी समाज है।" यह कथन किसका है?

(a) रायबर्न (b) ओटावे
(c) नन (d) लूथर गुलिक

UKPSC GDC 2017

Ans. (a) : विद्यालय एक सहकारी समाज है-यह कथन रायबर्न का है। ब्रूस रायबर्न एक अमेरिकी शिक्षक थे।

90. विद्यालयी पर्यवेक्षण का मुख्य उद्देश्य है

(a) शिक्षकों का मूल्यांकन
(b) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार
(c) समूह नैतिकता का विकास
(d) विद्यालयी व्यवस्था का मूल्यांकन

UKPSC GDC 2017

Ans. (b) : पर्यवेक्षण एक सृजनात्मक और गतिशील प्रक्रिया है। जिसमें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार करने तथा अभीष्ट लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अनुकूल मार्गदर्शन और दिशा प्रदान की जाती है।

91. निम्नलिखित में से कौन सर्व शिक्षा अभियान से सम्बन्धित नहीं है?
(a) अधिगम का न्यूनतम स्तर
(b) सम्पूर्ण साक्षरता अभियान
(c) आर्थिक आवश्यकताओं के प्रत्युत्तर में प्रणाली का विस्तार
(d) सामाजिक शिक्षा

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (c) आर्थिक आवश्यकताओं के प्रत्युत्तर में प्रणाली का विस्तार सर्वशिक्षा अभियान से सम्बंधित नहीं है

92. ''तार्किक निश्चयात्मकता'' का आशय है
(a) विद्यार्थी को परम सत्य का ज्ञान होना चाहिए।
(b) अध्यापक की सकारात्मक प्रवृत्ति हो।
(c) भाषा का विश्लेषण महत्वपूर्ण है।
(d) तत्व मीमांसा को जीवन सिद्धान्तों में बदलना।

UKPSC GDC 2017

Ans. (a) : तार्किक निश्चयात्मकता एक दार्शनिक आन्दोलन था। इस धारणा के लक्षण थे कि विद्यार्थी को परम सत्य का ज्ञान होना चाहिए।

93. 'प्रशासन' शब्द किस भाषा से लिया गया है?
(a) फ्रेंच (b) लैटिन
(c) ब्रिटिश (d) ग्रीक
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : प्रशासन शब्द लैटिन भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है लोगों की देखभाल करना एक व्यक्ति के द्वारा दूसरे व्यक्ति की सेवा करना।

94. अभिभावक शिक्षक संघ का समग्र उद्देश्य है
(a) बच्चों के लिए संवर्धन कार्यक्रम को उपलब्ध कराना
(b) उनके समुदाय के लिए अभिभावक के रूप में कक्षाएँ उपलब्ध
(c) विद्यालय को शिक्षा के लिए बेहतर बनाना
(d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : अभिभावक शिक्षक संघ का उद्देश्य–
1. बच्चों के लिए संवर्धन कार्यक्रम को उपलब्ध करना
2. उनके समुदाय के लिए अभिभावक के रूप में कक्षाएँ उपलब्ध कराना।
3. विद्यालय को शिक्षा के लिए बेहतर बनाना

95. प्रशासन सम्बन्धित है
(a) नीतियों का निर्माण (b) क्रियान्वयन
(c) मूल्यांकन (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : प्रशासन का सम्बन्ध है–
1. नीतियों का निर्माण
2. क्रियान्वयन
3. मूल्यांकन

96. उच्च शिक्षा का सर्वाधिक वांछित परिणाम है
(a) उच्च स्तर के चिन्तन कौशल की प्राप्ति
(b) व्यक्ति का प्रशिक्षण
(c) ज्ञान की प्राप्ति
(d) अकादमिक उपलब्धि में वृद्धि
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (a) : उच्च शिक्षा का सर्वाधिक वांछित परिणाम उच्च स्तर के चिंतन कौशल की प्राप्ति करना है।

97. निम्न में से एक मूल्यांकन प्रणाली की आवश्यक विशेषता नहीं है–
(a) यह प्रबंधकीय प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होना चाहिए
(b) यह कुछ कैरियर के विकास और प्रगति के साथ जोड़ा जाना चाहिए
(c) यह सहज ज्ञान की समस्याओं को उठाने और हल करने में सक्षम होना चाहिए
(d) (a) और (b) दोनों
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : मूल्यांकन प्रणाली की विशेषताएँ–
1. यह कुछ कैरियर के विकास और प्रगति के साथ जोड़ा जाना चाहिए।
2. मूल्यांकन शिक्षक की प्रभावशीलता को इंगित करता है।
3. यह शिक्षण के उद्देश्यों को स्पष्ट करता है।
4. यह छात्रों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करता है।

98. भारतीय शिक्षा आयोग (1882) ने भारत सरकार से सिफारिश की थी कि
(a) उच्च शिक्षा के संस्थानों के प्रबंधन का अधिकार केंद्र स्थल
(b) व्यावसायिक और चिकित्सा शिक्षा में विद्यार्थी के लिए अलग जवाब
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उच्च शिक्षा संस्थानों के समर्थन और प्रबंधन से धीरे–धीरे वापस लेने के लिए
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (c) : भारतीय शिक्षा आयोग (1882) ने भारत सरकार से सिफारिश की थी कि–
1. उच्च शिक्षा के संस्थानों के प्रबंधन का अधिकार केन्द्रस्थल
2. व्यावसायिक और चिकित्सा शिक्षा में विद्यार्थी के लिए अलग जवाब

99. छात्र के भावात्मक पक्ष पर सर्वाधिक प्रत्यक्ष प्रभाव डालनेवाली शिक्षण विधियाँ हैं–
(a) परिचर्चा व संवाद (b) रोल प्ले व अनुरूपण
(c) प्रश्नोत्तर व निरीक्षण (d) व्याख्यान व प्रदर्शन
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : छात्र के भावात्मक पक्ष पर सर्वाधिक प्रत्यक्ष डालने वाली शिक्षण विधियाँ–1. रोल प्ले, 2. अनुरूपण, 3. क्रीडन/खेल विधि

100. पर्यवेक्षण क्या है?
(a) सलाह देना (b) सहायता करना
(c) सुधार करना (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : पर्यवेक्षण एक प्रकार की प्रजातांत्रिक प्रक्रिया या विशिष्ट सेवा है जिसमें सौहार्दपूर्ण वातावरण में शिक्षण अधिगम विधियों में आवश्यक व वांछित सुधार के लिए सुझाव, सहायता, सलाह एवं निर्देश दिए जाते हैं।

101. वह पर्यवेक्षण जो अध्यापकों को नई अवाहनीय स्थितियों में रास्ते ढूंढ़ने व उन्हें दूर करने में सहायता करता है, वह जाना जाता है।
(a) संशोधित निरीक्षण (b) निदानात्मक निरीक्षण

(c) प्रेरणात्मक निरीक्षण (d) सृजनात्मक निरीक्षण
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : निदानात्मक निरीक्षण/परीक्षण किसी विषय के समूह में छात्रों के द्वारा अर्जित ज्ञान की विशिष्टता तथा ज्ञान प्राप्ति में आ रही बाधाओं को ज्ञात करने का प्रयास करते हैं। इससे प्राप्त सूचनाओं के विस्तृत विश्लेषण से छात्रों की कमजोरियों का पता चल जाता है जिससे उनकी अधिगम प्रक्रिया में तथा अध्यापकों की शिक्षण विधि में परिवर्तन करके उपचारात्मक शिक्षण किया जा सकता है।

102. विद्यालय अभिलेखों का उपयोग किया जाता है
(a) संदर्भ हेतु (b) निर्देश प्रदान करने हेतु
(c) आयोजन हेतु (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : विद्यालय अभिलेखों का उपयोग–
1. संदर्भ हेतु
2. निर्देश प्रदान करना
3. आयोजन करना
4. भविष्य के लिए योजना बनाना आदि के लिए किया जाता है।

103. निम्नांकित में से क्या विद्यालय अभिलेख का उद्देश्य नहीं है–
(a) छात्रों के विषय में महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ प्रदान करना
(b) पाठ्यक्रम का निर्माण करना
(c) शैक्षिक कार्यक्रम का मूल्यांकन करना
(d) शिक्षा अधिकारियो को सूचनाएँ प्रदान करना
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : विद्यालय अभिलेख के उद्देश्य –
1. छात्रों के विषय में महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ प्रदान करना।
2. शैक्षिक कार्यक्रम का मूल्यांकन करना।
3. शिक्षा आधिकारियों को सूचनाएँ प्रदान करना।

104. कक्षागत वातावरण निम्न को प्रभावित करता है–
(a) शिक्षण–अधिगम के परिणाम
(b) छात्रों का स्वास्थ्य
(c) शिक्षकों का स्वास्थ्य
(d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : कक्षागत वातावरण–
1. शिक्षण–अधिगम के परिणाम
2. छात्रों का स्वास्थ्य
3. शिक्षकों का स्वास्थ्य

105. विद्यालय वातावरण में शामिल है–
(a) विद्यालय का बुनियादी ढांचा (b) शिक्षा का व्यवहार
(c) छात्र का व्यवहार (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : विद्यालय वातावरण में शामिल तथ्य–
1. विद्यालय का बुनियादी ढांचा
2. शिक्षक का व्यवहार
3. छात्र का व्यहार
4. शिक्षण सहायक सामग्री

106. विद्यालय में समय सारणी का महत्त्वपूर्ण स्थान है क्योंकि
(a) यह विद्यालय में समय का प्रबंधन करती है
(b) यह विद्यालय के समस्त शैक्षिक कार्यक्रम को प्रतिबिम्बित करती है
(c) यह पाठ्य–सहगामी क्रियाओं पर बल देती है
(d) यह विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में सहायक होती है
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : विद्यालय में समय सारणी का महत्त्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि यह विद्यालय के समस्त शैक्षिक कार्यक्रम को प्रतिबिम्बित करती है।

107. विद्यालयी अभिलेख रखने के लाभ हैं–
(a) यह विद्यालय की प्रगति का पता लगाने में सहायक है
(b) यह नियमित व अनुशासित रहने की अच्छी आदतें सिखाने में सहायक है
(c) भविष्य की योजना जैसे बजट बनाने में सहायक है
(d) दोनों (a) तथा (c)
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : विद्यालय अभिलेख रखने के लाभ–
1. यह विद्यालय की प्रगति का पता लगाने में सहायक है।
2. भविष्य की योजना जैसे बजट बनाने में सहायक है।

108. विद्यालय संगठन का मुख्य कार्य है–
(a) शैक्षित नियोजन (b) समय सारणी बनाना
(c) प्रवेश परीक्षा करना (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : विद्यालय संगठन का मुख्य कार्य–
1. शैक्षिक नियोजन
2. समय सारणी बनाना
3. प्रवेश परीक्षा करना

109. विद्यालय स्तर पर शैक्षिक पर्यवेक्षण की अध्यक्षता निम्न द्वारा दी जाती है–
(a) वरिष्ठतम शिक्षक (b) प्रधानाचार्य
(c) डी आई ओ एस (d) उप प्रधानाचार्य
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : विद्यालय स्तर पर शैक्षिक पर्यवेक्षण की अध्यक्षता प्रधानाचार्य द्वारा की जाती है। इसके द्वारा संस्था में एक सकारात्मक शिक्षण अधिगम परिवेश विकसित करना है।

110. पर्यवेक्षक किस पर्यवेक्षण में शिक्षण के स्तर पर आ जाता है?
(a) सृजनात्मक पर्यवेक्षण (b) एकतंत्रीय पर्यवेक्षण
(c) सुधारक पर्यवेक्षण (d) निवारक पर्यवेक्षण
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (a) : पर्यवेक्षक सृजनात्मक पर्यवेक्षण में शिक्षण के स्तर पर आ जाता है।

111. निम्नलिखित में से कौन शिक्षा विभाग प्रबन्ध समिति और सामान्य स्थानीय समुदाय के मध्य कड़ी का काम करता है?
(a) अध्यापक (b) राज्य का गवर्नर

(c) प्रधानाध्यापक (d) विद्यार्थी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (c) : शिक्षा विभाग प्रबन्ध समिति और सामान्य स्थानीय समुदाय के मध्य कड़ी का काम प्रधानाध्यापक करता है।

112. माध्यमिक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन में क्या शामिल नहीं है?
(a) नामांकन (b) निधिकरण
(c) अवरोधन (d) कक्षा शिक्षण
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (c) : माध्यमिक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन के अनिवार्य तथ्य–
1. नामांकन
2. निधिकरण
3. कक्षा शिक्षण
4. निर्देशन एवं परामर्श

113. राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा किसके द्वारा नियंत्रित होती है?
(a) सी.बी.एस.ई. (b) एन.यू.ई.पी.ए.
(c) एन.सी.ई.आर.टी. (d) एन.सी.टी.ई.
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (c) : राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) के द्वारा नियंत्रित होती है।

114. माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु केन्द्र सरकार की योजना
(a) एस.एस.ए. (b) आर.यू.एस.ए.
(c) आर.एम.एस.ए. (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (c) : केन्द्र सरकार के द्वारा माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के द्वारा नियंत्रित किया गया है। यह योजना मार्च, 2009 में माध्यमिक शिक्षा की गूणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

115. छात्रों द्वारा शिक्षक के मूल्यांकन को प्रभावित करने का सबसे शक्तिशाली कारक है–
(a) वस्तु निष्ठता (b) आत्मा निष्ठता
(c) विश्वसनीयता (d) मानदंड
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (b) : छात्रों द्वारा शिक्षक के मूल्यांकन को प्रभावित करने का सबसे शक्तिशाली कारक आत्मनिष्ठता है।

116. छात्रों को इस आधार पर प्रोन्नत किया जाना चाहिए।
(a) बुद्धि (b) रचनात्मक मूल्यांकन
(c) योगात्मक मूल्यांकन (d) समग्र मूल्यांकन
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : सतत् एवं समग्र मूल्यांकन का अर्थ है छात्रों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली जिसमें छात्र के विकास के सभी पक्ष शामिल हैं। यह निर्धारण के विकास की प्रक्रिया है जिसमें दोहरे उद्देश्यों पर बल दिया जाता है। ये उद्देश्य व्यापक आधारित अधिगम और दूसरी ओर व्यवहारगत परिणामों के मूल्यांकन तथा निर्धारण की में है।

117. प्रधानाचार्य का प्रमुख दायित्व है
(a) निर्देशन कार्यक्रमों का संगठन व प्रशासन
(b) अनुदेशन योजना में नेतृत्व प्रदान करना
(c) विद्यालयी अभिलेखों की देखरेख करना
(d) अनुशासन की समस्याओं का संभालना
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (a) : प्रधानाचार्य का प्रमुख दायित्व है– निर्देशन कार्यक्रमों का संगठन व प्रशासन प्रदान करना है।

118. क्रियात्मक अनुसंधान में चार चरण होते हैं, इनका अनुक्रम है
(a) योजना, क्रियान्वयन, निरीक्षण, प्रतिबिंबित करना
(b) योजना, निरीक्षण, प्रतिबिंबित करना, क्रियान्वयन
(c) निरीक्षण, योजना, क्रियान्वयन, प्रतिबिंबित करना
(d) प्रतिबिंबित करना, योजना, निरीक्षण, क्रियान्वयन,
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (a) : क्रियात्मक अनुसंधान के चरण
1. योजना 2. क्रियान्वयन
3. निरीक्षण 4. प्रतिबिम्बित करना

119. 10+2+3 के पैटर्न में एनसीईआरटी प्रथम भाषा के लिए प्रति सप्ताह समय आवंटन का सुझाव दिया गया है
(a) 9 घंटे (b) 10 घंटे
(c) 11 घंटे (d) उपरोक्त सभी
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (e) : इनमें से कोई नहीं

120. एक शिक्षक का प्राथमिक कार्य है।
(a) बच्चों की वैयक्तिक प आध्यात्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना
(b) विद्यार्थियों के मस्तिष्क में ज्ञान भरना
(c) लाभकारी अनुभवों का नियोजन व आयोजन करना
(d) बच्चों को अधिकतम विकास हेतु प्रगतिशील बनाने में सहायता करना
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : एक शिक्षक का प्राथमिक कार्य है बच्चों को अधिकतम विकास हेतु प्रगतिशील बनाने में सहायता करना।

121. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसार निम्नलिखित में से किस संस्था को प्राथमिक/प्रारंभिक विद्यालयों के लिए सेवारत अध्यापक शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है?
(a) इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आई ए एस ई) को
(b) कोलिजिज ऑफ टीचर एजुकेशन (सी टी ई) को
(c) डिस्ट्रिक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग (डी आई ई टी) को
(d) राज्य के अध्यापक शिक्षण महाविद्यालयों को

NTA UGC NET/ JRF 2022

Ans. (c) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है जिसने भारत को शैक्षिक वातावरण प्रदान किया। इस नीति ने नवोदय विद्यालय, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, डायट जैसी संस्था को

जन्म दिया। DIET- District Institute of Education and Training) जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान है। जो भारत के प्रत्येक जिले में भारत सरकार द्वारा स्थापित किये गये है। वे जिला स्तर पर सरकारी नीतियों को लागू करने और समन्वय करने में मदद करते है। इसकी स्थापना 1997 में हुई।

(a) IASE:- (Institute of Advanced Study in Education) जो शिक्षा के क्षेत्र में समस्त उत्तरी भारत में स्थापित ढंग का विशिष्ट राजकीय संस्थान है। इसका उद्देश्य गहरे मानव महत्व वाले विषयों में सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देना और शैक्षिक शोध हेतु उपयुक्त माहौल प्रदान करना और साथ ही मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा विकास, पद्धतियों एवं तकनीकों में उच्च संस्थान शुरू करना।

(b) CTE (Colleges of Teacher Education):- शिक्षक शिक्षा और स्कूल में माध्यमिक कक्षाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण और आधारभूत सर्वेक्षण, गुणवत्ता प्रशिक्षण, वित्तीय जवाबदेही के बाद धन का इस्टम उपयोग करता है।

(d) अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक तथा शाला व्याख्याता को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

122. नवोदय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य है शिक्षा देना-

(a) ग्रामीण प्रबुद्ध छात्रों को (b) शहरी छात्रों को

(c) केवल लड़कियों को (d) ग्रामीण छात्रों को

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (a) नवोदय विद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पृष्ठभमि के पिछड़े वर्गो के प्रतिभाशाली बालक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। इसलिए देश के प्रत्येक जिले में एक नवोदय विद्यालय की स्थापना की गयी है।

123. केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा स्कीम में निम्नलिखित में से किन स्कीमों को मिला दिया गया है?

(a) एसएसए, आरएमएसए और टीई स्कीमें

(b) केजीबीवी, महिला समख्या और आईसीटी @ स्कूल्स

(c) एमडीएम, वीई और एकलव्य मॉडल विद्यालय

(d) आईईडीएसएस, एसपीक्यूईएम और प्रखंड स्तर पर मॉडल विद्यालयों की स्थापना

NTA UGC NET/JRF Dec 2020 (03-12-2021) Shift-II

Ans. (a) : केन्द्र प्रायोजित समस्त शिक्षा स्कीम में निम्नलिखित में से एस.एस.ए, आर.एम.एस.ए. और टी. ई. (SSA, RMSA and TE) स्कीम को मिला दिया गया है।

124. सर्वशिक्षा अभियान (SSA) ने निम्नलिखित में से किसे अपनाया?

(a) शून्य संसाधन कक्षा नीति

(b) शून्य अस्वीकृति नीति

(c) शून्य स्वीकृति नीति

(d) शून्य गृह आधारित शिक्षा नीति

NTA UGC NET/JRF June 2020

Ans. (b) : Zero Rejection Policy (शून्य अस्वीकृति नीति) सर्वशिक्षा अभियान के लिए 2000 में एक अखिल भारतीय योजना शुरू की गई। प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण ने शून्य अस्वीकृति नीति को अपनाया। इसका उद्देश्य बच्चों की विशेष आवश्यकताओं के साथ प्रवेश प्रक्रिया में आनेवाली कठिनाइयों का अध्ययन करना और इन कठिनाइयों का कारण और कठिनाइयों पर काबू पाने के लिए सम्भावित समाधान सुझाना।

125. प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत सुनिश्चित किया गया है?

(a) नीति-निर्देशक सिद्धांतों का अनुच्छेद 45

(b) अनुच्छेद 21बी, 2002

(c) अनुच्छेद 21ए, 2009

(d) अनुच्छेद 21ए, 2002

NTA UGC NET/JRF June 2020

Ans. (d) : 86वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2002 ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(A) के अन्तर्गत, राज्य तथा केन्द्र दोनों को प्राथमिक शिक्षा के सभी 6-14 आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है।

126. निम्नलिखित में से किस संस्थान को जनपद स्तर पर प्राथमिक और बुनियादी विद्यालयों के सेवारत शिक्षको की शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है?

(a) सी टी ई (b) आई ए एस ई

(c) एस सी ई आर टी (d) डी आई ई टी

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : डायट (DIET) को जनपद स्तर पर प्राथमिक और बुनियादी विद्यालयों के सेवारत शिक्षको को शिक्षा की जिम्मेदारी सौपी गयी है। डायट हर जिले में एक पाया जाता है तथा पूर्व सेवारत शिक्षको की शिक्षा की जिम्मेदारी का निर्वहन करता है।

127. किसी प्राथमिक स्कूल के संदर्भ में एक अच्छी पर्यवेक्षण रिपोर्ट निम्नलिखित में से किस समुच्चय से संबंधित होनी चाहिए?

(i) बाधक और सहायक शक्तियों का सूचीयन

(ii) दोषनिवारक प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्रदान कराना

(iii) प्रणाली की कमियों को उजागर करना

(iv) महसूस किए गए परिणामी प्रभावों पर चिंतन करना

(v) कार्मिकों की कमियों के संबंध में एक समालोचनात्मक रिपोर्ट तैयार करना

(vi) कार्मिकों द्वारा निभाई गई भूमिका को समग्र रूप लेना

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिएः

कूटः

(a) (i), (ii), (iii) और (iv)

(b) (i), (ii), (iv) और (v)

(c) (i), (ii), (iv) और (vi)

(d) (ii), (iv), (v) और (vi)

UGC NET/JRF 22 July 2018 (Re Exam)

Ans. (c) : एक अच्छी पर्यवेक्षण रिपोर्ट के गुण-

1. बाधक और सहायक शक्तियों का सूचीयन

2. दोष निवारक प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्रदान करना।

3. महसूस किए गए परिणामी प्रभावों पर चिंतन करना।

4. कार्मियों द्वारा निभाई गई भूमिका को समग्र रूप में लेना।

128. भारत में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण के लक्ष्य की व्याख्या करने वाला सम्मिश्र कौन-सा है?

(i) ग्रामीण बालकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

(ii) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों को सार्वत्रिक नामांकन सुनिश्चित करना

(iii) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों का सार्वत्रिक प्रतिधारण सुनिश्चित करना

(iv) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों को 8 वर्ष की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना
(v) वंचित समूहों के बालकों को विधिक सहायता देना
(vi) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों को जीवन कौशल की शिक्षा देना

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिएः

कूटः
(a) (i), (ii), (iii) और (iv)
(b) (i), (iii), (iv) और (vi)
(c) (ii), (iii), (iv) और (v)
(d) (ii), (iii), (iv) और (vi)

UGC NET/JRF 22 July 2018 (Re Exam)

Ans. (d) : भारत में प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिक के लक्ष्य-
(1) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों का सार्वत्रिक नामांकन सुनिश्चित करना।
(2) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों का सार्वत्रिक प्रतिधारण सुनिश्चित करना।
(3) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालकों को 8 वर्ष की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना।
(4) 6-14 वर्ष के समूह के समस्त बालको को जीवन कौशल की शिक्षा देना।

129. निम्नलिखित में से कौन–से कारक भारत में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लक्ष्य प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करते हैं।
(i) अधिगम का न्यूनतम स्तर सुनिश्चत करने के लिए सामग्री
(ii) माता–पिता की गरीबी
(iii) संबंधित प्रावधानों को लागू करने में ढिलाई
(iv) चारदीवारी और स्वच्छ पेय जल की उपलब्धता
(v) माता–पिता और शिक्षकों की मानसिकता
(vi) शिक्षकों की कमी

कूटः
(a) (ii), (iii), (iv) और (v)
(b) (ii), (iii), (v) और (vi)
(c) (i), (ii), (iii) और (iv)
(d) (ii), (iii), (iv) और (vi)

UGC NET/JRF July 2018

Ans. (b) : निम्नलिखित कारक भारत में प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण में बाधा उत्पन्न करते हैं।
1. माता–पिता की गरीबी
2. सरकार द्वारा बनाए गए प्रावधानों को लागू करने में ढिलाई।
3. माता–पिता और शिक्षकों की नकारात्मक मानसिकता।
4. राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्तियाँ को न होने से शिक्षकों की कमी

130. निम्नांकित में से शिक्षा के किन उद्देश्यों का सुमेलन प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण द्वारा प्राप्त है?
(i) शिक्षा में शैक्षिक अवसरों की समानता
(ii) एक प्रबुद्ध एवं मानवीय समाज का विकास
(iii) भारतीय समाज में वैज्ञानिक सोच का विकास
(iv) मानव संसाधन विकास में शिक्षाके उपकरण के रूप में
(v) ज्ञान की सीमाओं के बारे में समाज में चेतना विकसित करना

कूटः
(a) (i), (ii), (iii) और (iv)
(b) (i), (iii) और (iv)
(c) (ii), (iii), (iv) और (v)
(d) (i), (ii) और (iv)

UGC NET/JRF Nov 2017 (Paper-III)

Ans. (d) शिक्षा के वह उद्देश्य जिसे प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
1. शिक्षा में शैक्षिक अवसरों की समानता।
2. एक प्रबुद्ध एवं मानवीय समाज का विकास।
3. मानव संसाधन विकास में शिक्षा के उपकरण रूप में

131. प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु निम्नलिखित में से विशेष उपायों की पहचान कीजिए। उत्तर हेतु सही कूट चुनेंः
(i) मध्याह्न भोजन
(ii) निःशुल्क पुस्तकें एवं पोशाक
(iii) निःशुल्क लैपटॉप वितरण
(iv) सर्व शिक्षा अभियान
(v) कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय

कूटः
(a) (i), (ii), (iii) और (iv)
(b) (i), (ii), (iii) और (v)
(c) (i), (ii), (iv) और (v)
(d) (ii), (iii), (iv) और (v)

UGC NET/JRF Nov 2017 (Paper-III)

Ans. (c) प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु विशेष प्रावधान-
1. मध्याह भोजन
2. निःशुल्क पुस्तके एवं पोशाक
3. सर्व शिक्षा अभियान
4. कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय

132. भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करने में सर्वाधिक सशक्त बाध्यता निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(a) जाति विचार (b) क्षेत्रीय राजनीति
(c) शिक्षकों की उपलब्धता (d) वित्तीय आबंटन

UGC NET/JRF Nov 2017 (Paper-II)

Ans. (b) भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करने में सर्वाधिक सशक्त बाध्यता क्षेत्रीय राजनीति से संबंधित है।

133. नीचे दो समुच्चय दिये गये हैं। समुच्चय-I में शिक्षक-शिक्षा के स्तर का उल्लेख किया गया है जबकि समुच्चय-II में शिक्षक शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लक्ष्य एवं उद्देश्य दिये गये है। दोनों समुच्चयों का मिलान करें एवं सही कूट का चयन कीजिएः

समुच्चय-I (शिक्षक-शिक्षा के स्तर)	समुच्चय-II (लक्ष्य एवं उद्देश्य)
(a) पूर्व प्राथमिक स्तर	(i) विषय ज्ञान को अद्यतन एवं उन्नत करना तथा शिक्षण, मूल्यांकन एवं पाठ्यक्रम निर्माण में दिशा उन्मुखीकरण प्रदान करना।

(b) प्राथमिक स्तर	(ii)	व्यावसायिक समर्थता तथा विषय में विशेषज्ञता हासिल करने की क्रिया की तीक्ष्ण करना।
(c) माध्यमिक स्तर	(iii)	अग्रलक्षी, खुला, सौम्य चित्रवृत्ति तथा उत्कृष्ट भावात्मक प्रबंधकीय कौशल प्रदान करना।
(d) महाविद्यालय (उच्चतर) स्तर	(iv)	विभिन्न अधिगमकर्ताओं की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति, राष्ट्रीय पहचान तथा पर्यावरण के लिये सम्मान की क्षमता को बढ़ावा देना।

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(ii)

UGC NET/JRF Jan 2017 (Paper-III)

Ans. (c)

	सूची-I		सूची-II
a.	पूर्व प्राथमिक स्तर	(iii)	अग्रलक्षी, खुला, सौम्य चित्रवृत्ति तथा उन्कृष्ट भावात्मक प्रबंधकीय कौशल प्रदान करना।
b.	प्राथमिक स्तर	(iv)	विभिन्न अधिगमकर्ताओं की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति, राष्ट्रीय पहचान तथा पर्यावरण के लिये सम्मान की क्षमता को बढ़ावा देना।
c.	माध्यमिक	(ii)	व्यावसायिक समर्थता तथा विषय में विशेषज्ञता हासिल करने की क्रिया को तीक्ष्ण करना।
d.	महाविद्यालय स्तर	(i)	विषय ज्ञान को अद्यतन एवं उन्नत करना तथा शिक्षण, मूल्यांकन एवं पाठयक्रम निर्माण में दिशा उन्मुखीकरण प्रदान करना।

134. माध्यमिक स्तर पर एक अधिगमकर्ता के अंतिम प्रगति प्रतिवेदन में क्या-क्या शामिल होना चाहिए?

a. अधिगमकर्ता के भार में कमी या वृद्धि
b. सामाजिक पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी
c. पाठ्यक्रम सहभागी क्रियाओं में निष्पादन
d. परीक्षणों में निष्पादन
e. बालक का व्यक्तित्व और उसकी प्रकृति
f. स्कूल स्तरीय चिकित्सकीय परीक्षणों के प्रतिवेदन

(a) a, b, c और d (b) a, b, c, d और e
(c) c, d, e और f (d) a, c, d, e और f

UGC NET/JRF Jan 2017 (Paper-III)

Ans. (d) माध्यमिक स्तर पर एक अधिगमकर्ता के अंतिम प्रगति प्रतिवेदन में शामिल होगें।
1. अधिगमकर्त्ता के भार में कमी या वृद्धि।
2. पाठ्यक्रम सहभागी क्रियाओ में निष्पादन।
3. परीक्षणों में निष्पादन।
4. बालक का व्यक्तित्व और उसकी प्रकृति।
5. स्कूल स्तरीय चिकित्सकीय परीक्षणों के प्रतिवेदन।

135. भारत में सभी के लिए प्रारम्भिक शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा क्या है?

(a) संसाधनों की कमी
(b) अनुचित आयोजना
(c) लोगों की मनोवृत्ति
(d) जनसंख्या विस्फोट

UGC NET/JRF Jan 2017 (Paper-III)

Ans. (c) भारत में सभी के लिए प्रारम्भिक शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा लोगों की मनोवृत्ति हैं, क्योंकि आज भी निम्न आय प्राप्त करने वाले व्यक्तियों में बालकों की प्रारम्भिक शिक्षा से ज्यादा उसे किसी रोजगार में लगना ज्यादा महत्वपूर्ण समझते है। जिससे उनका घर चल सके।

136. जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थापना संस्तुत की गई थी

(a) भारतीय शिक्षा आयोग (1882) द्वारा
(b) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-19) द्वारा
(c) माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952-53) द्वारा
(d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) द्वारा

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-III)

Ans. (d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 द्वारा जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थाओ की स्थापना की गई थी।

137. भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु अंततोगत्वा, निम्नांकित में से किसका सुमेलन प्रभावी होगा?

i. संवैधानिक प्रावधान
ii. सामाजिक उद्रेक
iii. पूर्ण विकेन्द्रीकरण
iv. सभी अधिगमकर्त्ताओं का प्रदत्त आधारिका तैयार करना।
v. समुचित रूप से कार्यान्वियन तथा अनुश्रवण

(a) i, ii, iii और v (b) ii, iii, iv और v
(c) i और iv (d) ii और v

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-III)

Ans. (a) भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु अंततोगत्वा संवैधानिक प्रावधान, सामाजिक उद्रेक, पूर्ण विकेन्द्रीकरण एवं समुचित रूप से क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण अधिक प्रभावी होगा।

138. भारत में प्राथमिक शिक्षा की कमजोर प्रगति हेतु जिम्मेदार एक महत्त्वपूर्ण कारक है

(a) छात्रों और अभिभावकों के अभिप्रेरण का निम्न स्तर
(b) स्कूलों में संरचनात्मक सुविधाओं की कमी
(c) स्तरहीन शिक्षण अधिगम सामग्री
(d) बिना परीक्षा के छात्रों की अगली कक्षा में प्रोन्नत करना

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-III)

Ans. (a) भारत में प्राथमिक शिक्षा की कमजोर प्रगति हेतु जिम्मेदार कारक छात्रों और अभिभावकों के अभिप्रेरण का निम्न स्तर है।

139. प्रारम्भिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण एक ऐसा हस्तक्षेप है जिससे सुरक्षा प्राविधानित होती है :

(a) ग्रामीण लोगों को शिक्षा द्वारा आच्छादित करने में
(b) संविधान की धारा 2002 के तहत अनुच्छेद 21A द्वारा

(c) सुविधावंचित संवर्गो के बच्चों के लिए
(d) शैक्षिक अवसर की समानता की पहल को

UGC NET/JRF Dec 2015 (Paper-III)

Ans. (b) भारतीय संविधान के 86वे संवैधानिक संशोधन सन् 2002 के अनुच्छेद 21ए के अन्तर्गत सभी को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।

140. जिला शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थान (डी.आई.ई.टी.) किसकी सिफारिश के अनुपालन में स्थापित किए गए थे?
(a) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968
(b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986
(c) कोठारी आयोग, 1964-66
(d) 42 वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976

UGC NET/JRF June 2015 (Paper-III)

Ans. (b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के अनुसार जिला शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की गयी है। ताकि सेवा पूर्व एवं सेवाकालीन प्रशिक्षण से शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके।

141. भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण का मूल उद्देश्य है?
(a) 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बालकों का सार्वभौमिक नामांकन
(b) 6 से 14 वर्ष के बालकों का सार्वभौमिक धारण
(c) प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक सभी स्कूली स्तरों की सार्वभौमिक अन्तरनिर्भरता
(d) सभी स्कूली विषयों में अधिगम के न्यूनतम स्तर को सुनिश्चित करना

UGC NET/JRF June 2015 (Paper-III)

Ans. (a) शिक्षा के सार्वभौमीकरण का अर्थ हैं बिना किसी प्रकार के भेद भाव के शिक्षा के अवसरों को सर्वजन तक के लिए सुलभ बनाना। इसके कुछ उद्देश्य हैं।
1. 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश।
2. शिक्षा को सभी तक पहुँचाया जाए।
3. विद्यालय में प्रवेश लिए हुए छात्रों को विद्यालय में रोके रखना।

142. प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौगीकरण का अर्थ है-
(a) सभी को शिक्षा
(b) सभी लड़कियों को शिक्षा
(c) सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा
(d) 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

143. निम्नलिखित में से कौन स सही है?
(a) मकतब वह स्थान है जहाँ विद्यार्थियों को पढ़ना और लिखना सिखाया जाता है जबकि मदरसे में व्याख्यान दिए जाते हैं
(b) दोनों संकल्पनाएँ समान हैं, वास्तव में कोई अन्तर नहीं है
(c) मदरसे में साक्षरता दी जाती है और मकतब में उच्च शिक्षा दी जाती है
(d) मकतब में शैक्षिक संस्थाएँ हैं जो धार्मिक (इस्लामी) शिक्षा के लिए है, परन्तु मदरसे वह संस्थाएँ हैं जहाँ गैर धार्मिक धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दी जाती है

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-II)

Ans. (a) इस्लामिक शिक्षा पद्धति में मकतब तथा मदरसों में शिक्षा प्रदान की जाती है। मकतब में प्राथमिक शिक्षा तथा मदरसे में व्याख्यान तथा उच्च शिक्षा प्रदान की जाती है। मकतब में मुख्य रूप से लिखना पढ़ना सिखाया जाता है।

144. निम्नलिखित में से किस प्रमुख नीति को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, 1988 ई. में अपनाया गया था ?
(a) पूर्ण साक्षरता अभियान
(b) श्रमिक विद्यापीठ
(c) अनौपचारिक शिक्षा
(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2003

Ans. (a) पूर्ण साक्षरता अभियान को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, 1988 ई. में प्रमुख नीति के अन्तर्गत अपनाया गया था।

145. प्राथमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना का प्रारम्भ किया गया-
(a) नामांकन में वृद्धि के लिए
(b) समुदाय की सहभागिता के लिए
(c) शिक्षकों को व्यस्त रखने के लिए
(d) रोजगार में वृद्धि के लिए

UGC NET/JRF June 2014 (Paper-III)

Ans. (a) मध्यान्ह भोजन योजना प्राथमिक स्कूलों में नामांकन में वृद्धि करने के लिए प्रारम्भ की गई थी।

146. 1974-75 में एन.सी.ई.आर.टी. ने सेवारत विज्ञान के प्राथमिक स्कूल अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए रेडियो-विजन लैसन और टेलीविजन चर्चा एवं क्रिया-कलाप दिखाए। यह उदाहरण है-
(a) एकीकृत उपागम (b) समूह-उन्मुखी उपागम
(c) बहु-मीडिया उपागम. (d) टीम शिक्षण उपागम

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (c) NCERT द्वारा सेवारत विज्ञान के प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए रेडियो विजन लैसन और टी.वी. चर्चा एवं क्रियाकलाप दिखाया जाना बहु-मीडिया उपागम के उदाहरण है क्योंकि रेडियों विजन लैसन, टी वी. चर्चा एवं अन्य क्रियाकलाप बहु माध्यम का उदाहरण है।

147. प्राथमिक कक्षाओं में पठन-अक्षमता द्वारा
(a) समायोजन की भावना का विकास होता है।
(b) सुरक्षा की भावना का विकास होता है।
(c) असुरक्षा की भावना का विकास होता है।
(d) साथियों से प्रेम की भावना का विकास होता है।

UGC NET/JRF June 2013 (Paper-III)

Ans. (c) प्राथमिक स्तर पर ही नहीं अपितु माध्यमिक तथा कुछ हद तक उच्च स्तर पर लोग कक्षा में पाठ को पढ़ते समय अक्षमता प्रकट करते हैं क्योंकि डर रहता है कि यदि उन्होंने कुछ गलत पढ़ दिया तो कक्षा में उनका उपहास उड़ाया जाएगा। पठन अक्षमता के कारण ही बच्चे में भावाभिव्यक्ति की कमी हो जाती है, जिससे उनके अन्दर असुरक्षा की भावना पैदा होने लगती है।

148. माध्यमिक स्तर के लिए पाठ्यक्रम के विकास में ''उद्देश्यों'' के निर्धारक क्या-क्या है?
I. संबंधित स्तर के व्यक्तियों की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ
II. समाज की आर्थिक आवश्यकताएँ
III. पाठ्यक्रम विकास के समय प्रमुख क्षेत्र
IV. शिक्षा के माध्यमिक स्तर के राष्ट्रीय उद्देश्य

निम्नलिखित का कूट का उपयोग करके सही उत्तर दीजिए :

कूट :

(a) I, II और IV (b) II, III और IV
(c) I, III और IV (d) I, II और III

UGC NET/JRF June 2013 (Paper-III)

Ans. (a) माध्यमिक स्तर के लिए पाठ्यक्रम के विकास में उद्देश्यों के निर्धारक-
(1) सम्बन्धित स्तर के व्यक्तियों की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पहचान करना।
(2) समाज की आर्थिक आवश्यकता।
(3) शिक्षा के माध्यमिक स्तर के राष्ट्रीय उद्देश्य को निर्धारित करना।

149. निम्न मे से कौन-सा माध्यमिक स्कूल का प्राथमिक कार्य नहीं है

(a) मानवीय अनुभवों को पुनः संगठन व पुनर्रचना
(b) बच्चों को स्वावलंबी बनाना
(c) व्यक्तित्व का विकास
(d) संस्कृति की प्रगति

UGC NET/JRF June 2011

Ans. (b) बच्चों को स्वावलम्बी बनाना शिक्षा का द्वितीयक कार्य है।

150. राष्ट्रीय-प्रौढ़ शिक्षा योजना को भारत सरकार ने आरम्भ किया था?

(a) 1976 में (b) 1978 में
(c) 1982 में (d) 1986 में

UP PGT 2002

Ans. (b) राष्ट्रीय-प्रौढ़ शिक्षा योजना 2 अक्टूबर, 1978 को प्रारम्भ की गयी। राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन प्रौढ़ व्यक्तियों को शैक्षिक विकल्प देना है, जिन्होंने यह अवसर व्यर्थ व्यतीत कर दिया है और औपचारिक शिक्षा, आयु को पार कर चुके हैं, लेकिन अब वे साक्षरता, आधारभूत शिक्षा, कौशल विकास और इसी तरह की अन्य शिक्षा सहित किसी तरह के ज्ञान की आवश्यकता का अनुभव करते हैं।

151. विद्यालय-पाठ्यचर्या में SUPW का समावेश निम्नलिखित में से किस आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था?

(a) कोठारी कमीशन
(b) ईश्वरभाई पटेल कमेटी
(c) माध्यमिक शिक्षा आयोग
(d) विश्वविद्यालय शिक्षा समिति

UGC NET/JRF Dec 2009

Ans. (a) SUPW (Socially usefull productive work) का समावेश कोठारी कमीशन की सिफारिश पर विद्यालय पाठ्यचर्या में समावेश किया गया है। समाजोपयोगी उत्पादक कार्य भारत के विद्यालयों में एक विषय है जिसके अंतर्गत छात्र अनेको प्रकार के कार्यकलाप चुन सकते हैं। जैसे–कढ़ाई, बुनाई, चित्रकारी, बढ़ईगिरी तथा अन्य हस्तकलायें आदि।

152. 'ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड' प्रारम्भ किया गया था–

(a) उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु
(b) प्रारंभिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु
(c) माध्यमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु
(d) तकनीकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु

UP PGT 2021

Ans. (b) : ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड प्रारम्भिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु प्रारम्भ किया गया था। ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड की स्थापना 1986-1987 में सातवीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में पाठ्य-सामग्री तथा शिक्षक उपकरण जैसी न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करना था।

153. महिलाओं और जनसंख्या के ग्रामीण वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में निम्नलिखित में से किसे भारतीय संदर्भ में सबसे ज्यादा प्रभावशाली माना जाएगा?

(a) विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम लागू करना।
(b) एक समूह को विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुल युक्तियाँ को अपनाना।
(c) शिक्षार्थी के समान एक ही संवर्ग और वर्ग के शिक्षकों की नियुक्ति करना।
(d) विद्यालय कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए कड़े नियमों का पालन करना।

UGC NET/JRF Nov 2017 (Paper-III)

Ans. (b) भारतीय महिलाओं और जनसंख्या के ग्रामीण वर्ग के लिए गुणवतापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक समूह को इनकी विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुल युक्तियों को अपनाना चाहिए।

154. गुरुकुल पद्धति में निम्नलिखित में से कौन-सा उपागम सबसे कम प्रयोग में लाया जाता था?

(a) व्याख्यान (b) प्रयोग
(c) चर्चा (d) सस्वर पाठ

UP PGT 2021

Ans. (b) : गुरूकुल पद्धति में प्रयोग उपागम सबसे कम प्रयोग में लाया जाता था।
गुरूकुल पद्धति में ज्ञान प्राप्त करने के लिए दो मुख्य विधियाँ तप तथा श्रुति प्रचलित थीं। तप विधि में छात्र स्वयं मनन, चिन्तन तथा आत्म-अनुभूति करके ज्ञान प्राप्त करता था।
इसके विपरीत श्रुति में छात्र गुरू से सुनकर ज्ञान प्राप्त करता था।

155. किसने कहा था, ''ज्ञान शक्ति है''?

(a) सुकरात (b) अरस्तु
(c) प्लेटो (d) बेकर

UP Higher Asst. Prof. (B.Ed) 2021

Ans. (a) : सुकरात ने कहा- ज्ञान शक्ति है।

156. प्राचीनकाल में भारत में शिक्षण-प्रशिक्षण ______ प्रणाली द्वारा दिया जाता था।

(a) विशिष्ट गुरूकुल प्रणाली
(b) कक्षा नायकीय प्रणाली
(c) पाठशाला एवं टोल प्रणाली
(d) इनमें से कोई नहीं

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(b) प्राचीनकाल में भारत में शिक्षण प्रशिक्षण कक्षा नायकीय प्रणाली द्वारा किया जाता था, जिसके द्वारा कक्ष के सबसे तेज छात्र को नायक बनाया जाता था।

157. निम्न में से कौन सा वर्ष 'नेशनल करीक्युलम फ्रेमवर्क फॉर टीचर एजुकेशनः टूवार्ड्स प्रिपेयरिंग प्रोफेशनल एण्ड ह्यूमेन टीचर' के सम्बन्ध में सही है :

(a) 2000 (b) 2005
(c) 2009 (d) 2014

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(c) शिक्षक शिक्षा के लिये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2009 में लागू की गयी। इसका एक मात्र उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के लिए आवश्यक किसी भी परिवर्तन को करना है।
NCF-2009 का मुख्य उद्देश्य-
- शिक्षक शिक्षा का व्यवसायीकरण करना है।
- शिक्षक शिक्षा में ओपन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग की व्यवस्था करना।
- शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा की व्यवस्था करना।

158. 'अकादमिक' एवं 'तकनीकी' हाईस्कूल शिक्षा का सुझाव निम्न में से किसने दिया था?

(a) वुड-एबट रिपोर्ट (b) हर्टाग समिति
(c) सार्जेन्ट रिपोर्ट (d) नरेन्द्र देव समिति

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(b) हर्टाग समिति माध्यमिक शिक्षा के बारे में समिति ने मौद्रिक स्तर पर विशेष बल दिया ग्रामीण अंचल के विद्यालयों को समिति ने वर्नाक्यूलर मिडिल स्तर के स्कूल पर ही रोक कर उन्हें व्यवसायिक या फिर औद्योगिक शिक्षा देने का सुझाव दिया। अर्थात् अकादमिक एवं तकनीकी हाईस्कूल शिक्षा का सुझाव हर्टाग समिति ने दिया।

159. निम्न में से कौन-सा सुझाव नई शिक्षा नीति में प्रस्तावित नहीं है?

(a) ऑपरेशन ब्लैक - बोर्ड
(b) नवोदय विद्यालय
(c) सामान्य विद्यालय प्रणाली
(d) डिग्री और नौकरी के बीच सम्बन्ध का न होना

UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (d) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) की विशेषताओं में दिया गया है कि यदि किसी नौकरी या सेवा की उपलब्धि के लिए कोई डिग्री प्राप्त करना अनिवार्य न हो तो कोई भी व्यक्ति माध्यमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने का इच्छुक कम होगा। यदि कोई डिग्री किसी नौकरी से सम्बन्धित नहीं है और उसके लिए किसी डिग्री की आवश्यकता नहीं है। उस नौकरी के लिए डिग्री को आवश्यक न माना जाए। 1991 की जनगणना के आधार पर सेवा के लिए डिग्री का होना आवश्यक माना गया है। जैसे- कृषि-दर्शन के कार्यक्रम का संचालन करने के लिए अभ्यर्थी का कृषि उपाधि प्राप्त कर लेना आवश्यक है। ऐसी ही बहुत सी सेवाओं के लिए डिग्री को अनिवार्य कर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में डिग्री और नौकरी के बीच सम्बन्ध का न होना प्रस्तावित नही है। जबकि बाकी तीनो आपरेशन ब्लैक बोर्ड, नवोदय विद्यालय सामान्य विद्यालय प्रणाली नई शिक्षा नीति प्रस्तावित है।

160. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) का दायित्व नहीं है

(a) शिक्षकों को सेवा-पूर्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।
(b) शिक्षकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।
(c) जिला शिक्षा योजना का निर्माण कराना।
(d) विद्यालय-भवन और संसाधन का पर्यवेक्षण तथा योजना बनाना

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(d) : विद्यालय-भवन और संसाधन का पर्यवेक्षण तथा योजना बनाना। यह जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) का दायित्व नहीं है।

161. प्रौढ़ शिक्षा को समाज शिक्षा नाम किसने दिया था?

(a) एम.के. गांधी
(b) जवाहर लाल नेहरू
(c) गोपालकृष्ण गोखले
(d) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (d) मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ने प्रौढ़ शिक्षा को समाज शिक्षा का नाम दिया था।

162. 'अनुमोदन' और 'ईमानदारी' है :

(a) रचनाएं (b) संप्रत्यय
(c) बुद्धि के सापेक्ष अंश (d) मानवीय त्रुटियां

UP PGT 2011

Ans. (b) संप्रत्यय शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कॉनसेप्ट से हुई है, जिसका तात्पर्य समझ लेना या अभिग्रहित करना है। सम्प्रत्यय विभिन्न प्रकार के होते हैं- (i) सरल सम्प्रत्यय (ii) संयोजक सम्प्रत्यय (iii) वियोजक सम्प्रत्यय (iv) सम्बन्ध परक सम्प्रत्यय (v) द्विप्रतिबंधित सम्प्रत्यय।

163. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II से कीजिए ओर दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. मैकाले	i. 1910
B. डॉ. राधाकृष्णन्	ii. निस्यन्दन सिद्धान्त
C. वैदिक शिक्षा	iii. विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग
D. गोखले बिल	iv. गुरूकुल

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	iv	i	ii	iii

UP PGT 2009

Ans. (b) सही सुमेलित क्रम निम्नलिखित रूप में है-

सूची-I		सूची-II
(A) मैकाले	-	निस्यन्दन सिद्धान्त
(B) डॉ. राधा कृष्णन	-	विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग
(C) वैदिक शिक्षा	-	गुरूकुल
(D) गोखले बिल	-	1910

164. भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में उल्लिखित है :

(a) सार्वभौमिक व शाश्वत मूल्यों का विकास करना
(b) धर्म के उन्माद को प्रेरित करना
(c) रूढ़िवादिता पर विश्वास करना
(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2009

Ans. (a) भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में उल्लिखित है कि हमारा समाज सांस्कृतिक रूप से बहुआयामी है इसलिए शिक्षा के द्वारा उन सार्वजनिक व शाश्वत मूल्यों का विकास होना चाहिए जिनसे हम लोगों को एक सूत्र में बाँध सके।

165. प्राथमिक शिक्षा का विकेन्द्रीकरण प्रारम्भ किया गया

(a) कोठारी आयोग की रिपोर्ट के बाद
(b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के बाद
(c) राममूर्ति समिति की संस्तुति के बाद
(d) वर्धा शिक्षा स्कीम के बाद

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (b) : प्राथमिक शिक्षा का विकेन्द्रीकरण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के बाद प्रारम्भ किया गया, जिससे कि प्राथमिक शिक्षा के गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार हो सकें। इससे पूर्व 1882 ई. में प्राथमिक शिक्षा में सुधार के लिए हंटर आयोग का गठन हुआ था।

166. 'सर्वशिक्षा अभियान' प्रारम्भ हुआ

(a) जनवरी, 2001 से (b) अप्रैल, 2001 से
(c) जुलाई, 2001 से (d) अगस्त, 2001 से

UP PGT 2005

Ans. (a) भारत में सर्वशिक्षा अभियान का प्रारम्भ जनवरी 2001 से किया गया। प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है। यह कार्यक्रम राज्य सरकारों के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत देश के प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने तथा वर्ष 2010 तक 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को उपयोगी एवं स्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराना है। शिक्षा का विकास एवं सामयिक समस्याएँ आदि हैं।

167. 'साक्षरता निकेतन' स्थित है

(a) इलाहाबाद में (b) कानपुर में
(c) वाराणसी में (d) लखनऊ में

UP PGT 2005

Ans. (d) 'साक्षरता निकेतन' लखनऊ में स्थित है। साक्षरता निकेतन की स्थापना सम्पूर्ण भारत में भारतवासियों को शिक्षित करना है।

168. 'शिक्षा मित्र योजना' की राजाज्ञा द्वारा कब क्रियान्वित करने की स्वीकृति मिली थी?

(a) 1-7-1999 को
(b) 10-5-1999 को
(c) 26-5-1999 को
(d) उपर्युक्त में से किसी भी दिन नहीं

UP PGT 2004

Ans. (a) शिक्षा मित्र योजना का सरकार की राजाज्ञा द्वारा 1 जुलाई, 1999 में क्रियान्वित करने की स्वीकृति मिली थी।

169. राष्ट्रीय साक्षरता मिशन कब स्थापित हुआ था?

(a) 1950 में (b) 1956 में
(c) 1975 में (d) 1988 में

UP PGT 2004

Ans. (d) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन स्व. प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल वर्ष 1988 में प्रारम्भ हुआ था।

170. राष्ट्रीय-प्रौढ़-शिक्षा योजना को भारत सरकार ने आरम्भ किया था :

(a) 1976 में (b) 1978 में
(c) 1982 में (d) 1986 में

UP PGT 2000

Ans. (b) राष्ट्रीय-प्रौढ़ शिक्षा योजना 2 अक्टूबर, 1978 को प्रारम्भ किया गया। राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन प्रौढ़ व्यक्तियों को शैक्षिक विकल्प देना है, जिन्होंने यह अवसर गंवा दिया है और औपचारिक शिक्षा, आयु को पार कर चुके हैं, लेकिन अब वे साक्षरता, आधारभूत शिक्षा, कौशल विकास और इसी तरह की अन्य शिक्षा सहित किसी तरह के ज्ञान की आवश्यकता का अनुभव करते हैं।

171. 'गति निर्धारण स्कूल' होता है :

(a) पब्लिक स्कूल
(b) नार्मल (प्रशिक्षण) विद्यालय
(c) नवोदय विद्यालय
(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2000

Ans. (c) ग्रामीण क्षेत्रों की विशिष्टि योग्यता या अभिवृत्ति वाले बालकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की संस्तुति के बाद वर्ष 1989 से नवोदय विश्वविद्यालय या गति निर्धारक स्कूलों की स्थापना की गयी

172. आर.एम.एस.ए. कब प्रारंभ हुआ?

(a) 2003 (b) 2005
(c) 2007 (d) 2009

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (d) : आर.एम.एस.ए. अर्थात् राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान मार्च 2009 ई. में प्रारम्भ हुआ।

173. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का परिमार्जन हुआ था

(a) 1990 (b) 1992
(c) 2002 (d) 2005

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (b) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का परिमार्जन 1992 में हुआ।

174. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 से सम्बन्धित है?

(a) आर. आई. ई. (b) सी.ए.एस.ई.
(c) आई. ए. एस. ई. (d) एन. आई. ई.

UKPSC GDC 2017

Ans. (c) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 - आई.ए.एस.ई. (इंस्टिटूयट ऑफ एडवांस स्टडीज इन एजूकेशन) राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 का उद्देश्य असमानताओं को दूर करना और उनके लिए विशेष शिक्षा व्यवस्था की जाएगी।

175. निःशुल्क शिक्षा का अधिकार किस देश में लागू नहीं है?

(a) पाकिस्तान (b) नेपाल
(c) म्यांमार (d) बांग्लादेश
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (a): निःशुल्क शिक्षा का अधिकार पाकिस्तान में लागू नहीं है।

176. नीचे दो कथन दिए गए हैंः

कथन-I : प्राचीन भारत में शिक्षा का उद्देश्य इस जगत में जीवन की तैयारी के रूप में या विद्यालय से परे जीवन में केवल ज्ञान प्राप्ति नहीं था, अपितु स्वयं के संपूर्ण आत्मबोध के लिए था।

कथन-II : शिक्षा का उद्देश्य केवल 21वीं सदी के कौशल से परिपूर्ण संज्ञानात्मक विकास होना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिएः

(a) कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) कथन I और II दोनों सही नहीं हैं
(c) कथन I सही है, किन्तु कथन II सही नहीं है
(d) कथन I सही नहीं है, किन्तु कथन II सही है

NTA UGC NET/JRF Dec 2020 (03-12-2021) Shift-I

Ans. (c) : प्राचीन भारत में शिक्षा का उद्देश्य इस जगत में जीवन की तैयारी के रूप में या विद्यालय से परे जीवन में केवल ज्ञान प्राप्ति नहीं था, अपितु स्वयं के सम्पूर्ण आत्मबोध के लिए था, परन्तु शिक्षा का उद्देश्य केवल 21वीं सदी के कौशल से परिपूर्ण संज्ञानात्मक विकास होना चाहिए, यह आवश्यक नहीं है।
अतः कथन 1 सही है, परन्तु कथन 2 गलत है।

177. विद्यालय स्तर की शिक्षा बालिकाओं और समाज के सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की नीति को लागू करता है। यह किस अभियान का प्रतिनिधित्व करता है?
(a) प्रतिभा को प्रोत्साहित करना
(b) समता और समानता
(c) सुरक्षा सुनिश्चित करना
(d) विविध जरूरतों को पूरा करना

UGC NET/JRF Nov 2017 (Paper-III)

Ans. (b) समानता का अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के उसकी योग्यता और क्षमता के अनुसार शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हो।

178. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यक्रम किशोर बालिकाओं के शैक्षिक-विकास से सम्बद्ध है?
(a) सर्व शिक्षा अभियान
(b) किशोरी शक्ति विकास योजना
(c) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम
(d) महिला समाख्या

UGC NET/JRF Dec 2015 (Paper-II)

Ans. (b) किशोरी शक्ति विकास योजना किशोर बालिकाओं को शैक्षिक रूप से अग्रणी कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है।

179. भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण हेतु निम्नलिखित में से किसे एक हस्तक्षेप के रूप में प्रयोग में लाया गया है?
(a) सर्वशिक्षा अभियान
(b) सतत और वृहद् मूल्यांकन
(c) लैपटॉप का वितरण
(d) पुस्तकों और परिधानों का निःशुल्क वितरण

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-III)

Ans. (a) भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण हेतु सर्वशिक्षा अभियान को सन् 2002 में शुरू किया गया। ब्लैक बोर्ड योजना को 1986 में लागू किया गया। मध्यान्ह भोजन योजना को 15 अगस्त, 1995 को लागू किया गया।

180. स्कूलों में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम किस प्राथमिक रूप में माना जाना चाहिए?
(a) बालकों की शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के रूप मे।
(b) नियोजित विकासात्मक अनुभवों की शृंखला के रूप में
(c) शिक्षार्थीयों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के साधन के रूप में
(d) शैक्षणिक दबाव से राहत के रूप में

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-III)

Ans. (d) स्कूलों में प्रारम्भिक शिक्षा कार्यक्रम को नियोजित विकासात्मक अनुभवों की शृंखला के रूप में माना जाना चाहिए।

181. DPEP किस वर्ष आरम्भ हुआ?
(a) 1990 में (b) 1994 में
(c) 1998 में (d) 1996 में

UKPSC GDC 2017

Ans. (b): DPEP (District Primary education programme) वर्ष 1994 में प्रारम्भ हुआ।

182. अभिकथन (A) तथा तर्क (R) को परखें तथा नीचे दिए कूट समूह में से सही को चुनें :
अभिकथन (A) : इस बात पर लगभग सर्वसम्मति है कि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यालय से विरत हो जाने वालों (ड्राप आउट) की दर पब्लिक स्कूलों की तुलना में बहुत अधिक है।
तर्क (R) : यह इसलिए है कि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पाठ्यसहगामी क्रिया-कलाप पर्याप्त रूप में उपलब्ध नहीं होते।
(a) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं
(b) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(c) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है
(d) (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-II)

Ans. (b) सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये पाठ्य सहगामी क्रिया-कलाप पर्याप्त रूप से उपलब्ध होते हैं।

183. IGNOU (इग्नू) किस वर्ष में स्थापित की गई थी?
(a) 1964 ई. (b) 1985 ई.
(c) 1992 ई. (d) 2002 ई.

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (b) IGNOU की स्थापना वर्ष 1985 ई. में की गई थी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय भारतीय संसदीय अधिनियम के द्वारा सितम्बर, 1985 में स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इसका मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थापित है।

184. भारत में प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय किस वर्ष में स्थापित किया गया था?
(a) 1961 (b) 1982
(c) 1985 (d) 2001

UGC NET/JRF June 2013 (Paper-III)

Ans. (b) भारत प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय 1982 ई. में हैदराबाद तेलंगाना में स्थापित किया गया था, जिसके प्रथम कुलपति प्रो. जी. रामारेड्डी थे। जिन्हें भारत में दूरस्थ शिक्षा का जनक भी कहा जाता है।

185. संसार में सर्वप्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना किस देश में हुई थी?
(a) यू.एस.ए. (b) यू.के.
(c) भारत (d) ऑस्ट्रेलिया

UGC NET/JRF June 2013 (Paper-III)

Ans. (b) संसार में सर्वप्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना यू.के. (इंग्लैण्ड, ब्रिटेन) में 1969 में हुयी थी।

186. कुरान के अनुसार शिक्षा अनिवार्य है-
(a) सभी पुरूषों के लिए
(b) सभी स्त्रियों के लिए
(c) सभी स्त्री-पुरूषों के लिए
(d) उपर्युक्त में किसी के लिए नहीं

UGC NET/JRF Dec 2010

Ans. (c) ईस्लाम धर्म में स्त्री को पुरूषों के समान दर्जा दिया गया है। इसका प्रमाण इनका पवित्र ग्रन्थ 'कुरान' है। इसमें 'ईल्म' (शिक्षा) को प्रकाश के समान माना गया है जो मानव जीवन के अन्धकार को मिलती है। किंतु ईस्लाम धर्म के व्याख्याकार इस धर्म की व्याख्या स्वयं के स्वार्थ सिद्ध के अनुसार करते हैं और स्त्रियों को शिक्षा से वंचित रखते हैं।

187. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में शिक्षा पर विचार किया गया है-
(a) निवेश के रूप में
(b) प्रत्यागमन के रूप में
(c) राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में
(d) सामाजिक कार्यक्रम के रूप में

UGC NET/JRF Dec 2010

Ans. (c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में राष्ट्र के उत्थान पर बल दिया गया था और इसमें बालक तथा राष्ट्र दोनों पर ही विशेष ध्यान दिया गया था।

188. निम्नलिखित में से कौन-सा समूह प्राथमिक समूह के अंतर्गत आता है?
(a) साथी समूह
(b) कक्षा समूह
(c) पारिवारिक समूह
(d) बास्केटबॉल समूह

UGC NET/JRF June 2010

Ans. (c) प्राथमिक समूह- दो या दो से अधिक ऐसे व्यक्तियों का समूह जो घनिष्ठ, सहभागी और आत्मीय ढंग से एक-दूसरे से जुड़े व्यवहार करते हैं। व्यक्तित्व के मूल तत्व परिवार के वृक्ष स्थल से प्राप्त किए जाते हैं। प्राथमिक समूह और विशेष रूप से परिवार स्नेह, सुरक्षा और घनिष्ठता जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। द्वितीयक समूह-इनमें सहयोग की भावना पायी जाती हैं किन्तु आत्मीयता का अभाव पाया जाता है।

189. ''नारियाँ भी मनुष्य है अतः उन्हें भी पुरूषों के समान पूर्ण विकास का अधिकार है।'' यह कथन है-
(a) महात्मा गांधी का
(b) एस. राधाकृष्णन का
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर का
(d) श्रीमती हंसा मेहता का

UGC NET/JRF June 2010

Ans. (d) श्रीमती हंसा मेहता समिति स्त्री शिक्षा समिति की अध्यक्षा रही और स्त्रियों के उत्थान के लिए सदैव प्रयासरत थी। उनका कथन था- ''नारियां भी मनुष्य हैं अतः उन्हें भी पुरूषों के समान पूर्ण विकास का अधिकार है।''

190. निम्न का मिलान कीजिए-

	सूची-I	सूची-II
A.	नवोदय विद्यालय	1. संस्कृति द्वारा निर्धारित
B.	घर	2. समाजीकरण
C.	जीवन शैली बदलना	3. शैक्षिक अवसरों की समानता
D.	सामाजिक स्तरीकरण	4. आधुनिकीकरण

	A	B	C	D
(a)	3	2	4	1
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	2	1
(d)	1	3	4	2

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans. (a) सही मेल -

	सूची-I		सूची-II
A.	नवोदय विद्यालय	-	शैक्षिक अवसरों की समानता
B.	घर	-	समाजीकरण
C.	जीवन शैली बदलना	-	आधुनिकीकरण
D.	समाजिक स्तरीकरण	-	संस्कृति द्वारा निर्धारित

191. मिड-डे मील कार्यक्रम प्राथमिक स्कूलों के लिए इस विचार से प्रारंभ किया गया-
(a) नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए
(b) समुदाय को शामिल करने के लिए
(c) अध्यापकों को व्यस्त करने के लिए
(d) रोजगार बढ़ाने के लिए

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans. (a) मिड-डे मील कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों में बालकों के स्वास्थ्य में सुधार एवं विद्यालयों में नामांकन संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गयी थी।

192. ''शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप निश्चित रूप से तंत्र को प्रभावित करता है'' ये कथन है-
(a) हॉब्स (b) रॉस (c) प्लेटो (d) डीवी

UGC NET/JRF June 2007

Ans. (b) रॉस के अनुसार, ''शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप निश्चित रूप से तंत्र को प्रभावित करता है।''

193. 'कुरान' उदाहरण है-
(a) सहजानुभूत ज्ञान (b) अनुभूतिमूलक ज्ञान
(c) ईश्वरीय ज्ञान (d) बुद्धि सम्पन्न ज्ञान

UGC NET/JRF June 2007

Ans. (c) ईस्लाम धर्म में कुरान को पवित्र एवं ईश्वर की वाणी माना जाता है, जो ईश्वर ने पैगम्बर को दिया था।

194. निम्नलिखित में से कौन-सी एजेंसी शिक्षा की विनियमित करती है?
(a) चर्च (b) राज्य (c) स्कूल (d) पुस्तकालय

UGC NET/JRF Dec 2012 (Paper-III)

Ans. (b) राज्य शिक्षा को विनियमित करती है। राज्य के द्वारा स्कूलों में शिक्षा से सम्बन्धित प्रावधान किए जाते हैं नियम-कानून बनाए जाते हैं पाठ्यक्रम का निर्धारण होता है, अनुशासन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रकार राज्य द्वारा शिक्षा को विनियमित किया जाता है।

03. शिक्षा का दर्शन

(शिक्षा एवं दर्शन में सम्बन्ध, शिक्षा दर्शन का स्वरूप, महत्व)

1. Which of the following are method of knowing according to Nyay philosophy?
न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान प्राप्ति की निम्न में से कौन-कौन सी विधियाँ हैं?

(A) Perception/प्रत्यक्ष (B) Inference/अनुमान
(C) Arthapatti/अर्थापत्ति (D) Smriti/स्मृति
(E) Abhava/अभाव

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (C) और (E) (b) (C) और (D)
(c) (A) और (B) (d) (B) और (E)

NTA UGC NET/JRF Dec-2023

Ans. (c) : न्याय दर्शन में प्रमेयों को जानने के लिए तथा ज्ञान प्राप्त करने के चार वैध तरीके हैं
I. प्रत्यक्ष (Perception) II. अनुमान (Inference)
III. उपमान (Comparison) IV. शब्द (Testimony)

2. Which of the following are 'Astik' schools of Indian philosophy?/भारतीय दर्शन में निम्न में से कौन-कौन 'आस्तिक' है?

(A) Buddhism/बौद्ध (B) Jainism/जैन
(C) Samkhya/सांख्य (D) Nyay/न्याय
(E) Charvak/चार्वाक

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) और (B) (b) (A), (B) और (E)
(c) (C) और (A) (d) (C) और (D)

NTA UGC NET/JRF Dec-2023

Ans. (d) : भारतीय दर्शन में छः दर्शन प्रसिद्ध है और प्राचीन भी हैं। ये दर्शन सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त हैं। इनके प्रणेता कपिल, पंतजलि, गौतम, कणाद, जैमिनि और बादरायाण थे। अतः नास्तिक कहे जाने वाले विचारकों की तीन धाराएँ मानी गई है– चार्वाक, जैन तथा बौद्ध।

3. Given below are two statements: one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :
नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में है।

Assertion (A) : Buddhism is a nastik school of philosophy.
अभिकथन (A) : बौद्धधर्म नास्तिक मत है।

Reason (R) : Astik-nastik in Indian philosophy is about faith in Vedas.
कारण (R) : भारतीय दर्शन में आस्तिक-नास्तिक वेदों में आस्था के बारे में हैं।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चयन कीजिए :

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)./दोनों (A) और (R) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A)./दोनों (A) और (R) सत्य है लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is correct but (R) is not correct. (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।
(d) (A) is not correct but (R) is correct. (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

NTA UGC NET/JRF Dec-2023

Ans. (a) : बौद्ध धर्म जिसे बुद्ध धर्म और धर्म विनय अथवा बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित एक भारतीय धर्म या दार्शनिक परम्परा है। बौद्ध मतों के अनुयायी नास्तिक कहलाते हैं और ये ईश्वर या वेदों पर विश्वास नहीं करते थे। भारतीय दर्शन में आस्तिक-नास्तिक वेदों के आस्था के बारे में है।
अतः अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनो सत्य है तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

4. Which of the following are associated with Rouessau?/निम्न में से कौन-कौन रूसो के साथ संबद्ध किए जाते हैं?

(A) Emile/ऐमिल
(B) Social contract/सामाजिक अनुबंध
(C) Back to nature/प्रकृति की ओर वापसी
(D) Man is born as Slave
मनुष्य दास के रूप में जन्म लेता है
(E) Knowledge is based on reason only
ज्ञान केवल तर्क पर आधारित है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A), (B) और (C) (b) (D)
(c) (A) और (D) (d) (E)

NTA UGC NET/JRF Dec-2023

Ans. (a) : रूसो एक जिनेवन दार्शनिक, लेखक और संगीतकार थे। उनके राजनीतिक दर्शन ने पूरे यूरोप में प्रबुद्धता के युग की प्रगति के साथ-साथ फ्रांसीसी क्रान्ति के पहलुओं और आधुनिक राजनीतिक आर्थिक और शैक्षिक विचारों के विकास को प्रभावित किया। रूसो की प्रसिद्ध पुस्तक एमील में सामाजिक अनुबन्ध तथा प्रकृति की ओर वापसी पर जोर दिया गया है।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में है।
अभिकथन (A) : अधिगम के क्रियात्मक पक्ष बालकों को सृजन करने के लिए कतिपय पहलुओं से सम्बंन्धित कौशल अर्जन में सहायता करता है।

कारण (R) : अधिगम का क्रियात्मक पक्ष, संज्ञानात्मक एवं भावनात्मक पक्ष से बहुत अधिक संबद्ध है, जो कि बच्चों को संप्रत्यय को समझने और संबंधित कौशल को विकसित करने हेतु सही अभिवृत्ति के निर्माण में सहायता करता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चयन कीजिए :

(a) दोनों (A) और (R) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) दोनों (A) और (R) सत्य है लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है

NTA UGC NET/JRF Dec-2023

Ans. (a) : अधिगम के क्रियात्मक पक्ष बालकों को सृजन करने के लिए कतिपय पहलुओं से संबंधित कौशल अर्जन में सहायता करता है। अधिगम का क्रियात्मक पक्ष, संज्ञानात्मक एवं भावनात्मक पक्ष से बहुत अधिक संबद्ध है, जो कि बच्चों को सप्रत्यय को समझने और संबंधित कौशल को विकसित करने हेतु सही अभिवृत्ति के निर्माण में सहायता करता है। अतः दोनों कथन सत्य है और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

6. **Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and other is labelled as Reason R.**
नीचे दो कथन हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में।

Assertion A: In Jain philosophy, there is no place to a universal soul or God.
अभिकथन A : जैन धर्म में किसी सार्वभौम आत्मा अथवा ईश्वर की मान्यता नहीं है।

Reason R: It is because such existence would make moral responsibility and individual efforts meaningless.
कारण R : यह इसलिए है क्योंकि इनके अस्तित्व को स्वीकारने से नैतिक दायित्व और व्यक्तिगत प्रयास निरर्थक हो जाएँगे।

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below.
उपर्युक्त कथनों के प्रकाश में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) Both A and R are true and R is the correct explanation of A. / A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) Both A and R are true and R is NOT the correct explanation of A / A और R दोनों सही है लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A is true but R is false.
A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(d) A is true but R is false.
A असत्य नहीं है लेकिन R सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June-2023

Ans. (a) : जैन धर्म के अनुसार "अप्पा सो परमप्पा", आत्मा ही परमात्मा है। आत्मा से भिन्न किसी परमात्मा की कोई मान्यता जैन धर्म में नहीं है। जैन धर्म में ऐसे ईश्वर या उस जैसी किसी अन्य शक्ति की कोई मान्यता नहीं है। जो हमारा संहार या सम्पोषण करता है।
- जैन धर्म में किसी सार्वभौम आत्मा अथवा ईश्वर की मान्यता नहीं है।
- यह इसलिए है क्योंकि इनके अस्तित्व को स्वीकार से नैतिक दायित्व और व्यक्तिगत प्रयास निरर्थक हो जायेंगें।
- जैन धर्म आत्मज्ञान का मार्ग अहिंसा के माध्यम से है और जितना सम्भव हो जीवित चीजों को नुकसान कम करना है।

7. **Paulo Freire's philosophy of education is considered to be stemed from:**
पाउलो फ्रेरे के शिक्षा-दर्शन की उत्पत्ति मानी जाती है–

A. Palto's ideas / प्लेटो के विचारों से
B. Procolonial thinkers
उपनिवेश समर्थक विचारकों से
C. Anticolonial thinkers
उपनिवेश-विरोधी विचारकों से
D. Modern Marxist thinkers
आधुनिक मार्क्सवादी विचारकों से
E. Educationa system that suppresses the oppressors
उस शिक्षा पद्धति से जो दमनकर्ताओं (अत्याचारियों) का दमन करती है।

Choose the correct answer from the options given below.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) A & B only / केवल A और B
(b) B, C & D only / केवल B, C और D
(c) A, C & D only / केवल A, C और D
(d) C, D & E only / केवल C, D और E

NTA UGC NET/JRF June-2023

Ans. (c) : पाउलो फ्रायर ने शिक्षा के एक दर्शन का योगदान दिया। जो कि न केवल प्लेटो से बने क्लासिकल दृष्टिकोण से, बल्कि आधुनिक मार्क्सवादी और उपनिवेशवादी विचारकों से भी आया है।
पाउलो फ्रेरे एक महान चिंतक दार्शनिक तथा शिक्षक और धार्मिक विचारक के रूप में मानव व्यवहार समाज की व्यवस्था, आवश्यकता और इसाई धर्म पर अपने विचार व्यक्त किये।
- पाउलो फ्रेरे के शिक्षा दर्शन की उत्पत्ती-
- प्लेटो के विचारों से
- उपनिवेश विरोधी विचारकों से
- आधुनिक मार्क्सवादी विचारकों से मानी जाती है।

8. **Given below are two statements :**
नीचे दो कथन दिए गए हैं :

Statement I : The Samkhya theory that causation means a real transformation of the material cause into effect, it logically leads to the concept of evolution as the ultimate cause of the world of objects.

कथन-I : सांख्य सिद्धांत के अनुसार कारण-कार्य संबंध का अर्थ भौतिक कारण का प्रभाव एक वास्तविक रूपांतरण में होता है, जो भौतिक वस्तुओं के संसार के परम कारण के रूप में उद्विकास की अवधारणा का मार्ग प्रशस्त करता है।

Statement II : The second type of utlimate reality admitted by the Samkhya is the self. The existence of the self must be admittted by all.

कथन-II : सांख्य द्वारा स्वीकार किया गया परम यथार्थ का दूसरा प्रकार पुरुष (सेल्फ) है। सभी को पुरुष का अस्तित्व स्वीकार करना चाहिए।

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(a) Both Statement I and Statement II are true.
कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are false.
कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) Statement I is true but Statement II is false.
कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) Statement I is false but Statement II is true.
कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

NTA UGC NET/JRF Dec-2022 SH-II

Ans. (d) : कथन I: सांख्य सिद्धांत के अनुसार कारण कार्य संबंध का अर्थ भौतिक कारण का प्रभाव एक वास्तविक रूपांतरण में होता है, जो भौतिक वस्तुओं के संसार के परम कारण के रूप में उद्विकास की अवधारणा का मार्ग प्रशस्त करता है। सांख्या विचारधारा यह नहीं मानती कि कार्य कारण का अर्थ भौतिक कारण के प्रभाव में वास्तविक परिवर्तन है। उनका यह मानना है कि कार्यकाल दो घटनाओं के बीच का संबंध है, जहां एक घटना (कारक) दूसरे (प्रभाव) को लाती है। कारण वास्तव में प्रभाव में नहीं बदलता है।
कथन II: सांख्य द्वारा स्वीकार किया गया परम पधार्थ का दूसरा प्रकार पुरुष (सेल्फ) है। सभी को पुरुष का अस्तित्व स्वीकार करना चाहिए। सांख्या विचारधारा का मानना है कि दो प्रकार की परम वास्तविकताएँ पुरुष (आत्मा) और प्रकृति (पदार्थ) हैं। पुरुष सचेतन सिद्धांत है, जो प्रकृति से अलग है। पुरुष के अस्तित्व का अनुमान इस तथ्य से लगाया जाता है कि हमारे पास चेतना के अनुभव है। चेतना एक गैर भौतिक घटना है जिसे पदार्थ के संदर्भ में नहीं समझाया जा सकता है। अतः इस प्रकार कथन I असत्य है लेकिन कथन II सत्य है।
अतः कथन I असत्य है किन्तु कथन II सत्य है।

9. Which of the following statements are true?
निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

(A) Sankhya means the Philosophy of right knowledge (Samyak khyati)
सांख्य का अर्थ है–सत्य ज्ञान (सम्यक ख्याति) का दर्शन।
(B) Sankhya is a pluralistic spiritualism and an uncompromising dualism
सांख्य अनेकवादी अध्यात्मवाद एवं एक निर्विवाद द्वैत है।
(C) Right knowledge is the knowledge of the association of the Purusha with the Prakriti
सत्य ज्ञान पुरुष का प्रकृति से संयोग का ज्ञान है।
(D) Shankaracharya regards sankhya as a main 'main opponent' of Vedanta
शंकराचार्य ने सांख्य को वेदांत का 'मुख्य विपक्षी' कहा है
(E) The view of sankhya yoga is called Prikiti-arambhavada
सांख्य योग के विचार को प्रकृति-आरम्भवाद कहा जाता है।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B and E only / केवल A, B और E
(b) B, C and D only / केवल B, C और D
(c) A, B and D only / केवल A, B और D
(d) A, C and E only / केवल A, C और E

NTA UGC NET/JRF Dec-2022 SH-II

Ans. (c) : सत्य कथन है-
A. सांख्य का अर्थ है, सत्य ज्ञान (सम्यक ख्याति) का दर्शन)- सांख्य संस्कृत शब्द "सम्यक" से लिया गया है जिसका अर्थ सही या उचित और "रच्याति" का अर्थ ज्ञान या समझ है। सांख्य दर्शन का सम्बंध वास्तविकता के प्रकृति के सही ज्ञान और समझ को प्राप्त करने में है।
B. सांख्य अनेकवादी अध्यात्मवाद एवं निर्विवाद द्वैत है- सांख्य दर्शन अपने द्वैतवादी दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है, जो दो मूलभूत संस्थाओं पुरुष (चेतना या आत्मा) और प्रकृति (पदार्थ या प्रकृति) के अस्तित्व को दर्शाता है। यह वास्तविकता की अभिव्यक्ति में कई श्रेणियों और सिद्धांतों को भी पहचानता है।
D. शंकराचार्य ने सांख्य को वेदान्त का मुख्य विपक्षी कहा है- आदि शंकराचार्य, एक प्रमुख दार्शनिक और अद्वैतवादी वेदांत के प्रतिपादक, सांख्य दर्शन को वेदांत के मुख्य विपक्षियों में से एक मानते थे। उन्होंने अद्वैत वेदांत के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए सांख्य दार्शनिकों के साथ वाद-विवाद और चर्चा की।

10. Select the correct 4th, 8th & 12th link in the twelve of suffering according to Bauddha Philosophy.
बौद्ध दर्शन के अनुसार दुःख की बारह कड़ियों में से चौथी, आठवीं और बारहवीं कड़ी का सही चयन कीजिये।

(a) Ignorance, six sense organs, craving
अज्ञानता, छःइंद्रिय अंग, तृष्णा
(b) Mind-body organism, craving, suffering
मन-शरीर संघटन, तृष्णा, दुःख
(c) Six sense organs, sense experience, suffering
छः इंद्रिय अंग, इन्द्रिय अनुभव, दुःख
(d) Consciousness, craving, suffering
चेतना, तृष्णा, दुःख

NTA UGC NET/JRF Dec-2022 SH-II

Ans. (b) : बौद्ध दर्शन तीन मूल सिद्धांत पर आधारित माना गया है-
1. अनीश्वरवाद 2. अनात्मवाद 3. क्षणिकवाद।
यह दर्शन पूरी तरह से यथार्थ में जीने की शिक्षा देता है।
बौद्ध दर्शन के अनुसार दुःख की बारह कड़ियाँ बौद्ध अवधारणाएँ हैं जो जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म के चक्र का वर्णन करती है।

(i) अविद्या	(ii) संस्कार	(iii) चेतना
(iv) नामरूप	(v) छः ज्ञानेन्द्रियाँ	(vi) संपर्क
(vii) अनुभूति	(viii) तीव्र इच्छा	(ix) उपदान
(x) भव (बनना)	(xi) जाति (जन्म)	

(xii) जरामरण (उम्र बढ़ना और मृत्यु)
बारह कड़ियों को अक्सर एक चक्र के रूप में चित्रित किया जाता है, केन्द्र में अज्ञानता और बाहरी किनारों पर पीड़ा होती है। पहिया अस्तित्व की चक्रीय प्रकृति का प्रतिनिधित्व करने के लिए है।

(i) **चौथी कड़ी-** नामरूप, मन, शरीर, जीव, भौतिक शरीर और मन को संदर्भित करती है। मन, शरीर, जीव, अज्ञान और संस्कार के संयोजन का परिणाम है।
(ii) **आठवीं कड़ी-** तीव्र इच्छा, नश्वर, असंतुष्ट वस्तुओं की इच्छा को संदर्भित करती है, स्वयं को नहीं। तीव्र इच्छा सम्पर्क और भावना का परिणाम है।
(iii) **बारहवीं कड़ी-** पीड़ा इच्छा के कारण होने वाले दर्द और असंतोष को संदर्भित करती है। दुःख, उपदान, भाव, जाति और जरामरण का परिणाम है।

11. Which of the following Indian School of Philosophy does NOT reject Vedic Authority?
दर्शनशास्त्र के निम्नलिखित भारतीय समुदायों में से कौन वैदिक प्राधिकार को निरस्त नहीं करता है?

(a) Carvaka Philosophy / चार्वाक दर्शन
(b) Bauddha Philosophy / बौद्ध दर्शन
(c) Sankhya Philosophy / सांख्य दर्शन
(d) Jaina Philosophy / जैन दर्शन

NTA UGC NET/JRF Dec-2022 SH-II

Ans. (c) : सांख्य दर्शनशास्त्र एक द्वैतवादी विचारधारा है जो मानता है कि दुनिया दो तत्वों, पदार्थों और आत्मा से बनी है। वे ईश्वर, आत्मा और वेदों के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। सांख्य मानते हैं कि दुनिया दो शाश्वत पदार्थों पुरुष (आत्मा) और प्रकृति (पदार्थ) से बनी है। उनका मानना है कि पुरुष चेतन सिद्धांत है जो ब्रह्मांड को अनुप्रमाणित करता है और प्रकृति अचेतन सिद्धांत है जो ब्रह्मांड के लिए सामग्री प्रदान करता है। सांख्य मानते हैं कि वेद ज्ञान का एक विश्वसनीय स्रोत है क्योंकि वे कारण और अनुभव पर आधारित है। सांख्य मानते हैं कि आत्मा एक पुरुष है जो जन्म और मृत्यु के चक्र में फंसा हुआ है। उनका मानना है कि जीवन का लक्ष्य जन्म और मृत्यु के चक्र से मोक्ष या मुक्ति प्राप्त करना है।
दर्शन के अन्य तीन विद्यालय चार्वाक, बौद्ध और जैन सभी वैदिक प्राधिकार को निरस्त करते हैं।
बौद्ध दर्शन- बौद्ध दर्शनशास्त्र एक गैर-ईश्वरवादी विचारधारा है जो मान्यता है कि दुनिया एक भ्रम है। वे ईश्वर, आत्मा और वेदों के अस्तित्व को अस्वीकार करते हैं।
जैन दर्शन- जैन दर्शनशास्त्र एक गैर-ईश्वरवादी विचारधारा है जो कई आत्माओं के अस्तित्व में विश्वास करती है। वे ईश्वर के अस्तित्व को अस्वीकार करते हैं, लेकिन वे वेदों को ज्ञान के स्रोत के रूप में स्वीकार करते हैं।
चार्वाक दर्शन- चार्वाक दर्शनशास्त्र एक भौतिकवादी विचारधारा है जो मान्यता है कि केवल एक चीज मौजूद है वह पदार्थ है। वे ईश्वर, आत्मा और वेदों के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं।

12. Sequence the last Five paths to liberation according to Buddha philosophy.
बौद्ध दर्शन के अनुसार मुक्ति के अंतिम पांच मार्ग को क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

A. Right Concentration (SamyakSamadhi)
सम्यक् समाधि
B. Right Effort (Samyak Vyayama)
सम्यक् व्यायाम
C. Right mindfulness (SamyakSmrti)
सम्यक् स्मृति
D. Right livelihood (SamyakAjiva)
सम्यक् जीव
E. Right conduct (SamyakKarmanta)
सम्यक् कर्मणता

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) E, C, D, B, A
(b) E, B, D, C, A
(c) E, D, B, C, A
(d) B, D, A, C, E

NTA UGC NET/JRF DEC 2022 Shift-I

Ans. (c) : बौद्ध दर्शन के अनुसार मुक्ति के अंतिम पांच मार्ग को क्रमानुसार व्यवस्थित है-
E. सम्यक् कर्मणता- इसका अर्थ है इस तरह से व्यवहार करना जो नैतिक और करुणामय हो। इसमें दूसरों को नुकसान पहुँचाने से बचाना, चोरी करना, झूठ बोलना, यौन दुराचार और नशीले पदार्थों का सेवन करना शामिल है।
D. सम्यक् जीव- इसका अर्थ है इस तरह से जीविकोपार्जन करना जो नैतिक हो और दूसरों को नुकसान न पहुँचाए।
B. सम्यक् व्यायाम-इसका अर्थ है नकारात्मक विचारों और भावनाओं को काबू पाने और सकारात्मक भावनाओं को विकसित करने का प्रयास करना।
C. सम्यक् स्मृति- इसका अर्थ है बिना निर्णय के वर्तमान क्षण और अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं के बारे में जागरूक होना।
A. सम्यक् समाधि- इसका अर्थ है गहरी एकाग्रता और शांति की स्थिति प्राप्त करना।

13. Which of the following Indian School of Philosophy rejects the Vedic Authority?
निम्नलिखित में से दर्शन शास्त्र का कौन-सा भारतीय सम्प्रदाय, वैदिक प्राधिकार को नहीं मानता?

(a) Samkhya Philosophy/सांख्य दर्शन
(b) Nyaya Philosophy/न्याय दर्शन
(c) Charvaka Philosophy/चार्वाक दर्शन
(d) Vaisesika Philosophy/वैशेषिक दर्शन

NTA UGC NET/JRF DEC 2022 Shift-I

Ans. (c) :

क्र.सं.	ऑर्थोडॉक्स स्कूल ऑफ इंडियन फिलॉसफी	भारतीय दर्शन शास्त्र के तीन हेटरोडॉक्स स्कूल	अन्य
1.	सांख्य दर्शन	चार्वाक	अजीविका दर्शन
2.	योग दर्शन	बौद्ध	इस्लाम फिलॉसफी
3.	न्याय दर्शन	जैन	
4.	वैशेषिक दर्शन		
5.	पूर्व-मीमांसा		
6.	उत्तर-मीमांसा		

सांख्य दर्शन ने न्याय और वैशेषिक के लिए भौतिकवादी तत्वमीमांसा प्रदान की है, लेकिन सांख्य दर्शन पर आधारित मूल साहित्य बहुत कम है। आमतौर पर यह माना जाता है, कि सांख्य दर्शन द्वैतवादी है न कि अद्वैतवादी क्योंकि इसमें दो संस्थाएं हैं, पुरुष (आत्मा) और प्रकृति (प्रकृति)। सांख्य एकाग्रता और ध्यान के माध्यम से स्वयं के ज्ञान की प्राप्ति पर जोर देता है।
सांख्य दर्शन का मानना है कि यह आत्म-ज्ञान है,जो मुक्ति की ओर जाता है न कि कोई बाह्य प्रभाव या कारक। सांख्य वेग के लिए दार्शनिक आधार बनाता है। सांख्य में, उच्च आत्म,

व्यक्तिगत आत्म और हमारे आस-पास के ब्रह्मांड के बीच अंतरसंबंध के ज्ञान को सांख्यकारिका में व्यक्त किया गया है। सांख्यकारिका, सांख्य दर्शन के उपलब्ध ग्रन्थों में सबसे प्राचीन एवं बहुत ही महत्वपूर्ण प्रकरण ग्रंथ है, जिसने अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त की है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सांख्य दर्शन वेदांत दर्शन के ज्ञान को नहीं मानता।

14. ''दर्शन एवं शिक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू है''। यह किसने कहा है?

अथवा

किसने कहा ''दर्शन और शिक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू है''?

(a) जॉन एडम्स ने (b) जेण्टाइल ने
(c) रॉस ने (d) फिक्टे ने

UP PGT 2005
UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (c) रॉस महोदय के अनुसार, ''दर्शन और शिक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं जो एक ही वस्तु के विभिन्न दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं वे एक दूसरे पर अर्न्तनिहित हैं।।''

15. निम्न में से कौन सा दर्शन वेदों में विश्वास नहीं करता?

(a) बौद्ध दर्शन (b) जैन दर्शन
(c) चार्वाक दर्शन (d) ये सभी

UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (d) : नास्तिक एवं आस्तिक दर्शन का अन्तर इस आधार पर किया जाता है कि जो दर्शन वेदों में विश्वास करते है, उसे आस्तिक दर्शन कहते हैं तथा जो नही करते हैं वे नास्तिक दर्शन कहलाते है। दिये गये विकल्प में सभी बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, चर्वाक दर्शन, वेदो में विश्वास नही करते हैं। अतः ये सब नास्तिक दर्शन है।

16. सांख्य दर्शन में 'प्रकृति' है

(a) अचेतन व सक्रिय (b) चेतन व निष्क्रिय
(c) चेतन व स्वतंत्र (d) अचेतन व आश्रित

UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (a) : साख्य दर्शन की सबसे प्रमुख धारणा, सृष्टि के प्रकृति पुरुष से बनी है, इस दर्शन में प्रकृति (यानि पंचमहाभूतों से बनी) जड़ अथवा अचेतन है तथा सक्रिय है, जबकि पुरुष चेतन तथा निष्क्रिय हैं।

17. तत्त्वमीमांसा का तात्पर्य है

(a) परम सत्य की खोज
(b) संसार की प्रकृति की जानकारी
(c) शाश्वत मूल्यों का अध्ययन
(d) ज्ञान की खोज

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (b) तत्त्वमीमांसा को अंग्रेजी में मेटा फिजिस्क कहा जाता है। तत्त्वमीमांसा में यथार्थ की खोज की जाती है, आत्मा, परमात्मा जीव जगत के अस्तित्व के बारे में जानकारी अर्जित की जाती है। इसका आशय प्रकृति से परे, इस प्रकार तत्त्वमीमांसा में प्रकृति से परे चीजो के अस्तित्व के बारे में अन्वेषण किया जाता है।

18. तत्त्वमीमांसा का अर्थ है

(a) भौतिकी की एक शाखा
(b) धातुओं की भौतिकी
(c) अन्तिम यथार्थ की प्रकृति जानने का प्रयास
(d) मौसम की भौतिकी

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRT Dec. 2013 Paper-II

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. तत्त्वमीमांसा का सम्बन्ध है:

(a) सत्यता से (b) सौन्दर्य से
(c) यथार्थ से (d) नीति से

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (b) : तत्त्वमीमांसा दर्शनशास्त्र की वह शाखा है, जो ब्राह्माण्ड के परम तत्त्व, ईश्वर की खोज करते हुये उसके परम स्वरूप का विवेचन करती है। इसका प्रमुख विषय सृष्टि-सृष्टा, आत्मा-परमात्मा, जीव-जगत एवं जन्म-मरण की व्याख्या के साथ-साथ वास्तविक सौन्दर्य की भी विवेचना करता है।

20. दर्शन में तर्क का अर्थ है

(a) एक विश्वास के लिये प्रमाण देना।
(b) केवल शोर करना।
(c) सहमति बनाने के लिये मौखिक प्रयास
(d) व्यक्तियों के बीच एक तथ्यात्मक असहमति

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (a) दर्शन में तर्क का अर्थ एक विश्वास के लिए प्रमाण देना होता है। काम्टे के अनुसार 'दर्शन विज्ञानों का विज्ञान' है।

21. किस शिक्षा दर्शन ने अनुभव एवं प्रयोग के माध्यम से सीखने को महत्त्व दिया है?

(a) प्रयोजनवाद (b) आदर्शवाद
(c) यथार्थवाद (d) प्रकृतिवाद

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (a) प्रयोजनवाद का सारा जोर क्रिया पर है, वह छात्रों द्वारा क्रिया करके अनुभव प्राप्त करने पर बल देता है इसका यह भी कहना है कि छात्र जो कुछ सीखे वह स्वयं के प्रयास से सीखे क्योंकि इससे ही नवीन विचारो का उदय होगा।

22. भारतीय दर्शन में सर्वाधिक वैरागी मत है

(a) बौद्ध (b) जैन (c) वेदान्त (d) सांख्या

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (b) भारतीय दर्शन में सर्वाधिक बैरागी मत जैन दर्शन का है।

23. शिक्षा दर्शन किस प्रश्नों का उत्तर देता है?

(a) आध्यात्मिक प्रश्न (b) सांसारिक प्रश्न
(c) मानव विकास प्रश्न (d) तार्किक प्रश्न

UPPSC GDC Asst. Prof. 2017

Ans. (c) : शिक्षा दर्शन मानव विकास प्रश्नों का उत्तर देता है। शिक्षा और दर्शन में गहरा सम्बन्ध है। शैक्षिक समस्या के प्रत्येक क्षेत्र में उस विषय के दार्शनिक आधार पर आवश्यकता अनुभव की जाती है। ''दर्शन के अभाव में शिक्षण कला कभी भी पूर्ण स्पष्टता नहीं प्राप्त कर सकती। दोनों के बीच अनेक अन्योन्य क्रिया चलती रहती है और एक के बिना दूसरा अपूर्ण तथा अनुपयोगी है।''

24. निम्न में से किस आधार पर पाठ्यचर्या उददेश्यों का निर्माण किया जाता है–

(a) तत्व मीमांसा (b) ज्ञान मीमांसा
(c) मूल्य मीमांसा (d) सत्व मीमांसा

UPPSC GDC Asst. Prof. 2017

Ans. (b) : ज्ञान मीमांसा दर्शन की एक शाखा है। ज्ञान मीमांसा ज्ञान, ज्ञाता और ज्ञेय का सम्बन्ध है। ज्ञान मीमांसा के आधार पर पाठ्यचर्या उददेश्यों का निर्माण किया जाता है।

25. कौन सी अवधारणा जैन दर्शन से संबंधित नहीं है?

(a) निर्वाण (b) समिति (c) निर्झर (d) मोक्ष

UPPSC GDC Pravkta 2012

Ans. (c) : निर्झर की अवधारणा जैन दर्शन से सम्बन्धित नहीं है।

26. किसने कहा ''शिक्षा एक त्रिकोणीय प्रक्रिया है?''

(a) जॉन लॉक (b) जॉन डी.वी.

(c) पेस्टालॉजी (d) इनमें से कोई नहीं

UPPSC GDC Asst. Prof. 2013

Ans. (b) ''शिक्षा द्विध्रुवीय प्रक्रिया है'' एडम्स
''शिक्षा एक त्रिकोणीय प्रक्रिया है'' जान डीवी

27. हरबर्ट स्पेन्सर के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है :

(a) मोक्ष

(b) ज्ञान-प्राप्ति

(c) पूर्ण जीवन-निर्वाह

(d) अपने पूर्वजों की गलतियों को सुधारना

UP PGT 2002

Ans. (b) जर्मन शिक्षाशास्त्री हरबर्ट स्पेन्सर के अनुसार शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सद्गुणों की तथा ज्ञान की प्राप्ति होती हैं।

28. ''निषेधात्मक शिक्षा'' का प्रत्यय सम्बन्धित है-

(a) अरस्तू से (b) कमेनियस से

(c) सुकरात से (d) रूसो से

UP PGT 2013

Ans. (d) रूसों के अनुसार, वह ज्ञान अथवा क्रिया जिसे बच्चे स्वयं करके स्वयं के अनुभवों से सीखते हैं, वह स्थायी होता है। इसे रूसों ने निषेधात्मक या नकारात्मक शिक्षा की संज्ञा दी।

29. ''प्रत्येक कला का उद्देश्य कोई-न-कोई भलाई ही हुआ करता है।''- यह कथन किसका है?

(a) टी.पी. नन का (b) रॉस का

(c) अरस्तू का (d) रूसो का

UP PGT 2002

Ans. (a) टी.पी. नन के अनुसार, ''प्रत्येक कला का उद्देश्य कोई न कोई भलाई ही हुआ करता है।''

30. ''पर्यवेक्षण विद्यालय व्यवस्था में सुधार करने हेतु एक सुनियोजित कार्यक्रम है।'' यह कहा गया हैः

(a) एडम्स द्वारा (b) रॉस द्वारा

(c) रायबर्न द्वारा (d) एस. ए. मुखर्जी द्वारा

UKPSC GDC 2017

Ans. (a) : पर्यवेक्षण विद्यालय व्यवस्था में सुधार करने हेतु एक सुनियोजित कार्यक्रम है। यह कथन एडम्स द्वारा दिया गया है।

31. निम्न में कौन दार्शनिक विश्लेषण की विधि नही है?

(a) मनन (b) संश्लेषण

(c) विश्लेषण (d) अवलोकन

UPPSC GDC Asst. Prof. 2013

Ans. (d) मनन, संश्लेषण और विश्लेषण दार्शनिक विश्लेषण की विधि है, जबकि अवलोकन विश्लेषण की विधि नहीं, इस विधि में, घटना को देखा जाता है, विश्लेषण नहीं किया जाता है।

32. प्रोग्रेसिव स्कूल को किसने स्थापित किया था?

(a) पीयर्स ने (b) जॉन डी.वी ने

(c) जॉन शिलर ने (d) जेम्स ने

UPPSC GDC Asst. Prof. 2013

Ans. (b) जॉन डीवी ने प्रोग्रेसिव स्कूल की स्थापना की। जॉन डीवी ने, सामाजिक समस्याओ को प्रायोगिक विधि से समाधान पर बल दिया। उन्होंने अनुभवों के पुनर्रचना को ही ज्ञान बताया।

33. निम्न में से कौन शिक्षा और दर्शन के मध्य सम्बन्ध को सही ढंग से व्यक्त करता है

(a) शिक्षा लक्ष्य है और दर्शन साधन है।

(b) लक्ष्य तक पहुँचने के लिए शिक्षा साध्यता प्रदान करती है जबकि दर्शन लक्ष्य निर्धारित करता है।

(c) शिक्षा तथा दर्शन दोनों स्वतन्त्र अनुशासन हैं।

(d) शिक्षा, दर्शन का आधार है।

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(b) : शिक्षा लक्ष्य तक पहुँचने में साध्यता का कार्य करती है जबकि दर्शन लक्ष्य निर्धारित करता है।

34. वह विचारक जिन्होंने ''शिक्षा'' को प्राथमिक और 'दर्शन' को व्युत्पन्न के रूप में मानते हैं :

(a) जीन जेक्वस रूसो (b) जॉन डिवी

(c) बर्ट्रेंड रसेल (d) कार्ल मार्क्स

UGC NET/JRF Dec 2015 (Paper-III)

Ans. (b) जॉन डीवी ने शिक्षा तथा दर्शन को एक दूसरे का पूरक मानते हुये कहा है कि दर्शन अपने सिद्धान्तों का प्रकटन शिक्षा के माध्यम से करता है, बिना शिक्षा के दर्शन का प्रकटन नहीं किया जा सकता है।

35. भारतीय दर्शन की परम्पराओं में दो मूलभूत विभाजन हैं

अथवा

भारतीय दर्शन के समर्थकों (स्कूलों) में दो मूलभूत विभाजन हैं

(a) वेदान्त और बौद्ध

(b) अद्वैत और द्वैत

(c) आस्तिक और नास्तिक

(d) कट्टरवादी और अशास्त्रीय

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-II)

Ans. (c) भारतीय दर्शन में दो मूलभूत विभाजन हुए आस्तिक एवं नास्तिक। आस्तिक दर्शन उसे कहा जाता है, जो वेदों को मानते हैं तथा नास्तिक दर्शन उन्हें कहा जता है जो वेदों को नही मानते हैं।

36. ज्ञान मीमांसा का अर्थ है

(a) स्टेम सेल पर शोध

(b) ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन

(c) मूल्यों की प्रकृति का अध्ययन

(d) संसार की प्रकृति का अध्ययन

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-II)

Ans. (b) ज्ञान मीमांसा को अंग्रेजी में एथिस्टेमालाजी कहा जाता है। इसका अर्थ है, ज्ञान या जानना। इसके अन्तर्गत ज्ञान क्या है, इसकी उत्पत्ति कैसे होती है, ज्ञान प्रप्ति के साधन क्या है, इत्यादि पर विचार किया जाता है।

37. सर जॉन एडम्स कहा करते थे

(a) शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पक्ष है।

(b) शिक्ष और दर्शन में कोई सम्बन्ध नहीं है

(c) शिक्षा और दर्शन एक ही सिक्के के दो पहलू है।

(d) शिक्षा दर्शन के अधीन है।

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) एडम्स का कथन है कि, 'शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पक्ष है, यह दार्शनिक विश्वास का क्रियाशील पक्ष और जीवन के उददेश्यों को प्राप्त करने का व्यवहारिक साधन है'।

38. ''विद्यालय समाज का लघुरूप है'' किसने कहा था?

(a) ओटावे (b) थाम्पसन

(c) ब्राउन (d) जॉन डीवी

UP PGT 2016

Ans. (d) : विद्यालय समाज का लघुरूप है यह कथन जॉन डीवी का है। इन्होंने स्पष्ट कहा है कि, ''आज के विद्यालय शिक्षा देने में इसलिए असफल है, क्योंकि वे सामाजिक रूप नहीं ग्रहण कर पाये जाते हैं। उन्हें समाज का लक्ष्य पूरा करने के लिए समाज का लघु रूप ग्रहण करना होगा।''

39. किसका कथन है, ''शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पहलू है''?

(a) हरबर्ट का (b) डीवी का
(c) एडम्स का (d) प्लेटो का

UP PGT 2016

Ans. (c) : एडम्स के अनुसार ''शिक्षा, दर्शन का गत्यात्मक पहलू है।'' दूसरे शब्दों में शिक्षा दर्शन द्वारा प्राप्त मूल्यों, आदर्शों, विश्वासों आदि को व्यवहार में लाती है तो दूसरी ओर दर्शन को नवचिन्तन के आधार भी देती है। व्यावहारिक जीवन में भाँति-भाँति की समस्यायें उत्पन्न होती है। जिनके समाधान के लिए दार्शनिक चिन्तन करते हैं।

40. ''दर्शन का गत्यात्मक पहलू शिक्षा है।'' इस कथन का सम्बन्ध है :

(a) जेम्स रॉस से (b) जॉन एडम्स से
(c) जॉन डीवी से (d) फ्रोबेल से

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. दर्शन शिक्षा के लिए कार्य करता है–

(a) निर्देशक के रूप में (b) निगरानी कर्ता के रूप में
(c) मित्र के रूप में (d) नियंत्रक के रूप में

UP PGT 2016

Ans. (a) : शिक्षा मानव जीवन का एक अनिवार्य अंग है शिक्षा की विविधि समस्याओं के समाधान में दर्शन महत्वपूर्ण सहायता करता है। वास्तव में दर्शन की मदद के बिना शिक्षा का उद्देश्य, पाठ्यक्रम, अनुशासन का स्वरूप निश्चित नही किया जा सकता है। दर्शन परिपक्व चिंतन एवं स्पष्ट विचार को मूर्त रूप देकर शिक्षण की कला को भी उत्कृष्ट बनाती है।

42. बच्चे की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों की ओर आकृष्ट कराने वाला प्रथम पथ प्रदर्शक निम्नलिखित में से कौन था?

(a) रवीन्द्र नाथ टैगोर (b) पैस्टालॉजी
(c) अरस्तू (d) रूसो

UP PGT 2013

Ans. (c) बच्चों की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों की ओर आकृष्ट करने वाला प्रथम पथ प्रदर्शक 'अरस्तू' थे।

43. एमील के लेखक हैं :
अथवा
'एमिल' नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?

(a) प्लेटो (b) हरबर्ट स्पेन्सर
(c) रूसो (d) सुकरात

UP PGT 2009, 2021
UPPSC DIET Pravakta 2014
UGC NET/JRF June 2006

Ans. (c) एमील या शिक्षा पर (ऑन एजुकेशन) रूसो द्वारा लिखित शिक्षा की प्रकृति और मनुष्य पर एक पुस्तक है, जो इसे ''सर्वश्रेष्ठ और सबसे महत्वपूर्ण'' मानते थे। उनके सभी लेखन ''प्रोफेशन ऑफ फेथ ऑफ द सेवॉयर्ड विकर'' नामक पुस्तक के एक भाग के कारण, एमील को पेरिस और जेनेवा में प्रतिबंधित कर दिया गया था। रूसो के अन्य लेखन कार्य–

1. असमानता की उत्पत्ति पर प्रवचन (1755)
2. सामाजिक अनुबंध (1762)
3. द न्यू इलोइस (1761)
4. एमील या शिक्षा पर (1762)
5. स्वीकारोक्ति (1782-1789)

44. 'एमील' क्या है?

(a) एक ऐतिहासिक व्यक्ति का नाम
(b) एक शिक्षक का नाम
(c) एक ग्रन्थ का नाम
(d) एक शिक्षा योजना का

UP PGT 2004

Ans. (c) 'एमील'रूसो द्वारा रचित एक पुस्तक का नाम है। रूसो एक प्रकृतिवादी शिक्षाशास्त्री था।

45. महर्षि पतंजलि ने पांच प्रकार की चित्तवृत्ति का उल्लेख किया है। उन्हें क्रमवार सुव्यवस्थित करें।

A. हमें चीजों के वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने के योग्य बनाता है।
B. स्मृति धारित विषय को याद करना।
C. स्वप्न में कोई वस्तु उपस्थित नहीं होती है, उपस्थित प्रतीत होती है
D. जो संबंधित वस्तु की अनुपस्थिति में शब्दों पर निर्भर करता है।
E. असत्य ज्ञान व्यक्ति को किसी वस्तु या स्थिति की सही जानकारी प्राप्त नहीं करने देता।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चनें:

(a) A, B, C, D, E (b) A, E, C, D, B
(c) A, D, E, C, B (d) C, D, B, A, E

NTA UGC NET/JRF Dec 2020 (03-12-2021) Shift-II

Ans. (b): महर्षि पतन्जलि प्राचीन भारत के एक मुनि थे। जिन्हे संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों का रचयिता माना जाता है। इनमें योगसूत्र उनकी महानतम रचना है, जो योगदर्शन का मूलग्रन्थ है। महर्षि पतंजलि ने पाँच प्रकार की चित्तवृत्ति का उल्लेख किया है, जो कि क्रमानुसार है-

- हमें चीजों के वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने के योग्य बनाता है।
- असत्य ज्ञान व्यक्ति को किसी वस्तु या स्थिति की सही जानकारी प्राप्त नहीं करने देता।
- स्वप्न में कोई वस्तु उपस्थित नहीं होती है, उपस्थित प्रतीत होती है।
- जो सम्बन्धित वस्तु की अनुपस्थिति में शब्दों पर निर्भर करता है।
- स्मृति धारित विषय को याद कराना।

46. निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

A. सांख्य के अनुसार पुरुष और प्रकृति दोनों असीमित और बाह्य हैं
B. उपनिषद अज्ञान को दूर करता है और मुक्तिकामी व्यक्ति को ईश्वर के समीप ले जाता है तथा जीवन-मृत्यु के बंधन से मुक्त करता है।
C. कैन प्रमुख उपनिषदों में से एक है।
D. शंकराचार्य ने गीता के भक्तियोग का समर्थन किया है।
E. महायान के अनुसार व्यक्ति को अपने उद्धार के लिए प्रयास करना चाहिए।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A, B और D (b) केवल B, C और E
(c) केवल A, B और C (d) केवल B, C और D

NTA UGC NET/JRF Dec 2020 (03-12-2021) Shift-II

Ans. (c) : सांख्य भारतीय दर्शन का एक द्वैतवादी आस्तिक विद्यालय हैं, वास्तविकता और मानवीय अनुभव के सम्बन्ध में दो स्वतन्त्र परम सिद्धान्तों पर सांख्य नियम आधारित है। जो कि निम्नलिखित है।

I. सांख्य के अनुसार पुरूष और प्रकृति दोनों असीमित और बाह्य है।
II. उपनिषद अज्ञान को दूर करता है और मुक्तिकामी व्यक्ति को ईश्वर से मुक्त करता है।
III. कैन प्रमुख उपनिषदों में से एक है।

47. अष्टांग योग के अनुसार निम्नलिखित का सही क्रम क्या है:

A. नियम
B. आसन
C. ध्यान
D. प्राणायाम
E. प्रत्याहार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B, D, E, C (b) A, D, B, E, C
(c) A, D, C, B, E (d) C, E, B, A, D

NTA UGC NET/JRF Dec 2020 (03-12-2021) Shift-I

Ans. (a) : महर्षि पतंजलि ने योग को 'चित्त की वृत्तियों के निरोध' (योगः चित्तवृत्ति निरोधः) के रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने 'योगसूत्र' नाम से योगसूत्रों का एक संकलन किया, जिसमें उन्होंने पूर्ण कल्याण तथा शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शुद्धि के लिए अष्टांग योग (आठ अंगों वाले योग) का एक मार्ग विस्तार से बताया है। अष्टांग योग के ये आठ अंग क्रमानुसार इस प्रकार है।

(1) यम (2) नियम (3) आसन (4) प्राणायाम (5) प्रत्याहार (6) धारणा (7) ध्यान (8) समाधि।

48. सूची-I में सांख्य की पच्चीस तत्वमीमांसात्मक श्रेणियाँ दी गई है और सूची-II में उसके प्रकार है:

सूची-I (प्रकार)		सूची-II (तत्तंवमीमांसात्मक श्रेणियाँ)	
(A)	केवल कारण (प्रकृति)	(i)	पुरुष
(B)	केवल प्रभाव (केवल विकृति)	(ii)	महत्, अहंकार और पाँच सूक्ष्म तन्मात्राएँ
(C)	कारण और प्रभाव दोनों (प्रकृति एवं विकृति दोनों)	(iii)	पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ, पाँच गतिक अंग, मनस और पाँच महाभूत
(D)	न तो कारण व प्रभाव (न प्रकृति न विकृति)	(iv)	प्रकृति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

NTA UGC NET/JRF June 2020

Ans. (a) दिये गए सूचियों का मिलान निम्नलिखित हैं–

सूची-I (प्रकार)			सूची-II (तत्तंवमीमांसात्मक श्रेणियाँ)
(A)	केवल कारण (प्रकृति)	-	प्रकृति
(B)	केवल प्रभाव (केवल विकृति)	-	पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ, पाँच गतिक अंग, मनस और पाँच महाभूत
(C)	कारण और प्रभाव दोनों (प्रकृति एवं विकृति दोनों)	-	महत्, अहंकार और पाँच सूक्ष्म तन्मात्राएँ
(D)	न तो कारण व प्रभाव (न प्रकृति न विकृति)	-	पुरुष

49. सांख्य दर्शन में 'सर्ग' को माना जाता है एक :

(a) प्रयोजनमूलक प्रक्रिया (b) रेखीय प्रक्रिया
(c) यांत्रिक प्रक्रिया (d) अभिनव परिवर्तन

NTA UGC NET/JRF June 2020

Ans. (a) : सांख्य दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कपिल को माना जाता है। इनका सबसे प्राचीन तथा प्रामणिक ग्रन्थ सांख्यकारिका है। सांख्य दर्शन में सर्ग को प्रयोजन मूलक प्रक्रिया माना जाता है। क्योंकि वे सभी प्रकृति से उत्पन्न हुई हैं। सत्व, रज, तम, को क्रमशः शुक्ल, रक्त तथा कृष्ण वर्ण का कल्पित किया गया है। इन तीनों की साम्यावस्था का नाम ही प्रकृति है। ये गुण प्रकृति के अंगभूत तत्व हैं।

50. पाठ्यक्रम की क्रियान्वितिकारी रणनीतियों के बारे में निर्णय लेने हेतु दर्शनशास्त्र की किस शाखा की प्रत्यक्ष रूप में प्रासंगिकता है?

(a) तत्वमीमांसा (b) सतामीमांसा
(c) ज्ञान-मीमांसा (d) मूल्य-मीमांसा

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (c) : पाठ्यक्रम की क्रियान्विति रणनीतियों के बारे में निर्णय लेने हेतु दर्शनशास्त्र की ज्ञान मीमांसा प्रासंगिक है, क्योंकि यह प्रश्नों की गहराई में जाकर गंवेषणा करता है, कि ज्ञान की वास्तविक प्रकृति क्या है, वैध है अथवा अवैध है, ज्ञान के साधन क्या हैं? इसकी विवेचना करता है इसलिए ज्ञान-मीमांसा पाठ्यक्रम से सम्बन्धित है।

51. जैन दर्शन के अनुसार, जब सम्यक् प्रज्ञा, सम्यक् शील और सम्यक् समाधि के धारण और आचरण से नवीन कार्मिक पदार्थ का आगम अवरुद्ध हो जाता है, तो यह अवस्था कहलाती है:

(a) आस्रव (b) बंध
(c) संवर (d) निर्जरा

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (c) : जैन दर्शन के अनुसार जब सम्यक् प्रज्ञा, सम्यक् शील, और सम्यक् समाधि के धारण और आचरण से नवीन कर्मिक पदार्थ का आगम अवरुद्ध हो जाता है तो यह अवस्था संवर कहलाती है। क्योंकि संवर जैन दर्शन के अनुसार एक तत्व है। इसका अर्थ होता है, कर्मो के आस्रव को रोकना। जैन सिद्धान्त सात तत्वों पर आधारित है, इनमे से चार तत्व आस्रव, बंध, संवर और निर्जरा हैं।

52. नीचे दिए गए दो सूची में से सूची-I प्रकृति के सर्ग का वर्णन करता है, जबकि सूचा-II सांख्य दर्शन के सदंर्भ में उनकी प्रकृति तथा प्रकार्य को इंगित करता है। दोनों सूचियों का मिलान करें।

सूची-I (प्रकृति के सर्ग)		सूची-II (स्वभाव एवं प्रकार्य)	
(A)	महत्	(i)	न तो महाभूत के गुण, न ही विभेदक और न ही प्रकार्य
(B)	अहम	(ii)	यह प्रकृति में समष्टि है, तथा ज्ञान के मनोवैज्ञानिक पक्ष का प्रकार्य है।
(C)	मन	(iii)	यह व्यक्तीकरण का सिद्धांत है, एवं इसका कार्य स्वभाव का सृजन करना है।
(D)	तन्मात्राएं	(iv)	यह एक सूक्ष्म एवं केन्द्रीय इन्द्रिय है, जो इन्द्रियानुभविक प्रदत्तों को नियत प्रत्यक्षीकरण के रूप में संश्लेषित करता है।

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (c) : दिये गये सूचियों का मिलान निम्नलिखित है-

सूची-I (प्रकृति के सर्ग)		सूची-II (स्वभाव एवं प्रकार्य)	
(A)	महत्	-	यह प्रकृति में समष्टि है, तथा ज्ञान के मनोवैज्ञानिक पक्ष का प्रकार्य है।
(B)	अहम	-	यह व्यक्तीकरण का सिद्धांत है, एवं इसका कार्य स्वभाव का सृजन करना है।
(C)	मन	-	यह एक सूक्ष्म एवं केन्द्रीय इन्द्रिय है, जो इन्द्रियानुभविक प्रदत्तों को नियत प्रत्यक्षीकरण के रूप में संश्लेषित करता है।
(D)	तन्मात्राएं	-	न तो महाभूत के गुण, न ही विभेदक और न ही प्रकार्य

53. सांख्य में तीनों गुणों की साम्यावस्था को क्या कहा जाता है?

(a) पुरुष (b) महत्

(c) प्रकृति (d) सूक्ष्म तन्मात्र

NTA UGC NET/JRF June 2019

Ans. (c) : सांख्य दर्शन में तीनों गुणों की साम्यावस्था को प्रकृति कहा जाता है। प्रकृति त्रिगुणात्मिक है। वे तीन गुण हैं–सत्व, रज, तम इन्हीं तीन गुणों की साम्यावस्था का नाम ही प्रकृति, प्रधान या अव्यक्त है। किसी लौकिक समस्या को ईश्वर नियम न मानकर इन प्रकृतियों के तालमेल बिगड़ने और जीवों के पुरुषार्थ न करने को, कारण बताया जाता है अर्थात् सांख्य दर्शन में सृष्टि की उत्पत्ति भगवान के द्वारा न मानकर इसे त्रिगुणात्मक विकासात्मक प्रक्रिया के रूप में माना जाता है।

54. जैन दर्शन में अपरोक्ष ज्ञान है

(a) इन्द्रियजन्य ज्ञान (b) अनुमानजन्य ज्ञान

(c) सत्ता से व्युत्पन्न ज्ञान (d) अतीन्द्रिय ज्ञान

NTA UGC NET/JRF June 2019

Ans. (d): जैन दर्शन में अपरोक्ष ज्ञान अतीन्द्रिय ज्ञान है। अतीन्द्रिय ज्ञान एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी सेन्स परएप्शन की प्राप्ति में मस्तिष्क के अचेतन भाग के अन्य केन्द्र भी काम करते हैं, पर आज्ञाचक्र का उपयोग सबसे अधिक होता है।

55. आज की भारतीय सामाजिक प्रणाली में समानता और उत्कृष्टता के लक्ष्यों को निम्नलिखित में से किस दर्शन के संदर्भ में दो विपरीत ध्रुवों के रूप में नहीं देखा जा सकता ?

(a) गांधी का बुनियादी शिक्षा-दर्शन

(b) डीवी का एक लघु समाज के रूप में विद्यालय संबंधी दर्शन

(c) मोहम्मद का इस्लामिक दर्शन

(d) शंकराचार्य का वेदांत दर्शन

NTA UGC NET/JRF Dec 2018

Ans. (d) : शंकराचार्य के वेदान्त दर्शन के सन्दर्भ में समानता और उत्कृष्टता के लक्ष्यों को दो विपरीत ध्रुवों के रूप में नही देखा जा सकता है।

56. निम्नलिखित में से कौन-से कथन जैन तत्वमीमांसा को सर्वाधिक सटीक ढंग से वर्णित करते हैं? नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(i) यथार्थ प्रपंच शून्य है।

(ii) यथार्थ की प्रकृति बहुतत्व अनुप्राणित है।

(iii) बाह्य जगत् 'परम चेतना' की कृति है।

(iv) जगत् सत्य है और निर्वाण भी सत्य है।

(v) 'कर्म' वह कड़ी है जो आत्मा को शरीर से जोड़ती है।

(vi) पुद्गल और जीव पृथक् और स्वतंत्र यथार्थ है।

कूटः

(a) (iii), (iv) और (vi) (b) (i), (ii) और (iii)

(c) (i), (iii) और (v) (d) (ii), (v) और (vi)

NTA UGC NET/JRF Dec 2018

Ans. (d) : जैन तत्व मीमांसा को सर्वाधिक सटीक ढंग से वर्णन निम्न वाक्य प्रदर्शित करते हैं।

- यथार्थ की प्रकृति बहुतत्व अनुप्रमाणित है, इस मत के अनुसार जगत की अन्तिम सत्ता कोई एक तत्व नही है व ब्रहम, न प्रकृति और न ही कोई भौतिक तत्व।
- कर्म वह कड़ी है जो आत्मा को जोड़ती है, जैन दर्शन के अनुसार छात्र ही कर्मो का कर्ता तथा भोक्ता है। उसमे कर्म का सम्बन्ध आत्मा से होता है।
- पुद्गल एवं जीव पृथक यथार्थ स्वतंत्र है, अर्थात जैन दर्शन के अनुसार पुद्गल एवं जीव स्वतंत्र है।

57. निम्नलिखित में से कौन कला और हस्तशिल्प के प्रशिक्षण पर जोर देता है?

(a) इस्लाम धर्म (b) जैन धर्म

(c) बौद्ध धर्म (d) सांख्य दर्शन

UGC NET/JRF 22 July 2018 (Re Exam)

Ans. (a) : मुस्लिम शासकों ने ललित कला, हस्तकला तथा वास्तुकला जैसी व्यावसायिक शिक्षा को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया। मुस्लिम काल में दस्तकारी, नक्काशी, जरी, मलमल, हाथी दांत, पच्चीकारी आदि कला-कौशल सम्बन्धी कार्य अत्यन्त उच्च कोटि के किये जाते थे। यद्यपि इन कलाओं की शिक्षा देने के लिए कोई औपचारिक शिक्षा संस्थाए नहीं थी, परंतु इन कलाओं में दक्ष कारीगरों के साथ काम करके छात्रगण इन कलाओं का परीक्षण प्राप्त करते थे।

58. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए। सूची-I में कारण-कार्य संबंध दिए गए हैं जबकि सूची-II में सांख्य दर्शन में स्वीकृत अतीन्द्रिय सत्ता दी गई है।

सूची-I (कारण–कार्य संबंध का स्वरूप)		सूची-II (अतीन्द्रिय सत्ता)	
(A)	केवल कारण	(i)	पुरुष
(B)	केवल कार्य	(ii)	तन्मात्राएँ
(C)	केवल और कार्य दोनों	(iii)	ज्ञानेन्द्रिय और कर्मेन्द्रिया
(D)	न कारण न कार्य	(iv)	ईश्वर
		(v)	प्रकृति

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(i)	(v)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

UGC NET/JRF July 2018

Ans. (d) : दिये गये सूचियों का मिलान निम्नलिखित है-

सूची-I (कारण–कार्य संबंध का स्वरूप)			सूची-II (अतीन्द्रिय सत्ता)
(A)	केवल कारण	-	प्रकृति
(B)	केवल कार्य	-	ज्ञानेन्द्रिय और कर्मेन्द्रिया
(C)	केवल और कार्य दोनों	-	तन्मात्राएँ
(D)	न कारण न कार्य	-	पुरुष

59. निम्नलिखित में से किसे मनो-ऊर्जा का भण्डार गृह कहा जाता है?

(a) इदम् (b) अहम्
(c) पराअह्म (d) उपरोक्त सभी

UP PGT 2013

Ans. (a) इदम् जन्मजात प्रकृति का होता है। इसमें मुख्य रूप से व्यक्ति की प्रवृत्तियाँ, मूल वासनाऐं, तथा दमित इच्छाएँ आती हैं। यह तत्काल आनन्द प्राप्त करना चाहता है जबकि अहम् वास्तविकता से सम्बन्धित होता है और पराअहम् सामाजिक मान्यताओं, संस्कारों तथा आदर्शों से सम्बन्धित होता है।

60. 'फिलॉसफी' दो शब्दों के योग से बना है-

(a) फिलियेन +सोफिया (b) फिलो + सोफिया
(c) फि + लोसाफिया (d) फिल + ओसोफिया

UP PGT 2013

Ans. (b) दर्शन शब्द को अंग्रेजी में फिलॉसफी कहते हैं। इस शब्द की उत्पत्ति दो ग्रीक शब्दों Philos (फिलॉस) तथा Sophia (सोफिया) से हुई है। जिसका अर्थ ''ज्ञान के लिए प्रेम' है।

61. किसने कहा है-''शिक्षा एक द्विमुखी प्रक्रिया है'' :

(a) बटलर (b) बॉसिंग
(c) एडम्स (d) सुकरात

UP PGT 2000, 2011, 2013

Ans. (c) जॉन एडम्स महोदय ने शिक्षा को द्विमुखी प्रक्रिया माना है उनके अनुसार शिक्षा की प्रक्रिया शिक्षार्थी और शिक्षक के बीच चलती है। इसे हम निम्नलिखित रूप से प्रकट कर सकते हैं।

शिक्षार्थी ←(शिक्षा)→ शिक्षक

62. शिक्षा एक द्विध्रुवीय प्रक्रिया है यह किसने माना है।

(a) रॉस ने (b) एडम्स ने
(c) ड्यूीव ने (d) उपरोक्त (a) और (b) दोनों ने

UP PGT 2011

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. ''दर्शन का गत्यात्मक पहलू शिक्षा है'' इस कथन का संबंध है-

(a) गांधी (b) जॉन एडम्स
(c) अरविंद (d) फ्रायड

UP PGT 2011

Ans. (b) जॉन एडम्स का कथन है कि ''दर्शन का गत्यात्मक पहलू शिक्षा है।'' या ''शिक्षा दर्शन का गतिशील पक्ष है। यह दार्शनिक विश्वास का सक्रिय पहूल है।'' शिक्षा कोई मृत प्रक्रिया रही है बल्कि शिक्षा दर्शन का गतिशील पक्ष है। यह परिवर्तन की जीवंत गतिशील द्विध्रुवीय प्रक्रिया है।

64. नकारात्मक शिक्षा का प्रत्यय किसने दिया :

(a) सात्रे (b) डीवी
(c) रूसो (d) पेस्टालॉजी

UP PGT 2011

Ans. (c) रूसों के अनुसार, वह ज्ञान अथवा क्रिया जिसे बच्चे स्वयं करके स्वयं के अनुभवों से सीखते हैं, वह स्थायी होता है। इसे रूसों ने निषेधात्मक या नकारात्मक शिक्षा की संज्ञा दी।

65. 'नकरात्मक शिक्षा' देन है

(a) रूसो की (b) स्पेन्सर की
(c) एडम्स की (d) बेकन की

UP PGT 2009

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. रूसो द्वारा प्रतिपादित शिक्षा पद्धति थी :

(a) रटकर सीखना (b) पुस्तकीय ज्ञान देना
(c) क्रिया द्वारा सीखना (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2009

Ans. (c) रूसो एक प्राकृतिवादी दार्शनिक था। रूसो शिक्षा को बाल केन्द्रित बनाना चाहता था। रूसो ने ज्ञान में प्रत्यक्ष अनुभव को महत्वपूर्ण माना 'यर्थार्थ' अनुभव ही ज्ञान का साधक है, इसलिए बालक को क्रिया करके सिखाना चाहिए। शिक्षा की प्रणाली, बालकों की रूचियों और प्रवृत्तियों के अनुसार होनी चाहिए।

67. साक्षात्कार कौन सी विधि है?

(a) मध्यमान विधि (b) मूल्यांकन विधि
(c) शैक्षिक विधि (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2009

Ans. (b) साक्षात्कार किसी विद्यार्थी/बालक/व्यक्ति के विकास के मूल्यांकन की सर्वोत्तम विधि है अतः साक्षात्कार मूल्यांकन विधि के अर्न्तगत आता है।

68. 'प्रकृति की ओर लौटो' यह नारा संबंधित है?

अथवा

शिक्षा की प्रकृति की ओर वापस जाने का सिद्धांत किसने दिया था ?

(a) प्लेटो से (b) रूसो से
(c) डीवी से (d) कमेनियस से

UGC NET/JRF June 2006
UPPSC GDC Pravkta 2008
UP PGT 2009, 2011

Ans. (b) रूसो ने प्रकृतिवादी विचारधारा के अनुसार आध्यात्मिक सत्ता का खण्डन और प्रकृति की सत्ता का प्रतिपादन किया है रूसो का सबसे पहला नारा था प्रकृति की ओर लौटो। रूसो ने 'प्रकृति की ओर लौटो' का जो नारा दिया उससे यही संकेत निकलता है कि वह छात्रों को दूषित समाज से दूर गाँव की प्राकृतिक छत्र छाया में ले जाना चाहता था। वास्तव में यह 'वाद' 18वीं शताब्दी की यूरोप की समाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में होने वाली 'क्रांति' के परिणाम स्वरूप हआ।

69. विश्व का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है

(a) यू के ओ यू (b) इग्नू
(c) एफ ओ यू (d) सी आर टी यू

UP PGT 2005

Ans. (a) विश्व का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय यूनाइटेड किंगडम ओपन यूनिवर्सिटी था। इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 1969 में अधिक से अधिक लोगों को शैक्षिक अवसर प्रदान करने की दृष्टि से की गयी थी।

70. 'निषेधात्मक शिक्षा' पर किसने बल दिया था?

(a) प्लेटो ने (b) डी वी ने
(c) रूसो ने (d) कमोनियस ने

UP PGT 2005

Ans. (c) प्रकृतिवादी विचारधारा रूसो ने शिक्षा की एक नवीन अवधारणा का प्रतिपादन किया जिसे निषेधात्मक शिक्षा के नाम से जाना गया। रूसो के समय धर्म तथा समाज स्वीकृत आदर्शों की शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बालक के लिए अनिवार्य था। स्मृति तथा पुस्तकीय ज्ञान को ग्रहण करना शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग था। रूसो के मत से यह शिक्षा बालक के स्वभाव तथा रूचि के प्रतिकूल थी। अतः उसमें ज्ञान के प्रकाश के स्थान पर अज्ञान का अंधकार उत्पन्न करती है। वास्तव में बालक की भावनाओं तथा प्राकृतिक शक्तियों का पूर्ण विकास करना ही शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य था। इसलिए रूसो कहते हैं कि बच्चे को निषेधात्मक शिक्षा देनी चाहिए जिसका तात्पर्य बालक को निष्क्रिय बना देना नहीं वरन् उसे दुर्गुणों से बचाना तथा त्रुटियों से दूर रखना है।

71. सामाजिक दक्षता का प्रत्यय दिया गया था

(a) जेम्स द्वारा (b) पीयर्स द्वारा
(c) डी वी द्वारा (d) हेगेल द्वारा

UP PGT 2005

Ans. (c) शिक्षा में सामाजिक दक्षता का प्रत्यय जॉन डीवी द्वारा प्रतिपादित किया गया था। डीवी महोदय के अनुसार वर्तमान समय में संसार के प्रगतिशील समाजों में किसी व्यक्ति की सामाजिक दक्षता और कुशलता ही उसके सामाजिक स्तरीकरण को निर्धारित करता है।

72. ''दर्शन का सम्बन्ध शैक्षिक उददेश्यों के निर्धारण से है, जबकि शिक्षा विज्ञान शैक्षिक साधनों का निर्धारण करता है।'' यह कहा गया है

(a) स्पेन्सर द्वारा (b) फिक्टे द्वारा
(c) जॉन डीवी द्वारा (d) रसेल द्वारा

UP PGT 2005

Ans. (c) ''दर्शन का सम्बन्ध शैक्षिक उददेश्यों के निर्धारण से है जबकि शिक्षा विज्ञान, शैक्षिक साधनों का निर्धारण करता है।'' यह कथन महान दर्शनशास्त्री एवं शिक्षाशास्त्री जॉन डीवी का है।

73. कर्म का सिद्धांत इस दर्शन का भिन्न अंग है

(a) केवल वेदान्त का
(b) केवल बौद्धवाद का
(c) वेदान्त तथा बौद्धवाद दोनों का
(d) न तो वेदान्त का और न ही बौद्धवाद का

UP PGT 2005

Ans. (a) कर्म के सिद्धांत को वेदान्त दर्शन में अधिक महत्व दिया गया है, इसके अनुसार मानव में व्यवहारिक जीवन के लिए व्यवहारिक कर्म चिन्त-सुधि के लिए निष्काम कर्म और ज्ञान प्राप्ति के लिए अध्ययन मनन, और निधीदध्यासन पर बल दिया गया है।

74. 'शिक्षा वैयक्तिकता का पूर्ण विकास है, जिससे कि व्यक्ति अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार मानव जीवन को योगदान दे सके।'' यह किसका कथन है?

(a) प्लेटो का (b) गाँधीजी का
(c) टी पी नन का (d) टैगोर का

UP PGT 2005

Ans. (c) ''शिक्षा वैयक्तिकता का पूर्ण विकास है, जिससे कि व्यक्ति अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार मानव जीवन को योगदान दे सके।'' यह कथन महान शिक्षाशास्त्री टी॰ पी॰ नन का है

75. ''अपने छात्र को शाब्दिक पाठ न पढ़ाओ, उसे केवल अनुभव द्वारा पढ़ाओ।'' यह किसने कहा?

(a) टी. पी. नन ने (b) रूसो ने
(c) ए. ई. टेलर ने (d) डीवी ने

UP PGT 2005

Ans. (b) रूसो के अनुसार बच्चों को स्वयं अनुभव करके सीखना चाहिए। उनके अपने शब्दों में, अपने विद्यार्थी को मौखिक पाठ न पढ़ाओं, उसे अनुभव द्वारा सीखने देना चाहिए, जब भी अवसर मिले उसे, करके सीखने दो और शब्दों द्वारा सीखने की बात तभी सोचो जब करके सीखना असंभव हो। इस प्रकार 'स्वयं करके सीखना तथा स्वानुभाव द्वारा सीखना' रूसो का दूसरा नारा था।

76. ''शिक्षा जीवन के लिए तैयारी नहीं है, अपितु यह स्वयं जीवन है।''- यह कथन किसका है?

(a) रॉस (b) किलपैट्रिक
(c) स्टीवेन्सन (d) डीवी

UP PGT 2004

Ans. (a) रॉस के अनुसार- ''शिक्षा जीवन के लिए तैयारी नहीं, अपितु यह स्वयं जीवन है।''

77. ''दर्शन की सहायता के बिना शिक्षा की प्रक्रिया सही मार्ग पर नहीं बढ़ सकती''- यह कथन हैं :

(a) स्पेन्सर का (b) जेन्टाइल का
(c) फिश्टे का (d) रूसो का

UP PGT 2004

Ans. (b) जेन्टाइल के अनुसार दर्शन की सहायता के बिना शिक्षा की प्रक्रिया सही मार्ग पर नहीं चल सकती। इसी प्रकार फिक्टे महोदय ने कहा है कि दर्शनशास्त्र की सहायता के बिना शिक्षा पूर्णता स्पष्टता को प्राप्त नहीं कर सकती।

78. ''हमारे प्रथम शिक्षक हमारे हाथ-पैर और आँख होते हैं।''- यह कथन है :

(a) रूसों का (b) लॉक का
(c) कमेनियन का (d) डार्विन का

UP PGT 2004

Ans. (b) जॉन लॉक के अनुसार हमारे प्रथम शिक्षक हमारे हाथ-पैर और आँखे होते है।

79. दर्शन का अभिप्राय है :

(a) अवलोकन करना (b) देखना

(c) चिन्तन करना (d) सत्य की खोज की खोज करना

UP PGT 2004

Ans. (c) दर्शन मनुष्य के चिन्तन की उच्चतम सीमा हैं इसमें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप सृष्टि-सृष्टा, आत्मा-परमात्मा, जीव-जगत, ज्ञान-अज्ञान और मनुष्य के मरणीय व अकरणीय कर्मों का तार्किक चिन्तन व विवेचन किया जाता है।

80. 'तत्व सिद्धान्त' का प्रतिपादन किसने किया?

(a) प्लेटो (b) डेकार्ट

(c) बर्कले (d) स्पिनोजा

UP PGT 2004

Ans. (a) किसी भी दार्शनिक चिन्तनधारा के स्वरूप को समझने के लिए हमें उसकी तत्वमीमांसा ज्ञानमीमांसा एवं आचार मीमांसा को समझना आवश्यक होता है। तत्वमीमांसा का प्रतिपादन प्लेटों ने किया था।

81. शिक्षा :

(a) दार्शनिक विश्वास का क्रियाशील रूप है

(b) दार्शनिक विश्वास का सिद्धान्त है

(c) दार्शनिक विश्वास का सिद्धान्त एवं क्रियाशील रूप दोनों हैं

(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2004

Ans. (a) दर्शन इस ब्रह्माण्ड और उसमें विद्यमान मानव जीवन की व्याख्या करता है। मनुष्य जीवन के उद्देश्य निर्धारित करता है। और यह स्पष्ट करता है। कि इन उददेश्यों की प्राप्ति कैसे की जा सकती है। शिक्षा की व प्रकिया है जिसके द्वारा हम दर्शन द्वारा निश्चित उददेश्यों को प्राप्त करते है। इस प्रकार शिक्षा दर्शन का गतिशील एवं क्रियाशील पहलू है।

82. ''जब रागात्मक प्रकृति का वेग बढ़ जाता है तभी संवेग की उत्पत्ति होती है।'' - यह कथन है :

(a) रॉस का (b) वुडवर्थ का

(c) गेट्स एवं अन्य का (d) वेलेंन्टाइन का

UP PGT 2004

Ans. (d) यह कथन वेलेन्टाइन का है। संवेग की उत्पत्ति मनोवैज्ञानिक कारणों से होती है। इसमें किसी प्रबल भावना के कारण शारिरिक परिवर्तन और निश्चित प्रकार का व्यवहार करने की प्रवृत्ति निहित होती है। वेलेन्टाइन महोदय के अनुसार 'जब रागात्मक प्रवृत्ति का वेग बढ़ जाता है। तभी संवेग की उत्पत्ति होती है।

83. ''प्रत्येक व्यक्ति की एक मूल प्रवृत्ति होती है जिसके द्वारा वह अपने आपको यह सिद्ध करना चाहता है कि वह कम-से-कम किसी एक क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं है।'' ये विचार किसके हैं?

(a) एडलर (Adler) के (b) एरिक्शन (Eikson) के

(c) स्किनर (Skinner) के (d) इनमें से किसी के नहीं

UP PGT 2003

Ans. (a) एडलर के अनुसार–''प्रत्येक व्यक्ति की एक मूल प्रवृत्ति होती है जिसके द्वारा वह अपने आपको यह सिद्ध करना चाहता है कि वह कम-से-कम किसी एक क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं है।''

84. किण्डरगार्टन पद्धति के प्रवर्तक हैं :

(a) फ्रोबेल (b) पेस्टालोजी

(c) जॉन लॉक (d) मॉन्टेसरी

UP PGT 2003

Ans. (a) किण्डरगार्टन पद्धति के प्रवर्तक फ्रेडरिक फ्रोबेल हैं। किण्डरगार्टन जर्मन भाषा का शब्द है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है- Kinder अर्थात 'बालक' तथा Garten अर्थात् 'उद्यान' या 'बाग'। इस प्रकार किण्डरगार्टन शब्द का अर्थ है Children's Garden अर्थात् 'बसाल उद्यान'। फ्रोबेल ने पौधे की तुलना बालक से तथा माली की शिक्षा से की है। जिस प्रकार माली उद्यान के पौधे की देखभाल करके उसकी स्वाभाविक वृद्धि में सहायता देता है, उसी प्रकार शिक्षक स्कूल में उपयुक्त वातावरण का निर्माण करके बालक के स्वाभाविक विकास में योग देता है।

85. निम्नलिखित में से किस विद्वान का कहना है कि ''खेल बालक की जन्मजात स्वाभाविक प्रवृत्ति है?

(a) स्टर्न (b) वैलण्टाइन

(c) मैक्डूगल (d) इनमें से किसी का भी नहीं

UP PGT 2003

Ans. (c) खेल एक मनोरंजन पूर्ण क्रिया है तथा इसके द्वारा हमें आत्म-प्रकाशन के अवसर प्राप्त होते हैं।
मैक्डूगल के अनुसार - 'खेल जन्मजात स्वाभाविक प्रवृत्ति है।'
स्टर्न- 'खेल एक स्वेच्छानुरूप आत्म संयम की क्रिया है।'
वैलण्टाइन - 'खेल मनोरंजन का एक प्रकार है, जो कार्य में निहित होता है।'
टी.पी.नन् - खेल रचनात्मक क्रियाओं का गहन प्रकाशन है।

86. दर्शनशास्त्र की कौन-सी शाखा शिक्षा की विधि से अधिक लक्ष्य एवं उद्देश्य को महत्व प्रदान करती है?

(a) यथार्थवाद (b) आदर्शवाद

(c) गाँधीवाद (d) मार्क्सवाद

UP PGT 2002

Ans. (b) एक शिक्षा दर्शन के रूप में आदर्शवाद शिक्षाशास्त्रियों को शाश्वत मूल्यों से परिचित कराता है। और इन मूल्यों के आधार पर शिक्षा के सार्वभौमिक और सार्वकालिक उद्देश्य निश्चित करता है। आदर्शवाद में शिक्षण विधियों से अधिक शिक्षा के उददेश्यों पर बल दिया जाता है ।

87. शिक्षकों को दर्शनशास्त्र भी जानना चाहिए, क्योंकि :

(a) शिक्षकों को दर्शनशास्त्री होना चाहिए

(b) उन्हें इस भौतिक संसार की चिंता नहीं करनी चाहिए

(c) सभी शैक्षिक प्रश्न अन्ततः दर्शनशास्त्र के ही प्रश्न होते हैं

(d) भारतवर्ष दर्शनशास्त्रियों का एक देश है

UP PGT 2002

Ans. (c) दर्शन शिक्षा के स्वरूप की व्याख्या करता है। इससे हमें शिक्षा के सही सम्प्रत्यय का ज्ञान होता है। सभी शैक्षिक प्रश्न इसीलिए दर्शनशास्त्र के ही प्रश्न होते हैं, इसीलिए शिक्षकों को दर्शनशास्त्र का भी ज्ञान होना चाहिए।

88. ''शैक्षिक पर्यवेक्षण अनुदेशन में सुधार लाने के लिए एक नियोजित कार्यक्रम होता है।'' यह किसने कहा है?

(a) डब्ल्यू. किम्बाल ने (b) एडम्स व डिवकी ने

(c) एफ.सी.अय्यर ने (d) हेनरी फेयोल ने

UP Higher Asst. Prof. 2014

Ans. (b) : एडम्स एवं डिवकी के अनुसार- पर्यवेक्षक शैक्षिक विकास का सुनियोजित कार्यक्रम है।

89. लेखक की सूची-I से उनकी पुस्तकों की सूची-II का मेल कीजिए। सूचियों के नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनियेः